राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 42 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, गुरूवार ,12 अगस्त 2021 , मूल्य रु. 1.50

किन्नौर में बड़ा हादसा : 10 लोगों की मौत, 13 लोग बचाए गए

कई अब भी फंसे, दबे हैं एचआरटीसी की बस समेत छह वाहन

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के जिला किन्नौर में निगुलसरी में राष्ट्रीय राजमार्ग पांच पर पहाड़ दरकने से हुए हादसे में 10 लोगों की मौत हुई है जबकि घायल हुए 13 लोगों को बचा लिया गया है। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भावानगर भेजा गया है जबकि एक कार आंशिक रूप से और दूसरी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। पहाड़ी से दरके मलबे की चपेट में सवारियों से भरी एक बस भी आ गई है। बताया जा रहा है बस में 24 यात्री सवार थे। मलबे में 60 से अधिक लोग दबे बताए जा रहे हैं। जिला प्रशासन समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। एनडीआरएफ समेत सीआरपीएफ व आइटीबीपी की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं व राहत कार्य शुरू कर दिया है। सीएम जयराम ठाकुर हादसे का जायजा लेने झाकड़ी पहुंचे, वहां से सड़क के माध्यम से निगुलसरी पहुंचे।

एनडीआरएफ टीम ने 13 लोगों को रेस्क्यू किया है। 10 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है चार लोग खुद जख्मी हालत में मलबे से बाहर निकलकर सड़क तक पहुंच गए। बचाव कार्य जारी है, लेकिन रुक रुककर मलबा गिरने से बचाव कार्य प्रभावित हो रहा है। आइटीबीपी के प्रवक्ता विवेक पांडेय के मुताबिक हादसे में करीब 60 लोगों के फंसे होने की आशंका है।

सरकार ने भेजा मदद के लिए चौपर

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सदन में अवगत करवाया कि किन्नौर में एक हादसा हो गया है। जिसमें राहत कार्य करने के लिए एनडीआरएफ, आइटीबीपी, सीआरपीएफ की टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं। स्थानीय प्रशासन को भी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए लगाया गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का फोन आया था उन्होंने भी हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया है। चट्टानों के नीचे दबी बस से लोगों को सुरक्षित निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

दौलतराम पानवी निवासी, चरणजीत निवासी पंजाब, अरविंद शर्मा निवासी नेपाल, सबकी देवी सराहन, गुलाब सिंह मंडी, अरुण निवासी सराहन, चंद्र ज्ञान रोपा निवासी को रेस्क्यू किया गया है, इन्हें हल्की चोटें लगी हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी भावानगर ले जाया गया है।

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सदन में अवगत करवाया कि किन्नौर में एक हादसा हो गया है। जिसमें राहत कार्य करने के लिए एनडीआरएफ, आइटीबीपी, सीआरपीएफ की टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं। स्थानीय प्रशासन को भी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए लगाया गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का फोन आया था उन्होंने भी हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया है। चट्टानों के नीचे दबी बस से लोगों को सुरक्षित निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार चौपर भी भेज रही है, ताकि इस घटना में फंसे लोगों को सुरक्षित निकाल कर उन्हें इलाज के लिए अस्पताल तक लाया जा सके।

बीते दिनों में भी किन्नौर में पहाड़ी से भारी भूस्खलन हुआ था, जिसमें पर्यटकों का वाहन मलबे की चपेट में आ गया था व नौ लोगों की मौत हो गई थी। अब एक बार फरि से बड़े हादसे ने पूरे हिमाचल को झकझोर कर रख दिया है।

पीएम मोदी व अमित शाह ने की जयराम ठाकुर से बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किन्नौर हादसे के बाद मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर से बात कर स्थिति की जानकारी ली है। पीएम मोदी ने बचाव अभियान में हर संभव मदद देने का आश्वसासन दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा किन्नौर हादसे के बाद आटीबीपी के डीजी से बात की है व टीमें राहत व बचाव कार्य में जुट गई हैं। गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर से बात की है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने भी इस हादसे पर दुख जताया है।

डीएसपी भावानगर राजू के मुताबिक रिकांगपिओ से हरिद्वार जा रही हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस का चालक ही बचा है। बाकी सब मलब में दबे हुए हैं। परिचालक के मुताबिक बस में 24 यात्री सवार थे। बताया जा रहा है बस समेत एक ट्रक व पांच से छह छोटी गाड़ियां भी मलबे की चपेट में आई हैं। पहाड़ी से काफी देर तक मलबा गिरता रहा।

घटनास्थल के दोनों तरफ अभी भी पत्थर और मलबा गिर रहा है। सड़क पर भारी मलबा गिरने के कारण प्रशासन व बचाव दल को मौके पर पहुंचने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

उपभोक्ता अदालतों में खाली पदों पर आठ हफ्ते में नियुक्तियों का निर्देश

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उपभोक्ता अदालतों में खाली पड़े पदों पर नियुक्तियां न किये जाने को लेकर गहरी नाराजगी जताते हुए बुधवार को राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को इन पदों पर आठ हफ्ते के भीतर नियुक्तियां करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान नाराजगी भरे लहजे में कहा कि क्या राज्य सरकारों को इस बाबत कदम उठाने के लिए कोई शुभ मुहुर्त की आवश्यकता है? खंडपीठ ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जिला और राज्य आयोगों में सालों से खाली पदों पर आठ सप्ताह के भीतर नियुक्तियां करने का आदेश दिया। इतना ही नहीं, खंडपीठ ने आगाह भी किया कि यदि उसके आदेश का पालन नहीं हुआ तो वह संबंधित राज्य के मुख्य सचिव को व्यक्तिगत तौर पर पेश होने का आदेश जारी करेगी। गौरतलब है कि इस मामले में न्यायालय ने स्वतः संज्ञान के तहत कार्यवाही शुरू की थी और देशभर में जिला एवं राज्य उपभोक्ता निवारण आयोगों में लंबित रिक्तियों के संबंध में जानकारी प्रदान करने के लिए पिछले माह केंद्र एवं राज्य सरकारों को दो सप्ताह का समय दिया था।

संसद का मानसून सत्र समय से पहले संपन्न

नयी दिल्ली, एजेंसी। संसद का मानसून सत्र विपक्षी दलों के पेगासस जासूसी मामले, किसानों के आंदोलन, महंगाई और कई अन्य मुद्दों को लेकर भारी हंगामे के कारण निर्धारित समय से दो दिन पहले खत्म हो गया। राज्यसभा में कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किये जाने के पहले सदन के नेता एवं केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्ष के आचरण की कड़ी निंदा करते हुए इसकी एक विशेष समिति से जांच कराने एवं उनपर कठोरतम कार्रवाई करने की मांग की।

राज्यसभा में आज विपक्षी दलों के सदस्यों के पेगासस मुद्दे पर हंगामे के कारण शून्यकाल नहीं हुआ। सभापति एम वेंकैया नायडू ने प्रश्नकाल स्थगित करके संविधान के 105 वें संशोधन विधेयक पर चर्चा आरंभ करायी। जिसे करीब पांच घंटे की चर्चा के बाद सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार द्वारा जवाब देने के बाद सदन ने इसे मत विभाजन के जरिये पारित कर दिया। इस विधेयक के पक्ष में 187 मत पड़े जबकि विरोध में शून्य। लोकसभा से मंगलवार को पारित इस विधेयक के आज राज्यसभा से भी पारित होने के बाद राज्यों को फिर से अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी) की सूची बनाने का अधिकार मिलने का रास्ता साफ हो गया।

बाद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश साधारण बीमा कारबार (राष्ट्रीयकरण) संशोधन विधेयक 2021 तथा आयुष मंत्री सवानंद सोनोवाल द्वारा पेश भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग (संशोधन) विधेयक 2021 तथा होम्योपैथी केन्द्रीय परिषद (संशोधन) विधेयक 2021 विपक्षी सदस्यों के भारी हंगामे एवं नारेबाजी के बीच संक्षिप्त चर्चा के बाद ध्वनिमत से पारित किये गये। इस दौरान विपक्ष के विरोध के कारण सदन की कार्यवाही एक बार 15 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी।

राज्यसभा के नेता सदन एवं केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विधेयकों के पारित होने के बाद विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि वह पहले दिन से ही संसद की कार्यवाही को चलने नहीं देना चाहता था और इसकी बाकायदा योजना बनायी गयी थी। सभापति एवं सरकार ने सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने का यथा संभव प्रयास किया लेकिन सदन चलने नहीं दिया गया। विपक्ष पर सदन की गरिमा गिराने का आरोप लगाया और इसकी निंदा की। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने सदन और सभापीठ का अपमान किया। सदन में विरोध के दौरान कोविड प्रोटोकोल का पालन नहीं किया। कोविड मामले, किसानों के आंदोलन और अर्थव्यवस्था पर चर्चा कराने को लेकर विपक्ष के साथ सहमति बनी थी लेकिन कोविड पर चर्चा हो सकी।

श्री गोयल ने सत्र की शुरूआत से लेकर आज तक की घटनाओं का विस्तार से विवरण दिया और कहा कि सदन में मयार्दाहीनता, महासचिव से हाथापायी की कोशिश, कागज फेंकना, सुरक्षाकर्मियों से दुर्व्यवहार, कांच तोड़ना आदि घटनाओं को इतिहास में काले अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने इसी क्रम में छह सदस्यों को निलंबित करने की घटना पर अफसोस जाहिर करते हुए कहा कि विपक्ष को विरोध करने का पूरा करने का अधिकार है लेकिन उसकी एक सीमा होती है। उन्होंने मांग की कि विपक्षी सदस्यों के आचरण के हर पहलू की एक विशेष समिति से जांच करायी जाये तथा हिंसक श्रेणी की घटनाओं पर कठोर से कठोर कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में इसकी एक नजीर बने और कोई देश एवं सदन का अपमान नहीं करे। इस वक्त आसन पर उपसभापति हरिवंश विराजमान थे। श्री गोयल के वक्तव्य के बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी।

लोकसभा की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने की घोषणा कर दी। इस दौरान श्री बिरला ने विपक्ष के गतिरोध के कारण सदन का कामकाज प्रभावित होने को लेकर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस सत्र में गतिरोध के कारण केवल 17 बैठकें हुईं और केवल 21 घंटे 24 मिनट का कामकाज ही हो सका, जो कुल निर्धारित अवधि का महज 22 फीसदी है।

अध्यक्ष ने कहा कि सदस्यों के हंगामे के कारण 74 घंटे 46 मिनट कामकाज बाधित हुआ। उन्होंने इस सत्र में पारित ओबीसी की सूची से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक सहित विभिन्न विधेयकों का भी जिक्र किया। तत्पश्चात अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। इस दौरान सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और ज्यादातर केंद्रीय मंत्री भी मौजूद थे।

विपक्षी सांसदों पर कठोर कार्रवाई की मांग

विपक्ष ने लगाया हमले का आरोप

एनसीपी नेता शरद पवार ने कहा, "55 साल के अपने संसदीय जीवन में मैंने कभी ऐसा नहीं देखा था जिस तरह महिला सांसदों पर आज (राज्यसभा में) हमला किया गया। 40 से अधिक पुरुष और महिलाओं को सदन में बाहर से लाया गया था। यह दर्दनाक है। यह लोकतंत्र पर हमला है।" राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को आरोप लगाया कि सदन में विरोध प्रदर्शन के दौरान वहां मौजूद कुछ महिला सुरक्षाकर्मियों ने विपक्ष की महिला सदस्यों के साथ धक्कामुक्की की और उनका अपमान किया। हालांकि सरकार ने उनके आरोप को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि यह "सत्य से परे" है। खड़गे ने व्यवस्था का प्रश्न उठाते हुए कहा कि विपक्ष के सदस्य जब विरोध प्रदर्शन के लिए आसन के निकट जाते हैं तो पुरुष और महिला सुरक्षाकर्मी का एक घेरा बना दिया जाता है।

देश में रिकवरी दर बढ़कर 97.45 फीसदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) के 38,353 नये मामले सामने आये हैं और इस बीच स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या अधिक रहने से रिकवरी दर बढ़कर 97.45 फीसदी हो गई है। देश में मंगलवार को 41 लाख 38 हजार 646 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये तथा अब तक 51 करोड़ 90 लाख 80 हजार 524 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के 38,353 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ 20 लाख 36 हजार 511 हो गया है। इस दौरान 40 हजार 13 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर तीन करोड़ 12 लाख 20 हजार 981 हो गयी है। सक्रिय मामले 2157 घटकर तीन लाख 86 हजार 351 रह गये हैं। इसी अवधि में 497 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर चार लाख 29 हजार 179 हो गया है। देश में सक्रिय मामलों की दर घटकर 1.21 फीसदी, रिकवरी दर बढ़कर 97.45 फीसदी और मृत्यु दर 1.34 फीसदी है।महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 2248 घटकर 69565 हो गये हैं। इसी दौरान राज्य में 7720 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 6159676 हो गयी है, जबकि 137 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 134201 हो गया है।

केरल में इस दौरान सक्रिय मामले 2474 बढ़कर 172505 हो गये हैं तथा 18493 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोना को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 3396184 हो गयी है जबकि 152 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 18004 हो गयी है।

कर्नाटक में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 640 घटकर 22702 हो गए हैं। वहीं 31 और मरीजों की मौत से मृतकों का आंकड़ा 36848 हो गया है। राज्य में अब तक 2861499 मरीज स्वस्थ हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 64 बढ़कर 20363 हो गयी है तथा 27 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 34367 हो गयी है। वहीं 2524400 मरीज संक्रमणमुक्त हुए हैं। आंध्र प्रदेश में सक्रिय मामले 18882 हो गये हैं। राज्य में कोरोना को मात देने वालों की तादाद 1952736 हो गयी है जबकि 13564 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

यूपी में कोरोना कर्फ्यू अब सिर्फ रविवार को

कोचिंग संस्थान भी खुले; सीएम योगी के निर्देश के बाद गाइडलाइन जारी

लखनऊ, एजेंसी। महीनों तक आम जनजीवन को दहशत भरी कैद में रखने वाले कोरोना संक्रमण का दम प्रदेश में लगभग टूट चुका है। 16 अप्रैल से चरणवार बढ़ीं और घटीं बंदिशों के बाद अधिकांश गतिविधियां शुरू कर दी गई थीं, लेकिन दूसरी लहर पूरी तरह काबू में आने के बाद सरकार ने अब कोचि ?ग संस्थानों को भी खोलने की अनुमति देने के साथ ही दो दिन की साप्ताहिक बंदी से भी जनता को राहत दे दी है। अब सिर्फ रविवार को ही कोरोना कर्फ्यू रहेगा। कोरोना की आपदा से बेहाल हुआ जनजीवन अब पूरी तरह ढर्रे पर आ रहा है। संक्रमण के नए मामले अब गिने-चुने ही आ रहे हैं।

बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चस्तरीय बैठक में वर्तमान हालात की समीक्षा कर साप्ताहिक बंदी को दो दिन से घटाकर एक दिन करने के साथ ही कोचिंग संस्थान खुलवाने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। इसके बाद अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी की ओर से इस संबंध में शासनादेश जारी कर दिया गया। इसके तहत सप्ताह में छह दिन सभी गतिविधियों की अनुमति रहेगी। साप्ताहिक बंदी सिर्फ रविवार को ही रहेगी। यह आदेश आगामी शनिवार से लागू होगा। रात दस से सुबह छह बजे तक की रात्रिकालीन बंदी अभी लागू रहेगी। इसके साथ ही अप्रैल से बंद चल रहे कोचिंग संस्थान को भी खोलने की अनुमति सरकार ने दे दी है। इनकी बंदी भी अब सिर्फ रविवार को ही रहेगी।

उल्लेखनीय है कि 15 अगस्त से माध्यमिक शिक्षा के स्कूल और एक सितंबर से उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई शुरू करने का आदेश सरकार पहले ही जारी कर चुकी है।

एक साल के भीतर तैयार हो जाएगा नया संसद भवन

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश का नया संसद भवन आजादी की 75वीं वर्षगांठ यानी अगले साल 15 अगस्त के पहले बन कर तैयार हो जाने की संभावना है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किये जाने के बाद संवाददाता सम्मेलन में इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि संसद के नये भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। हम कोशिश कर रहे हैं कि आजादी की 75वीं वर्षगांठ यानी 15 अगस्त 2022 के पहले नया भवन बन कर तैयार हो जाये। संसद का नया भवन लगभग 971 करोड़ रुपय की लागत से बनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत 10 दिसंबर को इसका शिलान्यास किया था। तकरीबन 60 हजार वर्गमीटर में बनने वाला यह नया भवन वर्तमान संसद भवन परिसर में ही बनाया जा रहा है।

ओबीसी समुदाय को बड़ा तोहफा

राज्यसभा से भी पारित हुआ आरक्षण बिल, लोकसभा से पहले ही मिल चुकी है मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यों को ओबीसी आरक्षण सूची तैयार करने का अधिकार देने वाले 127वें संविधान संशोधन विधेयक को राज्यसभा की मंजूरी मिल गई है। संसद के उच्च सदन में मौजूद सभी 186 सांसदों ने इस बिल का समर्थन किया। इससे पहले मंगलवार को लोकसभा ने भी इस बिल को मंजूरी दी थी। अब इस बिल को राष्ट्रपति के समक्ष पेश किया जाएगा और उनके हस्ताक्षर के साथ ही यह कानून के तौर पर लागू हो जाएगा। इसके तहत देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अपने स्तर पर ओबीसी आरक्षण के लिए जातियों की सूची तय करने और उन्हें कोटा देने का अधिकार होगा। हाल ही में महाराष्ट्र सरकार की ओर से दिए गए मराठा कोटे को सुप्रीम कोर्ट से खारिज किए जाने के बाद केंद्र सरकार यह विधेयक लाई थी।

मराठा आरक्षण पर रोक लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्य सरकार की ओर से इस तरह किसी भी समुदाय को ओबीसी सूची में शामिल नहीं किया जा सकता। अदालत के इस फैसले से महाराष्ट्र में मिला मराठा आरक्षण खारिज हो गया था और राज्य में आंदोलन शुरू हो गए थे। इसके बाद सरकार यह बिल लाई है। इससे महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की राह आसान होगी। इसके अलावा अन्य राज्यों में भी प्रदेश सरकारों को अपने मुताबिक सूची तैयार करने का अधिकार मिलेगा। राज्यसभा में इस विधेयक पर बहस के दौरान कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार से आरक्षण की 50 फीसदी सीमा को भी खत्म करने की मांग की।

इससे पहले लोकसभा में भी विपक्षी दलों ने जातिवार जनगणना कराने और आरक्षण की सीमा को समाप्त करने की मांग की थी। मंगलवार को लोकसभा में यह विधेयक पारित हुआ था और उसके बाद उसे अनिश्चितकाल यानी अगले सत्र तक के लिए स्थगित कर दिया है। सदन में लगातार जारी हंगामे के बीच ओबीसी बिल पर ऐसा पहली बार देखने को मिला, जब संसद के दोनों सदनों में चर्चा हुई और बिना किसी बाधा के कामकाज हुआ।

अफगान सैनिकों को अपने लिए लड़ना होगा : बाइडन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंगलवार को कहा कि अफगान सैनिकों को अपने लिए लड़ना चाहिए, क्योंकि पिछले कुछ दिनों में कई शहर तालिबान के कब्जे में आ गए हैं।

बाइडन ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, हमने 20 सालों में एक ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च किए। हमने 300,000 से अधिक अफगान बलों को प्रशिक्षित और आधुनिक उपकरणों से लैस किया। अब अफगान नेताओं को एक साथ आना होगा। उन्हें अपने लिए और अपने देश के लिए लड़ना होगा।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बाइडन ने कहा कि अमेरिका अफगान बलों को नजदीकी हवाई सहायता, भोजन, उपकरण, वेतन प्रदान करना जारी रखेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि अफगान वायु सेना संचालित हो। लेकिन वे लड़ना चाहते हैं। उन्होंने तालिबान को पछाड़ दिया है।

उन्होंने कहा, हम अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखेंगे और उन्हें देश से अमेरिकी सैनिकों को वापस लेने के अपने फैसले पर खेद नहीं है।

बाइडन ने अमेरिकी सेना को इस महीने के अंत तक अफगानिस्तान में अपने मिशन को समाप्त करने का आदेश दिया। यूएस सेंट्रल कमांड ने कहा कि ड्रॉडाउन का 95 प्रतिशत से ज्यादा पूरा हो चुका है।

पिछले सोमवार को, अफगान राष्ट्रपति मोहम्मद अशरफ गनी ने संसद में अपनी टिप्पणी में कहा कि काबुल के पास युद्ध के मैदान में स्थिति को बदलने के लिए छह महीने की सुरक्षा योजना थी। इस बीच उन्होंने बिगड़ते हालात के लिए अमेरिकी सैनिकों की वापसी को जिम्मेदार ठहराया।

तालिबान ने मंगलवार को दावा किया कि उन्होंने अफगानिस्तान के पश्चिमी फराह प्रांत की राजधानी फराह शहर पर कब्जा कर लिया है, जो एक सप्ताह से भी कम समय में समूह में गिरने वाली सातवीं प्रांतीय राजधानी है।

विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने इससे पहले दिन में कहा था कि अफगानिस्तान में सुरक्षा की स्थिति अमेरिका के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने एक दैनिक ब्रीफिंग में संवाददाताओं से कहा, हम चौबीसों घंटे जो कर रहे हैं वह इससे बाहर निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। यह देखते हुए कि अफगानिस्तान सुलह के लिए अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि जलमय खलीलजाद दोहा में क्षेत्रीय देशों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के लिए हिंसा और युद्धविराम में कमी के लिए दबाव बनाने के लिए हैं।

अमेरिका ने हाल के दिनों में तालिबान के खिलाफ हवाई हमले किए क्योंकि विद्रोही समूह ने देश भर में तेजी से सैन्य प्रगति की।

पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी सेना जहां और जब संभव हो अफगान बलों का समर्थन करने के लिए हवाई हमले करना जारी रखेगी, लेकिन उन्होंने यह अनुमान लगाने से इनकार कर दिया कि क्या इस तरह का हवाई समर्थन 31 अगस्त के बाद भी जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि अफगान बलों के पास तालिबान के साथ मुकाबला करने की क्षमता और फायदे हैं, उन्होंने काबुल को राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व दोनों की आवश्यकता पर बल दिया।

हाल के हफ्तों में, कई अफगान शहरों और देश के 34 प्रांतों में से लगभग आधे ने अफगान बलों और तालिबान आतंकवादियों के बीच सड़क पर लड़ाई देखी है।

अफगान रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि दक्षिणी कंधार प्रांत में तालिबान लड़ाकों के ठिकानों पर लड़ाकू विमानों के हमले में 47 आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

यौन उत्पीड़न के आरोपों के बीच न्यूयॉर्क के गवर्नर कुओमो ने दिया इस्तीफा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू कुओमो, जो एक डेमोक्रेटिक पार्टी के दिग्गज और कभी महिलाओं के अधिकारों के चैंपियन के रूप में प्रतिष्ठित थे, आज यौन उत्पीड़न के आरोपों से घिरे हुए है। कुओमो, जो महामारी के शुरूआती दिनों के दौरान कोविड -19 पर अपनी दैनिक ब्रीफिंग के लिए भारत में भी निम्नलिखित के साथ एक अंतरराष्ट्रीय टीवी स्टार के रूप में उभरे, उन्होंने सोमवार को इस्तीफा देने के बाद राज्य विधायिका द्वारा महाभियोग को रोकने की उम्मीद में अपने इस्तीफे की घोषणा की।

कुओमो कांड यौन पेकेडिलो अमेरिकी राजनेताओं पर एक स्पॉटलाइट डालता है, जिसमें एलियट स्पिट्जर, गवर्नर के रूप में उनके निर्वाचित पूर्ववर्ती शामिल हैं।

स्टेट अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स द्वारा पिछले हफ्ते की गई एक जांच में बताया गया कि उसने एक महिला पुलिस अंगरक्षक सहित 11 महिलाओं को परेशान किया था, जिसके बाद राज्य विधायिका ने महाभियोग की कार्यवाही शुरू की थी, जिससे उसकी सजा निश्चित थी। जिन महिलाओं ने उनके कार्यालय में काम किया था उन्होंने भय और उत्पीड़न के माहौल की शिकायत की।

कुओमो ने अपने भाग्य को पीढ़ी और सांस्कृतिक बदलाव पर दोषी ठहराया जिसके कारण उनके कार्यों को उत्पीड़न के रूप में व्याख्या किया गया।

अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए, क्युमो ने कहा, मैंने कभी किसी के साथ सीमा को पार नहीं किया है, लेकिन मुझे यह नहीं पता था कि रेखा को किस हद तक फिर से खींचा गया है।

चीन ने हुवावे से जुड़े मामले में कनाडाई नागरिक को 11 साल जेल की सजा सुनायी

दांडोंग, एजेंसी। चीन की एक अदालत ने हुवावे से जुड़े एक मामले में जासूसी के आरोपों पर कनाडाई नागरिक माइकल स्पैवर को 11 साल की जेल की सजा सुनायी है।

कनाडा सरकार द्वारा चीन की प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी की एक कार्यकारी अधिकारी को गिरफ्तार करने के बाद 2018 में स्पैवर को हिरासत में लिया गया। बुधवार को आया यह फैसला इस बात का ताजा संकेत है कि चीन कनाडा पर कैसे दबाव बढ़ा रहा है जहां एक अदालत में यह फैसला आना है कि कार्यकारी अधिकारी मेंग वानझोउ को अमेरिका में आपराधिक आरोपों का सामना करने के लिए उन्हें सौंपा जाए या नहीं। कनाडाई अदालत अगले कुछ हफ्तों में इस मामले पर सुनवाई करेगी। स्पैवर और एक अन्य कनाडाई नागरिक को चीन में हिरासत में लिया गया था जिसे आलोचकों ने बंधक बनाने की राजनीति करार दिया। यह कार्रवाई ईरान पर व्यापार प्रतिबंधों के संभावित उल्लंघनों के संबंध में 2018 में चीन के कार्यकारी अधिकारी की गिरफ्तारी के बाद की गयी। चीन की एक अन्य अदालत ने मंगलवार को एक तीसरे कनाडाई नागरिक की अपील भी खारिज कर दी जिसकी मादक पदार्थ के एक मामले जेल की सजा को कार्यकारी अधिकारी की गिरफ्तारी के बाद जीवन पर्यन्त उम्रकैद में बदल दिया गया। बीजिंग से 340 किलोमीटर पूर्व में दांडोंग शहर में सुनवाई के दौरान कनाडाई राजदूत डोमिनिक बार्टन अदालत में मौजूद थे। कनाडा के पूर्व राजदूत माइकल कोवरिग के मुकदमे की तारीख के बारे में अभी कुछ नहीं कहा गया है। इन्हें भी दिसंबर 2018 में गिरफ्तार किया गया था और इन पर जासूसी के आरोप लगाए गए थे।

हुवावे टेक्नोलॉजीस लिमिटेड की मुख्य वित्तीय अधिकारी और कंपनी के संस्थापक की बेटी मेंग को एक दिसंबर 2018 को वैंकूवर में गिरफ्तार किया गया था। अमेरिका ने उन पर व्यापार प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए ईरान के साथ संभावित लेनदेन को लेकर ब्रिटिश बैंक एचएसबीसी की हांगकांग शाखा से झूठ बोलने का आरोप लगाया था।

मेंग के वकीलों ने दलील की कि यह मामला राजनीति से प्रेरित है और उन पर जो आरोप लगाए गए हैं वे कनाडा में अपराध नहीं हैं। चीनी सरकार ने इस गिरफ्तारी की आलोचना करते हुए इसे उसके प्रौद्योगिकी विकास को बाधित करने की अमेरिका की कोशिशें बताया। बीजिंग लगातार मेंग को फौरन रिहा करने की मांग करता रहा है। मेंग और स्पैवर तथा कोवरिग की गिरफ्तारियों के बीच सीधा कोई संबंध होने से इनकार करते हुए चीनी अधिकारी और सरकारी मीडिया बार-बार यह कहते रहे हैं कि इन दोनों लोगों का भविष्य इस पर निर्भर करेगा कि मेंग को चीन लौटने दिया जाता है या नहीं।

काबुल को उत्तर से जोड़ने वाले अफगान शहर पर तालिबान का कब्जा

हेरात (अफगानिस्तान), एजेंसी। तालिबान ने राजधानी काबुल से 140 मील उत्तर में प्रमुख अफगान शहर पुल-ए-खुमरी पर कब्जा कर लिया है। विद्रोहियों और स्थानीय अधिकारियों के अनुसार गार्जियन ने इसकी सूचना दी।

शहर के दो अधिकारियों ने गार्जियन को बताया कि मंगलवार को भारी लड़ाई के बाद अधिकारियों और सुरक्षा बलों ने अपने परिसर को छोड़ दिया। इसके बाद तालिबान का इसपर कब्जा हो गया।

एक अधिकारी ने एक फोन साक्षात्कार में कहा, पुल-ए-खुमरी तालिबान के हाथों आ गया, वे हर जगह हैं। इस दौरान भारी गोलियों की आवाज सुनी जा सकती है।

तालिबान लड़ाके दोपहर के दौरान कई दिशाओं में आगे बढ़े। भारी झड़पों के बाद, अधिकारियों और सुरक्षा बलों ने राज्यपाल, खुफिया और पुलिस मुख्यालय को छोड़ दिया। भारी संघर्ष जारी है। हम तय कर रहे हैं कि अब कहां तक पीछे हटना है।

ट्विटर पर तालिबान के एक प्रवक्ता ने भी बागलान प्रांत की राजधानी शहर पर कब्जा करने का दावा किया। सोशल मीडिया पर तस्वीरों में शहर के फाटकों पर तालिबान का झंडा और शहर के अंदर विद्रोही लड़ाके दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि

अगर पुष्टि की जाती है, तो पुल-ए-खुमरी एक हफ्ते से भी कम समय में कट्टर इस्लामी आंदोलन द्वारा कब्जा की गई 34 प्रांतीय राजधानियों में से आठवीं होगी। तालिबान के लिए शहर का पतन अफगान सरकार के लिए एक बड़ा झटका होगा, जो अफगानिस्तान के उत्तर में शेष शहरों को पहले से ही विद्रोही नियंत्रण में नहीं है, जिसमें मजार-ए-शरीफ और फैजाबाद शामिल हैं। इससे पहले मंगलवार को, यूरोपीय संघ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने चेतावनी दी थी कि उत्तरी अफगानिस्तान में तालिबान की रणनीति राजधानी काबुल को उत्तर की ओर से उन बलों से काटने की प्रतीत होती है, जो इसका समर्थन कर सकते हैं।

मंगलवार को, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उन्हें अफगानिस्तान से हटने के अपने फैसले पर खेद नहीं है। उन्होंने कहा था कि वाशिंगटन ने 20 सालों में 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च किया है और अपने हजारों सैनिकों को खो दिया है।

बाइडन ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा, अफगान नेताओं को एक साथ आना होगा, अफगान सैनिकों की संख्या तालिबान से अधिक है और उन्हें लड़ना चाहिए। उन्हें अपने लिए लड़ना होगा, अपने देश के लिए लड़ना होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका अफगान बलों को महत्वपूर्ण हवाई सहायता, भोजन, उपकरण और वेतन प्रदान करना जारी रखे हुए है। पिछले दो महीनों के दौरान तालिबान ने तेजी से अपने नियंत्रण वाले क्षेत्र का विस्तार देश के लगभग 65 प्रतिशत हिस्से में किया है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों का एक बड़ा हिस्सा भी शामिल है। देश की प्रांतीय राजधानियों का एक तिहाई हिस्सा खतरे में है।

तालिबान के सैन्य प्रमुख ने मंगलवार को अपने लड़ाकों को एक ऑडियो संदेश जारी कर उन्हें आदेश दिया कि वे अपने कब्जे वाले क्षेत्रों में अफगान बलों और सरकारी अधिकारियों को नुकसान न पहुंचाएं।

लगभग पांच मिनट के ऑडियो में, दिवंगत तालिबान नेता मुल्ला मोहम्मद उमर के बेटे मोहम्मद याकूब ने भी विद्रोहियों से कहा कि वे सरकारी और सुरक्षा अधिकारियों के परित्यक्त घरों से बाहर रहें, जो बाजार और बैंकों सहित व्यापार छोड़कर भाग गए थे और उनके स्थानों की रक्षा करने के लिए कहा था। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि जमीन पर तालिबान लड़ाके याकूब के निर्देशों का पालन करेंगे या नहीं। तालिबान से भागे हुए नागरिकों और विद्रोहियों द्वारा भारी-भरकम इलाज की खबरें आई हैं और स्कूलों को जला दिया गया और महिलाओं पर दमनकारी प्रतिबंध लगा दिया है।

एकतरफा प्यार में पागल युवक ने युवती पर किया ब्लेड से हमला, गालों पर लगे 45 टांके

इंदौर, एजेंसी। शहर के आजाद नगर इलाके में एकतरफा प्यार में पागल युवक ने युवती पर ब्लेड से हमला कर दिया। युवती को बचाने आए भाई पर भी कई वार किए। गंभीर रूप से घायल युवती और उसके भाई को एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। युवती के दोनों गालों पर 45 टांके लगे हैं। पुलिस ने सिरफिरे आशिक को मंगलवार देर रात गिरफ्तार कर लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवती आसीम शादी के 3 साल बाद आजादनगर में अपने मायके आई थी। मंगलवार दोपहर को अक्का उर्फ अकरम खान ने आसीम को किसी और के साथ देख लिया। देर शाम उसने घर में घुसकर आसीम पर ब्लेड से हमला कर दिया, जिससे आसीम बुरी तरह घायल हो गई। उसकी चीख सुनकर उसका भाई बचाने आया तो अकरम ने उस पर भी हमला कर दिया। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोग आए तो अकरम भाग गया। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार देर रात करीब 2 बजे आरोपी को उसके एक रिश्तेदार के घर से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अक्का ने बताया कि कई सालों बाद आसीम को देखा और देखते ही उसे गुस्सा आ गया। वह उसे बेइंतहा मोहब्बत करता था और शादी करना चाहता था, लेकिन और किसी के साथ उसकी शादी होने से वह खफा था।

प. बंगाल: चिटफंड कंपनियों के ठिकानों पर सीबीआई के छापे, खंगाले जा रहे दस्तावेज

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद सीबीआई ने एकबार फिर पश्चिम बंगाल में चिटफंड कंपनियों पर नकेल कसना शुरू कर दिया है। बुधवार को जांच एजेंसी ने उत्तर 24 परगना के नैहाटी और कोलकाता के बालीगंज इलाके के फोर्न रोड में चिटफंड कंपनियों के ठिकानों पर छापेमारी शुरू की है। सीबीआई की भ्रष्टाचार दमन शाखा की ओर से यह छापेमारी की जा रही है। चिटफंड कंपनियों द्वारा किये गए घोटालों की जांच सीबीआई के साथ-साथ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा भी की जा रही है। खबर लिखे जाने तक छापेमारी चल ही रही है।

तालिबान ने बदख्शां प्रांत पर कब्जा करने का किया दावा

काबुल,एजेंसी। तालिबान ने उत्तरपूर्वी अफगानिस्तान के बदख्शां प्रांत पर कब्जा करने का दावा किया है। तालिबान ने बयान जारी कर दावा किया है कि उसने बदख्शां प्रांत की राजधानी फायजाबाद पर कब्जा कर लिया है। तालिबान ने शहर में स्थित प्रशासनिक इमारत, पुलिस मुख्यालय, स्थानीय खुफिया विभाग, और अन्य इमारतों पर कब्जा करने का दावा किया है। पझवोक समाचार एजेंसी ने एक अधिकारी के हवाले से बताया कि तालिबान आतंकवादियों ने प्रात की राजधानी समेत इसके लगभग सभी क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया है। बदख्शां अफगानिस्तान का नौवां प्रांत है, जिस पर तालिबान ने एक हफ्ते से भी कम समय में कब्जा करने का दावा किया है।

अफगान शांति वार्ता के लिए दोहा पहुंचे अमेरिका के प्रतिनिधि

काबुल,एजेंसी। अफगानिस्तान में अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि जलमय खलीलजाद दोहा में होने वाली सिलसिलेवार अंतरराष्ट्रीय बैठक के दौरान संघर्ष को खत्म करने और राजनीतिक सहमति की बातचीत के लिए तालिबान पर दबाव बनाएंगे। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि दोहा शांति वार्ता के प्रतिभागी हिंसा रोकने, संघर्ष विराम को लागू करने और शक्ति द्वारा थोपी गई किसी भी सरकार को मान्यता नहीं देने की प्रतिबद्धता के लिए दबाव डालेंगे। दोहा में अफगानिस्तान की शांति प्रक्रिया के मुद्दे पर 10 से 13 अगस्त तक अंतरराष्ट्रीय बैठक आयोजित की गयी है। इस बैठक में अमेरिका, चीन, पाकिस्तान तथा रूस संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधि के तौर पर हिस्सा ले रहे हैं। इस मामले में राष्ट्रीय सुलह के लिए उच्च परिषद (एचसीएनआर) के प्रमुख अब्दुल्ला अब्दुल्ला एवं अफगान सरकार की ओर से शांति मामलों के मंत्री सैयद सआदत मंसूर नादेरी दोहा पहुंच चुके हैं।

फिरोजपुर कैंट-हनुमानगढ- फिरोजपुर कैंट आरक्षित स्पेशल रेलसेवा अब होगी अनारक्षित स्पेशल

जयपुर। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु फिरोजपुर कैंट-हनुमानगढ- फिरोजपुर कैंट आरक्षित स्पेषल रेलसेवा दिनांक 12.08.2021 से अनारक्षित स्पेशल के रूप में संचालित की जा रही है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट शषि किरण के अनुसार यात्रियों की सुविधा हेतु गाडी संख्या 04669/04670, फिरोजपुर कैंट-हनुमानगढ- फिरोजपुर कैंट आरक्षित स्पेषल रेलसेवा दिनांक 12.08.21 से अनारक्षित स्पेषल के रूप में संचालित होगी। अब इस रेलसेवा के यात्रियों को द्वितीय साधारण श्रेणी का टिकट भी मिल सकेगा।

कोलकाता में सड़क हादसे में 11 लोग घायल

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में बुधवार को ईएम बाईपास पर एक निजी बस के फ्लाईओवर के खंभे से टकरा जाने से 11 लोग घायल हो गये, जिनमें से अधिकतर की हालत गंभीर है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। सभी घायलों को पार्क सर्कस स्थित राष्ट्रीय चितरंजन मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल लोगों में बस का चालक भी शामिल है, जो हादसे के बाद अपनी सीट पर बुरी तरह फंस गया था। पार्क सर्कस से साइंस सिटी की ओर जा रही बस निर्धारित गति से अधिक तेज रफ्तार में थी, जिसे हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। हादसा सुबह करीब साढ़े आठ बजे हुआ।

श्रीनिवास यादव हुजूराबाद उपचुनाव के लिए टीआरएस के उम्मीदवार घोषित

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने पृथक तेलंगाना आंदोलन के छात्र नेता एवं वर्तमान टीआरएस छात्रसंघ प्रदेश अध्यक्ष गेलू श्रीनिवास यादव को हुजूराबाद विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) का उम्मीदवार घोषित करने का फैसला किया है। चुनाव की तारीख की घोषणा अब तक नहीं की गयी है। श्रीनिवास यादव टीआरएस की स्थापना के समय से ही समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ लगन से काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि गेलू श्रीनिवास यादव, जो उस्मानिया विश्वविद्यालय में टीआरएसवी इकाई के अध्यक्ष थे, को तेलंगाना आंदोलन के दौरान कई बार गिरफ्तार किया गया और जेल में बंद किया गया था। गेलू श्रीनिवास के अनुशासित व्यक्तित्व, सेवा को लेकर प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प का सम्मान करते हुए श्री राव ने हुजूराबाद उपचुनाव के लिए उनकी उम्मीदवारी को अंतिम रूप दिया है। गौरतलब है कि पूर्व मंत्री इटेला राजेंदर के इस्तीफे के कारण इस विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने वाला है। श्री राजेंदर अब भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे।

सिर्फ एक राज्य ने आक्सीजन की कमी से होने वाली मौतों के बारे में बताया: स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि अभी तक किसी भी राज्य ने कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान आक्सीजन की कमी की वजह से किसी की मौत की सूचना नहीं दी है। सिर्फ पंजाब ने 6 मौतों के लिए आक्सीजन की कमी पर शक जताया है। आक्सीजन की कथित कमी से मौतों का मामला संसद में उठने के बाद केंद्र ने ऐसी मौतों पर राज्यों से आंकड़ा मांगा था।

यह सूचना एकत्र करके 13 अगस्त को मानसून सत्र के समाप्त हो जाने से पहले संसद में पेश किया जाना था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने यहां संवाददाता सम्मेलन में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा, 'जब संसद में यह प्रश्न उठाया गया तब राज्यों से स्पष्ट तौर पर यह प्रश्न पूछा गया और अब तक प्राप्त रिपोर्टों के मुताबिक केवल एक राज्य ने आक्सीजन की कमी की वजह से मौत का शक जताया है और किसी भी अन्य राज्य ने अब तक नहीं कहा है कि आक्सीजन की कमी से मौतें हुई हैं।' इस बारे में पंजाब के सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि शुरूआत में अमृतसर के एक निजी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण छह लोगों की मौत हुई थी। बस इतना ही। हमने 70 टन ऑक्सीजन का उत्पादन किया और 300 टन की आवश्यकता थी।

अब हम 400 टन ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं। अब कोई समस्या नहीं है। सूत्रों के अनुसार अरूणाचल प्रदेश, असम, ओड़िशा, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, झारखंड , हिमाचल प्रदेश और पंजाब समेत 13 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों ने जवाब दिया है। इनमें से केवल पंजाब ने कहा है कि आक्सीजन की कमी के चलते चार मौतें होने का शक है। पिछले महीने विपक्षी दलों ने संसद में यह बताने को लेकर सरकार को निशाने पर लिया था कि राज्यों ने स्पष्ट रूप से कहा है कि कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान आक्सीजन की कमी से कोई मौत नहीं हुई।

दंतेवाड़ा : समूह की महिलाएं छिंद के पत्तों से बना रही हैं आकर्षक राखियां

दंतेवाड़ा, एजेंसी। जिले के नक्सल प्रभावित ग्राम झोड़ियाबाड़म के आजीविका परिसर में जारानंद पुरीन माता समूह की महिलाएं छिंद के पत्तों से बड़े पैमाने पर राखी का निर्माण कर रही है। इस राखी की विशेषता यह है कि छिंद के पेड़ों के पत्तों को महिलाएं लेकर आती हैं, जिसे सूखाकर इसके पत्तों से बुनाई कर राखी तैयार की जाती है। दिखने में खूबसूरत राखियां दंतेवाड़ा के आलावा दूसरे जिलों से भी इन राखियों की मांग आ रही है। इसके लिए जिला प्रशासन भी इन स्व सहायता समूह की मदद कर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कृषि विज्ञान केंद्र की तरफ से महिलाओं को छिंद के पत्तों से राखी बनाना सिखाया गया था। जिसके बाद पिछले वर्ष से ही इस समूह की महिलाओं ने छिंद के पत्तों से राखियां बनाना शुरू किया था। जिसे बेचकर लगभग 25 से 30 हजार रुपये का आय हुआ था। राखी बेचने के लिए जिला प्रशासन द्वारा इन्हें स्टॉल लगाने की जगह दी गई है, जिसके माध्यम से वे बाजार में अपनी राखी को ग्राहकों तक पंहुचा सके।

मोदी सरकार के 39 नए मंत्री 20 हजार किलोमीटर की यात्रा के जरिए मांगेंगे आशीर्वाद

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र की मोदी सरकार में शामिल किए गए 39 नए मंत्री 16 अगस्त से 20,000 किलोमीटर की यात्रा पर निकलेंगे। इस यात्रा के जरिए मोदी के मंत्री जनता से आशीर्वाद मांगेंगे। इन मंत्रियों ने 3 से 7 दिनों तककी अपनी यात्रा का कार्यक्रम बनाया है। इस यात्रा के तहत सांसद अपने लोकसभा क्षेत्र के अलावा तीन और संसदीय सीटों का दौरा करेंगे। इसके अलावा 4 जिलों में जाएंगे। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने यह जानकारी दी है। इस यात्रा का प्लान भी मंत्रियों ने नहीं बल्कि खुद पीएम नरेंद्र मोदी ने ही तैयार किया है। दरअसल

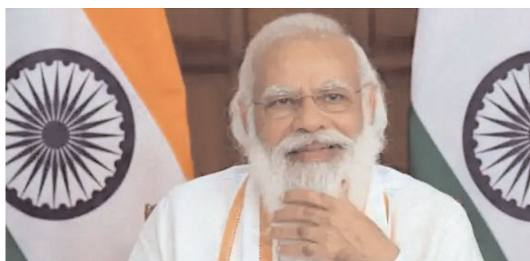

मॉनसून सेशन के पहले ही दिन पीएम नरेंद्र मोदी जब इन मंत्रियों का सदन में परिचय कराना चाहते थे तो भारी हंगामे के चलते वह ऐसा नहीं कर पाए थे। इसके बाद उन्होंने मंत्रियों को यात्रा करने का आदेश दिया था। इस यात्रा का प्लान तैयार करने के लिए हाल ही में बीजेपी चीफ जेपी नड्डा ने सभी नए मंत्रियों से मुलाकात की थी। इस यात्रा के तहत राज्य मंत्री 16 अगस्त से अपने कार्यक्रम की शुरूआत करेंगे।

वहीं कैबिनेट रैंक का दर्जा पाए मंत्री 19 अगस्त से यात्रा पर निकलेंगे। तरुण चुग ने कहा, 'सबसे छोटी यात्रा तीन दिनों की होगी और कुछ मंत्रियों का प्लान 7 दिनों का है। इस तरह से देखें तो कुल 142 वर्किंग डेज की यह यात्रा होगी। फिलहाल एक मंत्री बिश्वेश्वर टुडोर बीमार हैं। ऐसे में बाकी 39 मंत्री 22 राज्यों में 19567 किलोमीटर की यात्रा करेंगे।' इस यात्रा के तहत मंत्री 1,663 बड़े आयोजनों में हिस्सा लेंगे। इसके तहत वे धार्मिक महत्व के स्थानों पर जाएंगे। वे राष्ट्र नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित करें और लोगों को संबोधित करेंगे। इसके अलावा पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत राशन का वितरण कैसे हो रहा है, उसका भी अवलोकन करेंगे। तरुण चुग ने कहा, 'नए मंत्री शपथ लेने के बाद से अब तक अपने घरों में नहीं गए हैं। अब संसद का सत्र समाप्त होने के बाद वे जन आशीर्वाद यात्रा के तहत वे निकलेंगे। ऐसे में अब भी वे अपने घर नहीं जा पाएंगे। इस आयोजन के बाद ही वे जाएंगे। पीएम नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि आम लोगों को यह संदेश जाए कि केंद्र सरकार के मंत्री उनके लिए हर समय उपलब्ध हैं।' मंत्रियों की यात्रा का शेड्यूल राज्य सरकारों से चर्चा के बाद तैयार किया गया है। महाराष्ट्र से आने वाले नारायण राणे 7 दिनों की यात्रा पर निकलेंगे। इसके अलावा बंगाल से आने वाले मंत्री सुभाष सरकार 5 दिनों की यात्रा निकालेंगे। मंत्रियों की यह यात्रा किस साधन से होगी, इसका फैसला राज्यों की ओर से लिया जाएगा। जैसे नए रेल मंत्री बने अश्वनी वैष्णव एक रात की ट्रेन यात्रा करते हुए ओडिशा पहुंचेंगे, जबकि किरेन रिजिजू चौपर से यात्रा को निकलेंगे।

एक नजर

केजरीवाल और सिसोदिया दोषियों को अभी भी बचाने का प्रयास कर रहे हैं-आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि मुख्य सचिव से मारपीट के मामले में अब तो कोर्ट ने भी यह कह दिया कि आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान और प्रकाश जरवाल दोषी हैं। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया उनका इस्तीफा लेने की जगह उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं, जो बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री गुप्ता ने कहा कि यह बहुत ही निराशाजनक है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने मुख्य सचिव अंशु प्रकाश के साथ उनके विधायक मारपीट करते रहे और उन्हें धमकाते रहे लेकिन मुख्यमंत्री चुपचाप वहां मूकदर्शक बने बैठे रहे। उन्होंने कहा कि दोष सिद्ध होने के बाद भी अमानतुल्लाह और प्रकाश जरवाल जैसे आरोपियों की तारीफ करना मनीष सिसोदिया की तुच्छ सोच को दशार्ता है। जब अदालत खुद दोनों ह्यआपह्न विधायकों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 186, 353 और अन्य संबंधित धाराओं के तहत आरोप तय करते हुए मुकदमा चलाने और अभियोग पत्र दाखिल करने को कहा है, उसके बावजूद इन दोनों आरोपियों के लिए महिमामंडल करना एक उप मुख्यमंत्री के लिए काफी शर्मनाक है।

उन्होंने कहा कि अदालत के फैसले के बाद भी आम आदमी पार्टी ने दोषी ठहराए गए विधायकों के खिलाफ कोई कार्रवाई करने की जगह सभी उनके बचाव में आ गए हैं और उनका साथ दे रहे हैं।

दिल्ली सरकार अस्पतालों की स्वच्छता को लेकर गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कोरोना की तीसरी लहर की आहट से लोग भयभीत हैं। केंद्र सरकार से लेकर दिल्ली सरकार इससे निपटने के लिए तैयारी कर चुकी है। इस बार अस्पतालों में कोरोना मरीजों के इलाज के साथ साथ स्वच्छता प्रबंधन पर खासा ध्यान दिया जा रहा है। सेंट्रल दिल्ली में दिल्ली सरकार का लोक नायक जय प्रकाश आपताल मरीजों के लिए केंद्र बिंदु है। अब कोरोना की दूसरी लहर हल्की होने के बाद जब से अस्पताल की आपातकालीन, ओपीडी, वार्ड खोले गए हैं तब से स्वछता विभाग को चौबीस गनते अलर्ट पर रखा गया है। अस्पताल के सेनेट्री ऑफिसर एस.के. कौशिक ने बताया कि इस अस्पताल में सुलभ इंटरनेशनल के 400, एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड के 129, इसके अतिरिक्त अस्पताल के 170 स्थायी कर्मचारी हैं जिनको 3 शिफ्टों में बांटा गया है। उनहोने बताया हम प्रत्येक दिन 2 बार पूरे अस्पताल की सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हैं। अस्पताल में कोरोना के चलते सफाई को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। लगातार अस्पताल में प्रत्येक, ऑपरेशन थियेटर, टेस्टिंग लैब, मोर्चरी (शव गृह) मरीजों के वार्ड, डाक्टर रूम, लिफ्ट, से लेकर हर विभाग को दिन में 3 बार सेनेटाइज किया जा रहा है। 30 फ्लोर क्लीनर मशीने लगातार चलाई जा रही हैं। अस्पताल में गंदगी फैलाने वालों पर जुमार्ना भी किया जा रहा है।

नाटक 'अमृता' का सफल ऑनलाइन मंचन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) की नाट्य समिति 'नवरंग' द्वारा योगेश त्रिपाठी द्वारा रचित नाटक मुझे अमृता चाहिए पर आधारित नाटक अमृता का सफल ऑनलाइन मंचन किया गया। इस नाटक का निर्देशन किया था समर्थ थिएटर ग्रुप के संस्थापक संदीप रावत ने। नाटक की कथावस्तु विजया नामक पात्र के इर्द-गिर्द घूमती है जिसका सहमा और सरल व्यक्तिव अमृता प्रीतम पर आधारित नाटक मे अभिनय के दौरान बदलाव अनुभव करता है। जिसमें शामिल है अपने हक के लिए आवाज उठाना और आत्मनिर्भर होना। इसके अतिरिक्त पितृसत्ता व दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों पर भी यहाँ सवाल उठाए गए हैं। लगभग 70 मिनट के इस नाटक को जूम प्लेटफार्म पर रिकॉर्ड किया गया और यूट्यूब एवं फेसबुक के माध्यम से इसका प्रसारण किया गया। प्राचार्या डॉ साधना शर्मा के मार्गदर्शन एवं समिति-सदस्यों के सहयोग से छात्राओं ने ऑफलाइन तथा ऑनलाइन दोनों ही प्रकार की कार्यशालाओं में भाग लिया था, जिसका सुखद परिणाम रहा छात्राओं का परिपक्व अभिनय। नाट्य मंचन में मुख्य अतिथि थीं आईएएस अधिकारी सुश्री ईरा सिंघल।

दुर्गा पुरी चौक पर लाखों लीटर पानी रोजाना हो रहा है बर्बाद : जितेन्द्र महाजन

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहताश नगर विधानसभा में दिल्ली जल बोर्ड के लापरवाही के कारण पिछले 10 दिनों से रोजाना लाखों लीटर पीने का पानी दुगार्पुरी चौक रेड लाइट पर बर्बाद हो रहा है। उल्लेखनीय है कि दुगार्पुरी चौक पर पिछले महीने भी कई बार 24 इंची पीने के पानी की लाइन में लीकेज हो गई थी जिसके कारण कई मकानों में दरार आ गई थी और सड़क भी जगह जगह से धंस गई थी और कई वाहन भी दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे। परंतु दिल्ली जल बोर्ड द्वारा इस समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। यह कहना है रोहताश नगर के विधायक जितेन्द्र महाजन का। श्री महाजन का कहना है पिछले 10 दिनों से यह पाइप लाइन दोबारा से लीकेज है जिस कारण लाखों लीटर पीने का पानी सड़कों पर बर्बाद हो रहा है तथा आसपास के मकानों में भी दरारें आ गई हैं तथा सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं जिस कारण आने जाने वाले वाहन भी उन गड्ढों में गिर रहे हैं और राहगीर चोटिल हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर इसी कारण पूरे क्षेत्र में पीने के पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है परंतु दिल्ली जल बोर्ड सोया हुआ है। इस संदर्भ में रोहताश नगर के विधायक जितेंद्र महाजन ने दिल्ली जल बोर्ड के मंत्री सत्येंद्र जैन, दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ तथा पूर्वी दिल्ली के चीफ इंजीनियर को भी इस समस्या को दूर करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड को जल्द से जल्द निर्देश देने का आग्रह किया परंतु इसके बावजूद भी दिल्ली जल बोर्ड के कानों पर कोई जूं नहीं रेंगी। दुगार्पुरी चौक पर आज भी लाखों लीटर पीने का पानी बर्बाद हो रहा है वहीं दूसरी ओर पीडब्ल्यूडी ने 6 अगस्त को दिल्ली जल बोर्ड को जल्द से जल्द इस लीकेज को ठीक करने की मांग की जिससे सड़क को होने वाले नुकसान तथा संभावित दुर्घटना को रोका जा सके परंतु जल बोर्ड द्वारा इस विषय पर कोई कार्यवाही नहीं की गई।

दिल्ली एजुकेशन बोर्ड के बच्चों को मिलेगी इंटरनेशनल लेवल की शिक्षा

विदेशों से आएंगे स्पेशलिस्ट टीचर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में भी अब अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा मिल सकेगी। बुधवार को दिल्ली शिक्षा बोर्ड (डीबीएसई) और इंटरनेशनल शिक्षा बोर्ड के साथ एक करार हुआ है। इस करार के मुताबिक अब विदेशी एक्सपट्‌र्स दिल्ली के स्कूलों में आ कर ट्रेनिंग देंगे। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने इस मौके पर कहा है कि अब दिल्ली के छात्र-छात्राओं को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा मिल सकेगी। यह दिल्लीवासियों के लिए बेहद खुशी की बात है। अब हमारे बच्चों को दिल्ली में इंटरनेशनल लेवल की शिक्षा मिल सकेगी। दिल्ली सरकार के मुताबिक डीबीएसई से एफिलेटेड होने वाले सभी प्राइवेट स्कूलों में भी यह करार लागू होगा।

केजरीवाल ने इस करार के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा, ह्यएक इंटरनेशनल लेवल पर शिक्षा बोर्ड है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा प्रदान करता है और बहुत अच्छा माना जाता है। छात्रों का सपना रहता है कि हमें भी इंटरनेशनल एजुकेशन बोर्ड की शिक्षा मिलनी चाहिए। इस इंटरनेशनल लेवल के शिक्षा बोर्ड का पूरी दुनिया के अंदर साढ़े पांच हजार स्कूलों के साथ करार हो रखे हैं। इनका कुछ सरकारों के साथ भी समझौते हुए हैं। जैसे- अमेरिका, जापान, साउथ कोरिया आदि। अब दिल्ली भी इनके साथ करार किया है। दिल्ली के छात्रों को अब विदेशों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अब दिल्ली के सरकारी स्कूलों में विदेशों में जिस तरह से शिक्षा दी जाती है उसी स्तर का शिक्षा मिल सकेगा।

इस मौके पर केजरीवाल ने कहा कि हमारे देश में दो तरह की शिक्षा प्रणाली है। एक अमीरों के बच्चों के लिए और दूसरी गरीबों के बच्चों के लिए। जिन बच्चों के माता-पिता के पास पैसा है, वे अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में और जो गरीब हैं वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाते हैं। इस करार के बाद अब दिल्ली के गरीब बच्चों को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा मिलनी शुरू हो जाएगी, जिस शिक्षा के लिए बड़े-बड़े अमीरों के बच्चे तरसते हैं। केजरीवाल ने बताया कि अब दिल्ली में भी विदेशों से एक्सपर्ट आएंगे और स्कूलों के टीचर्स की ट्रेनिंग करवाएंगे। बच्चों का असेसमेंट कैसे होगा। एक्सपर्ट बताएंगे कि स्कूलों में क्या-क्या कमियां हैं और उन्हें कैसे दूर किया जाए, जिससे स्कूल अंतरराष्ट्रीय स्तर का बन सके।

इससे पहले, दिल्ली स्कूल एजुकेशन बोर्ड ने बुधवार को करिकुलम, पेडागोजी और असेसमेंट के क्षेत्र में वर्ल्ड क्लास प्रैक्टिसेज को अपनाने के लिए इंटरनेशनल बैकलॉरिएट (आई.बी) के साथ एमओयू साइन किया है। इसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने की है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया, मुख्य सचिव विजय देव और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों सहित आईबी के प्रतिनिधि के रूप में सिंगापुर से हेड ऑफ डेवलपमेंट एंड रिकॉग्निशन, एशिया-पैसिफिक स्टेफनी लिओंग और भारत-नेपाल के हेड ऑफ डेवलपमेंट एंड रिकॉग्निशन महेश बालाकृष्णन शामिल रहे। शैक्षणिक सत्र 2021-22 में आईबी दिल्ली सरकार के 30 स्कूलों के साथ सीधे तौर पर काम करेगी। ये सभी स्कूल दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन द्वारा एफिलिएटेड होंगे। आगामी वर्षों में दूसरे स्कूलों को भी आईबी के साथ जोड़ा जाएगा।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली सरकार आईबी के साथ नॉलेज पार्टनरशिप एग्रीमेंट पर साइन किया है। मुख्यमंत्री हमेशा इस बात पर जोर देते हैं कि हम सिर्फ छात्रों को शिक्षा पूरी करते हुए और डिग्री लेते हुए नहीं देखना चाहते हैं, बल्कि हम उन्हें देश और दुनिया के बेस्ट प्रोफेशनल्स के रूप में विकसित करना चाहते हैं, जो एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने परिवार, समाज और देश की तरक्की के लिए काम कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि हमारे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को ग्लोबल लीडर्स के रूप में तैयार करने के लिए इन प्रोफेशनल्स की गुणवत्ता बेहतरीन होनी चाहिए।

दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन के अध्यक्ष उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शिक्षा निदेशक और डीबीएसई के चेयरमैन उदित प्रकाश राय को इंटरनेशनल बैकलॉरिएट (आईबी) के साथ एमओयू साइन करने के लिए अधिकृत किया। आईबी की ओर से भारत-नेपाल के हेड ऑफ डेवलपमेंट एंड रिकॉग्निशन महेश बालाकृष्णन ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर आईबी की एशिया-पैसिफिक हेड ऑफ डेवलपमेंट एंड रिकॉग्निशन स्टेफनी लिओंग ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहीं।

इंटरनेशनल बैकलॉरिएट के एशिया-पैसिफिक की डेवलपमेंट और रिकॉग्निशन प्रमुख स्टेफनी लिओंग ने कहा कि आईबी वर्ल्ड स्कूल बनने का मतलब दुनिया भर के पांच हजार से भी अधिक स्कूलों के समुदाय में शामिल होना है। आईबी कार्यक्रमों को कार्यान्वित करना और नियमित रूप से विकसित हो रहे वैश्विक शिक्षा नेटवर्क का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व की बात है। छात्र नेताओं और शिक्षकों के लिए आईबी विकास कार्यशालाएं नया सीखने का अवसर प्रदान करती हैं और स्कूलों की उच्चतम गुणवत्ता की व्यावसायिक आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करती हैं। आईबी शिक्षा को होशियार युवाओं को समृद्ध रूप से हर क्षेत्र में विकसित करने के लिए तैयार किया गया है, जो की एक बेहतर और शांतिपूर्ण दुनिया बनाने के लिए समर्पित है।-

बायोमेडिकल कचरा डंप करने पर दिल्ली सरकार के पशु चिकित्सालय को दिया गया चालान

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने बुधवार को दल्लूपुरा क्षेत्र का दौरा किया। इस मौके पर उनके साथ स्थानीय पार्षद, राजीव कुमार और वरिष्ठ निगम अधिकारी भी मौजूद थे। महापौर ने दल्लूपुरा क्षेत्र में स्थित पशुचिकित्सालय का दौरा किया। यह पशु चिकित्सालय दिल्ली सरकार के क्षेत्राधिकार में आता है। महापौर ने बताया कि पशु चिकित्सालय की बदतर हालात थी। चिकित्सालय के बाहर गंदगी पटी पड़ी थी। आस पास कीचड़ पसरा था और खुले में बायोमेडिकल वेस्ट डंप किया हुआ था जिससे बीमारी फैलने का खतरा हो सकता है। महापौर ने बताया कि जब इस बारे में वहाँ डॉक्टर से बात करने पहुंचे तो सुबह 10:30 बजे तक कोई अधिकारी, कर्मचारी और डॉक्टर उपस्थित नहीं था। इससे रुष्ट होकर महापौर के निर्देश पर उपरोक्त पशु चिकित्सालय को चालान जारी किया गया। इसके अलावा महापौर, अग्रवाल ने घड़ोली डेरी फार्म का निरीक्षण किया। स्थानीय पार्षद, राजीव कुमार ने महापौर का ध्यान वहाँ स्थित पी डब्लू डी के नालों की ओर दिलाया जो कि गंदगी से भरे थे। महापौर ने स्थानीय अधिकारियों को पी डब्ल्यू डी को इस संबंध में पत्र लिखने और जल्द से जल्द समस्या का निपटारा करने के निर्देश दिए। इसके अलावा 10 अगस्त को महापौर, श्याम सुंदर अग्रवाल ने घोंडली वार्ड का दौरा किया। इस मौके पर उनके साथ स्थानीय पार्षद, दीपक मल्होत्रा और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस मौके पर स्थानीय पार्षद दीपक मल्होत्रा ने महापौर का ध्यान क्षेत्र में स्थित चिल्ड्रन पार्क की ओर दिलाया जिसपे कुछ लोगों ने अवैध कब्जा किया हुआ था। संबंधित अधिकारियों ने महापौर को बताया कि यह मामला कोर्ट में लंबित है। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वस्तु स्थिति के बारे में जानकारी लें और कोर्ट ने यदि इस संबंध में स्टे नहीं मिला है तो अवैध कब्जा हटाने के लिए करवाई की जाए। इसके अलावा महापौर ने पार्कों और निगम स्कूलों का दौरा किया। इसके अतिरिक्त महापौर ने शिवपुरी क्षेत्र में मेन रोड पर स्थित कूड़ाघर हटाने के निर्देश दिए जिससे वाहनों को सुगम आवाजाही हो सके। इसके अलावा अतिक्रमण हटाने और गोल्डन पार्क के सामने चल रही अवैध फैक्ट्री को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने महिलाओं को तीज पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने महिलाओं को तीज की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तीज भारतीय जनमानस के अटूट विश्वास को और अधिक प्रागढ़ता प्रदान करने का पर्व है। तीज महोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में उन्होंने कहा कि इस पर्व में हरियाली शब्द से ही साफ है कि इसका संबंध पेड़-पौधों और पर्यावरण से है। यह त्योहार जीवन में खुशहाली और हरियाली का प्रतीक है।

तीज महोत्सव में भाजपा सांसद श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा श्रीमती रेखा गुप्ता, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती योगिता सिंह, मोर्चा की जिला अध्यक्षा श्रीमती रेनू भल्ला एवं श्रीमती सुनीता खत्री डबास सहित अन्य महिला कार्यकर्ता मौजूद रही।

श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि विशेषकर उत्तरी भारत में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने वाला यह पर्व दंपतियों के वैवाहिक जीवन में समृद्धि, खुशी और तरक्की का प्रतिक है। सावन का महीना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है और उसमें तीज का त्योहार उमंग और खुशी को दोगुना कर देता है।

राजेंद्र पाल गौतम ने किया सीमापुरी विधानसभा क्षेत्र का निरीक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैबिनेट मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने डीडीए, दिल्ली पुलिस, एमसीडी अधिकारियों के साथ सीमापुरी विधानसभा क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण किया है। डीडीए की जमीनों पर अतिक्रमण को लेकर सीमापुरी विधायक राजेंद्र पाल गौतम ने अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की और अवैध कब्जे हटाकर विकास कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संयुक्त निरीक्षण का मकसद डीडीए के अधिकारियों को अतिक्रमण की समस्या से अवगत कराना है, इसका तुरंत समाधान निकालना चाहिए। विधानसभा क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण की समस्या को तत्काल दूर किया जाए। सरकारी भूमि को अवैध अतिक्रमण से बचाया जाए और विकास के काम सुनिश्चित किए जाएं।

समाज कल्याण मंत्री और सीमापुरी विधायक राजेंद्र पाल गौतम ने अपने विधानसभा क्षेत्र में सबसे पहले, क्षतिग्रस्त और लीक एमएस पाइपलाइनों को डीआई पाइपलाइनों के साथ बदलने के मसले पर बातचीत की। यह पाइपलाइन एच ब्लॉक सुंदर नगरी में एमसीडी पंप हाउस को 69 नंबर के साथ पीडब्ल्यूडी मुख्य ड्रेन रोड से जोड़ती है। इन पाइपलाइनों को बदलने के निर्देश दिए। इसके अलावा सीमापुरी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने डीडीए के अधिकारियों को डीडीए की भूमि पर अतिक्रमण और अवैध कब्जे से अवगत कराया। डीडीए अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने और इस तरह के अतिक्रमण को हटाने का आदेश दिया। विधायक राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण सीमापुरी विधानसभा क्षेत्र की एक गंभीर समस्या है। डीडीए के अधिकारियों को कप्तान जावेद अली मार्ग पर अवैध अतिक्रमण को हटाने का निर्देश दिया ताकि लोगों के कल्याण के लिए यहां एक बारात घर बनाया जा सके। डीडीए के अधिकारियों को अतिक्रमण के बारे में जानकारी दी थी, लेकिन उन्होंने इस मामले का कोई संज्ञान नहीं लिया था। इस संयुक्त निरीक्षण का मकसद यही है कि डीडीए के अधिकारियों को पता चले कि यहां पर अतिक्रमण की कितनी बड़ी समस्या है। इस समस्या का तुरंत समाधान निकालना चाहिए। जिससे सरकारी जमीन पर जनता के हित में काम हो सके। इस दौरान मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने डीडीए को कैप्टन जावेद अली मार्ग स्थित सुंदर नगरी एफ1 पर अधिकारियों को जमीन से अवैध कब्जा हटाकर मल्टी स्पेशल बारात घर बनाने, डीडीए की एनके ब्लॉक जमीन पर पशुपालन के अवैध कब्जे को हटाकर पार्क बनाने, ताहिर पुर स्थित कुष्ठ आश्रम में रिक्त स्थानों पर अवैध मार्किंग हटाकर चारदीवारी बनाकर समाज कल्याण विभाग हॉल का निर्माण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

जंतर मंतर भड़काऊ नारा मामला : पिंकी चौधरी हुआ अंडरग्राउंड, जारी हो सकता है वारंट

नई दिल्ली, एजेंसी। जंतर-मंतर पर भड़काऊ नारे लगाने के मामले में दिल्ली पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई से डरकर आरोपी भूपेंद्र उर्फ पिंकी चौधरी अंडरग्राउंड हो गया है। उसकी तलाश में पुलिस की टीम ने गाजियाबाद के 5 ठिकानों पर छापेमारी की, लेकिन पिंकी चौधरी का कुछ पता नहीं चला। पुलिस के मुताबिक दबिश तेज होने के बाद वह भूमिगत हो गया है। दिल्ली पुलिस की टीम ने पिंकी की तलाश में गाजियाबाद के राजेन्द्र नगर में छापा मारा। इसके बाद लोनी में पिंकी के 2 ठिकानों पर रेड की गई, लेकिन वह यहां भी नहीं मिला। उसके बाद पुलिस ने साहिबाबाद में छापेमारी की, मगर पिंकी का पता नहीं चला। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली पुलिस आज पिंकी चौधरी के खिलाफ अदालत से वारंट जारी करवा सकती है। गौरतलब है कि जंतर-मंतर एक समुदाय विशेष के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के मामले में वायरल वीडियो को लेकर दिल्ली पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने कार्यक्रम का आयोजन करने वाले बीजेपी नेता अश्विनी उपाध्याय और उनके 6 साथियों को इस मामले में गिरफ्तार किया है। बीते दिनों पटियाला हाउस कोर्ट ने इन आरोपियों से दो लोगों को एक दिन की रिमांड पर भेज दिया, जबकि अश्निनी उपाध्याय समेत 4 अन्य को न्यायिक हिरासत में रखे जाने का आदेश दिया था। इन सभी के ऊपर 8 अगस्त को एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने अश्विनी उपाध्याय, विनोद शर्मा, दीपक सिंह, विनीत क्रांति, प्रीत सिंह और दीपक के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की थी।

दिल्ली को 'वर्ल्ड क्लास' बनाने का दावा कर केजरीवाल ने थर्ड क्लास सिटी बना डाला-आदेश गुप्ता

नई दिल्ली, 11 अगस्त। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने आज यहां कहा कि दिल्ली को वर्ल्ड क्लास सिटी बनाने का दावा करने वाली केजरीवाल सरकार ने वास्तव में दिल्ली को थर्ड क्लास सिटी बना डाला है। केजरीवाल सरकार ने दिल्ली को नर्क बना डाला है, जहां बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत ढांचा व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा चुकी है और लोग बेबसी में जीने को मजबूर है।

श्री आदेश गुप्ता ने केजरीवाल सरकार पर छह सालों में दिल्ली का विकास ठप करने और झूठे एवं विनाश की नीतियां अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल की मुश्किल घड़ी में जब जनता को सरकार की सबसे ज्यादा जरुरत थी, उस वक्त केजरीवाल और उनके विधायक घर से बाहर निकले तक नहीं। फ्री वाई-फाई, नल से साफ पानी का वादा सब के सब जुमले साबित हुए हैं। मुफ्त बिजली तो छोड़िए शहर की अनाधिकृत और झुग्गी बस्तियों में बिजली तक नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुफ्त बिजली और पानी का वादा करके आज लोगों के घरों में हजारों रुपये के बिल आ रहे हैं। क्या दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी को इसलिए चुना था कि आज वो गंदे और बदबूदार पानी पीने को मजबूर हो जाए। दिल्ली सरकार गत छह वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रदूषण, परिवहन जैसे मदों में ऐतिहासिक बजट आवंटित करने का दावा करती है पर वास्तविकता यह है कि हर वर्ष इन मदों का 20 से 30 प्रतिशत खर्च ही नहीं हो पाता है जो दिल्ली सरकार के विकास दावों की पोल खोलता है।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार घोटालों एवं निषक्रियता की सरकार है, जहां एक ओर गत छह साल में दिल्ली सरकार में घोटले ही घोटाले हो रहे हैं, वहीं वायु एवं जल प्रदूषण पर सरकार की निष्क्रियता से दिल्ली विश्व की प्रदूषण राजधानी बन गई है।

उन्होंने केजरीवाल से दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू करने की मांग करते हुए कहा कि इस कल्याणकारी योजना को अगर केजरीवाल सरकार ने पहले ही लागू किया होता तो लाखों लोगों को महामारी के दौरान पांच लाख रुपये तक स्वास्थ्य लाभ मिल सकता था। अभी दिल्ली में कोरोना की तीसरी लहर की संभावित खतरे से बचने के लिए इस योजना को लागू करना हर हाल में कारगर साबित होगा।

फाउंडेशन फोर कृष्ण कला एवं एजुकेशन द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव की शुरूआत : मौलिक भारत बना सहयोगी

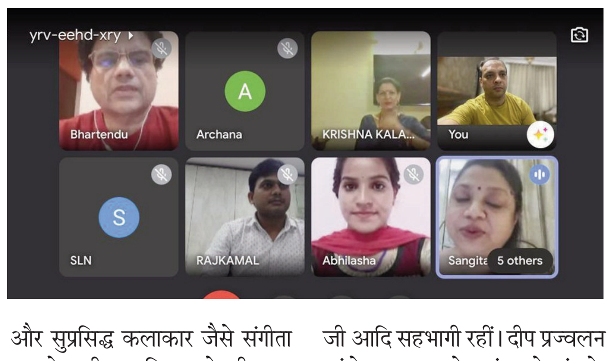

नई दिल्ली। अनु सिन्हा अध्यक्ष, फाउंडेशन फॉर कृष्ण कला एवं एजुकेशन की पहल पर दस अगस्त से भारत सरकार के सहयोग से आजादी के 75वे वर्ष में पूरे वर्ष ह्न अमृत महोत्सवह्न के विभिन्न कला- संस्कृति - नृत्य से जुड़े कार्यक्रम ऑफलाइन/ऑनलाइन आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रमो की श्रृंखला 10 अगस्त से शुरू हुई है व हर महीने में 4 दिन प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होंगे । श्रृंखला के पहले कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कलाकार राजेश्वरी त्यागराजन जी रही व मुख्य प्रस्तुति जयंती माला मिश्रा जी मुंबई की रही । इसके अतिरिक्त कई खास और सुप्रसिद्ध कलाकार जैसे संगीता कुलश्रेष्ठ जी , अमिता खरे जी जया प्रदर्शनी जी हरदेव जी पवन जी और मॉरिशस से भी बहुत ही खास मेहमान और कत्थक नृत्यांगना अर्चना जी स्वाति वांगू जी आभा बंसल जी लक्ष्मी जी आदि सहभागी रहीं। दीप प्रज्वलन ,मंत्रोचारण व गणेश वंदना के मंत्र के साथ अनु सिन्हा जी द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत की गई उसके बाद मौलिक भारत के अध्यक्ष अनुज अग्रवाल जी एवं राजकमल जी भारतेंदु जी दीपिका जैन जी और भी कई सदस्य मौलिक भारत के सभी ने जुड़कर अपनी अपनी बात रखी सब को बधाई देते हुए शुभकामना देते हुए इस कार्यक्रम को 1 वर्ष तक चलाते रहने का संकल्प लिया । भारतेंदु जी ने अपना सहयोग देने का आश्वासन दिया। चर्चा का बिषय ह्न गुरु शिष्य परंपरा ह्न रहा व इस पर सब ने अपने अपने अनुभव और विचार रखे। बीएल बत्रा जी ने भी बहुत ही अच्छी तरह से मान सम्मान के साथ इस परंपरा और चलाते रहने के लिए अपना सहयोग दिया ।संदीप मारवाह जी , राजीव सिकरवार जी व अलका जी भी हमारे साथ रहे व अपने विचार रखे।

संपादकीय

राजनीतिक शुचिता के लिए

देश भर के विधायी सदनों में बैठे कुछ माननीयों के खिलाफ चल रहे आपराधिक मामलों के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला नैसर्गिक न्याय के अनुरूप तो है ही, उम्मीद है, राजनीति और अपराध के गठजोड़ की चूलें भी इससे हिलेंगी। आला अदालत ने साफ कर दिया है कि हाईकोर्ट की इजाजत के बिना राज्य सरकारें सांसदों और विधायकों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मुकदमे वापस नहीं ले सकतीं। प्रधान न्यायाधीश के नेतृत्व वाली पीठ ने न्याय-मित्र विजय हंसारिया की रिपोर्ट के आलोक में यह फैसला सुनाया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ राज्यों की सरकारें अपने दल के सांसदों-विधायकों के खिलाफ कायम ऐसे मामले वापस लेने की कोशिश में जुटी हैं। इस मामले में शीर्ष अदालत की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसने सभी उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरल से कहा है कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र के ऐसे तमाम मामले फौरन संबंधित हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के संज्ञान में लाएं।

यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि देश में दशकों से राजनीति को अपराध मुक्त बनाने को लेकर विमर्श जारी है। बढ़ते जन-दबावों और न्यायिक सख्ती को देखते हुए कुछ कानून भी बने। सजायाफ्ता लोगों को चुनावी राजनीति से तय अवधि के लिए बाहर करने के विधान ने कुछ सांसदों-विधायकों पर सत्ता-सदनों के पट बंद भी किए। लेकिन राजनीतिक दलों के चरित्र में इससे कोई गुणात्मक बदलाव नहीं आया। उल्टे कुरसी से वंचित हुए चंद जन-प्रतिनिधियों के मुकाबले संसद और विधानसभाओं में दागी लोगों की आमद पहले से बढ़ गई। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के मुताबिक, मौजूदा लोकसभा में ही 43 प्रतिशत सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह कोई सुखद तस्वीर नहीं है और इसके लिए किसी एक पार्टी या नेता को दोषी ठहराया नहीं जा सकता। तमाम राजनीतिक दलों ने अपनी कथनी और करनी के फर्क से इस समस्या को गंभीर बनाया है। निस्संदेह, इनमें से कई मामले विद्वेष प्रेरित या राजनीतिक रंजिश की उपज होंगे, लेकिन यह भी तय करने का अख्तियार अदालतों के पास है। नैसर्गिक न्याय के लिहाज से उनके पास ही होना चाहिए। कोई राज्य सरकार ऐसे मामलों में न्यायिक भूमिका कैसे अपना सकती है, जिनके कानून-व्यवस्था के लिहाज से गहरे निहितार्थ हों? इसलिए सर्वोच्च न्यायालय की यह पहल भी स्वागत योग्य है कि ऐसे मामलों के त्वरित निपटारे की निगरानी के लिए वह एक विशेष पीठ गठित करेगा। सरकारों की राजनीतिक पक्षधरता ने देश में ऐसा माहौल बना दिया है कि कई सारे लोग असामाजिक कृत्य को ही राजनीतिक सफलता की सीढ़ी मानने लगे हैं। उद्दंड, अराजक लोगों को पुरस्कृत करने की राजनीति लोकतंत्र के लिए ही नहीं, समूचे सामाजिक ताने-बाने के लिए चुनौती बन चली है। ऐसे में, विधायी सदनों के सदस्यों के खिलाफ चल रहे मामलों का जितनी तेजी से निपटारा होगा, राजनीतिक पार्टियों पर सही उम्मीदवारों के चयन का उतना ही दबाव बढ़ेगा। उनसे अपने तईं ऐसी पहल की उम्मीद बेमानी है, क्योंकि उनके लिए सिर्फ जीत महत्वपूर्ण है। आशा है, सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला आजादी की हीरक जयंती मनाने जा रहे देश के लिए एक अहम मोड़ साबित होगा।

प्रवीण कुमार सिंह

महंगाई का साया

रिजर्व बैंक की हालिया मौद्रिक नीति में जो बात सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है वह यह है खुदरा मुद्रास्फीति 2021-22 में 5.7 प्रतिशत पर रहने का अनुमान हैग अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में घटकर 5.1 प्रतिशत पर आने की संभावना है। यानी 2021-2022 के दौरान महंगाई दर छह प्रतिशत के करीब रहनेवाली है। यह दर खासी चिंता बढ़ाने वाली है। रिजर्व बैंक के अपने मानकों के हिसाब से अगर यह महंगाई दर छह प्रतिशत के ऊपर चली जाएग तो माना जाना चाहिए कि खतरे के संकेत हैं। 5.7 प्रतिशत और छह प्रतिशत के खतरे के संकेत में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। अगर महंगाई पर काबू ना पाया गया, तो इसके गंभीर आतथक परिणाम होंगे। महंगाई की चोट हर वह शख्स महसूस कर सकता है जो पंप से पेट्रोल आदि लेता है। पेट्रोल के भाव बढ़ने से लगभग हर चीज की महंगाई बढ़ जाती हैग ऐसा सामने आता है। सरकार को इस मसले पर गंभीरता से विचार करना ही चाहिए कि किस तरह से महंगाई को कम किया जाए ताकि कोरोना की मंदी से ग्रस्त लोगों को कुछ राहत मिल सके। आरबीआई ने कहा कि घरेलू बाजार में कर्ज की लागत कम हुई है। यह बात बिलकुल सही है कि कर्ज लेने की लागत यानी ब्याज दरों में कमी आई है और उद्यमियों को आसानी से सस्ती दरों पर कर्ज मिल रहा है। यही नहींग पूंजी बाजार में नई कंपनियों के शेयरों को जमकर खरीदा जा रहा है। यान पूंजी की कमी कहीं नहीं है, पर सवाल दूसरा है। पूंजी भी है, कारोबार भी है, पर सवाल मांग का है। मांग हर क्षेत्र में मजबूत नहीं दिख रही है। सबसे ज्यादा कुप्रभावित हुआ है सेवा क्षेत्र। होटल, पर्यटन स्थल सब वीरान ही हैंग अब भी। सिनेमा हाल भी अभी राह ताक रहे हैं कि कब दर्शक आएंगे। यहां हालात तब ही बेहतर होंगे, जब टीकाकरण की रफ्तार बढ़ेगी। औसतन रोज पचास लाख टीके लग रहे हैं, गति बढ़ाई जानी चाहिए। टीके का ताल्लुक सेवा क्षेत्र की हालत से है। टीके लगेंगे तो लोग सुरक्षित महसूस करेंगे, आएंगे जाएंगे, तो ही हालात सुधरेंगे। डरे हुए लोग एक डरी हुई अर्थव्यवस्था ही बनाएंगे। खौफ से बाहर आने के लिए टीकाकरण की रफ्तार में तेजी जरूरी है। उस तेजी में ही अर्थव्यवस्था की तेजी निहित है। रोजगार धंधा बढ़े कमाई धमाई बढ़े, तो बंदा महंगाई को भी झेलने में समर्थ हो जाता है।

टू दि प्वाइंट/ आलोक पुराणिक

एक अद्भुत अपूर्व क्षण

पाठशाला का कोना-कोना दिखा चुकने के बाद हेडमास्टर भिंडी पकाने रसोईघर में चले गए। प्रोफेसर ने अपना सूटकेस खोला और दो गर्म शॉलें बाहर निकालीं। एक मुझे दी दूसरी स्वयं ओढ़ ली। चश्मा पहना, पाइप सुलगाकर मुंह में लगाया और बाहर आने का इशारा किया। शॉलें कीमती और मजबूत धागों से बुनी गयी थीं। उनके स्पर्श में बड़ी स्निग्ध गर्माहट थी। बाहर उतना अंधेरा नहीं था जितना मैं सोच रहा था। प्रांगण में लगी ट्यूबलाइटों का उजाला पर्याप्त था और फिर चांदनी रात भी थी। प्रोफेसर पाठशाला की एक दीवार के सहारे खड़ी नसैनी चढ़ने लगे। मुझे भी वैसा ही करने के लिए कहा।

हम पाठशाला की छत पर आ गए। जैसे ही मैंने सिर उठाकर आसमान की ओर देखाग खुद को सितारों की बारिश में भीगते हुए पाया। गालों पर चुभती ठंडी हवा और आंखों में आकाशगंगा का रूप। मैं बता नहीं सकता कि क्या एहसास था। लगाग जैसे उस क्षण में स्थिर-सा हो गया हूं। वैसा स्वच्छ तारों भरा आकाश पहले कभी नहीं देखा था। 'हे नेचर-लवर, उधर देखो!' प्रोफेसर की उंगली का जिधर संकेत था उधर एक ईट का भट्ठा था। तपता हुआ। सुलगता हुआ। चिमनी से धुआं उगलता हुआ। धुएं से दूर कहीं-कहीं चमक रहे टंगस्टन बल्बों की इक्का-दुक्का रौशनियां थीं। दूर-दूर तक सरसों के खेतों का विस्तार था। लेकिन जो दृश्य मन को खींच रहा था वह था जलते-बुझते जुगनुओं का दूर तक बिखरा मनमोहक संसार। झूमते वृक्षों और लहलहाते खेतों की उनींदी बेफिक्रियां। डैम के पानी की घरघराती आवाज और झींगुरों का अटूट स्वर। मैं अपने आप में ही बुदबुदाया- 'कितना अद्भुत, कितना अपूर्व अनुभव है। अव्यक्त, अनछुआ।' प्रोफेसर ने मेरी बुदबुदाहट सुन ली थी। वे पाठशाला की दूसरी दिशा का दृश्य भी दिखाने लगे। दूर किसी गांव की छोटी-छोटी झोंपड़ियां चमक रही थीं। झोंपड़ियों से कुछ दूर किसी नदी का पानी एक पहाड़ी के पीछे जमा होकर सुंदर सरोवर का सा रूप अख्तियार कर चुका था जिसके जल प्रवाह में सितारों के प्रतिबिम्ब टूट-टूट कर बिखर रहे थे। नदी-जल में हरी घास से आच्छादित छोटे-छोटे द्वीप थे जिन्हें देखकर प्रोफेसर कवि ओय की कविता सुनाने लगे-'हम सदा से द्वीप हैं सोतस्विनी के। किंतु हम बहते नहीं हैं। क्यों कि बहना रेत होना है। हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।'

विस्तार की राह पर आरक्षण

पिछड़ी और अनुसूचित जातियों की सूची में आना-जाना, जुड़ना-घटाना वस्तुतः जनतंत्र में राज्य द्वारा प्रदत्त अवसरों, सुविधाओं एवं सामाजिक समूहों को गतिमान बनाने के लिए चलाई जा रही योजनाओं में हिस्सेदारी से जुड़ा है। ऐसे में, राज्यों को ओबीसी (अन्य पिछड़ी जातियों) की सूची बनाने और उसमें जोड़-घटाव करने की शक्ति का मिलना एक सकारात्मक कदम है। राज्य सरकारें तुलनात्मक रूप से राज्य की जनता के अधिक करीब होती हैं, वे उनमें हो रहे बदलावों को पास से देख एवं समझ रही होती हैं। ऐसे में, ओबीसी में किन जातियों को जुड़ना चाहिए या किन्हें अलग करना चाहिए, यह अधिकार केंद्र से राज्यों को स्थानांतरित होना जरूरी ही था। साथ ही, उन्हें इसमें बदलाव करने की वैधानिक शक्ति का दिया जाना भी भारत के प्रशासनिक इतिहास में एक जरूरी और निर्णायक कदम है।

ओबीसी से किसी जाति या समूह का जुड़ना भारतीय जनतंत्र द्वारा प्रदत्त विकास के अवसरों से जुड़ जाना है, इसीलिए कई प्रभावी जातियां जो पहले ऊंचे सामाजिक ओहदे पर बैठी (ऊंची जातियां) मानी जाती रही हैं, वे अब 'अन्य पिछड़ी जातियों' की श्रेणी में आना चाहती हैं। पहले भारतीय समाज में ऊंची जाति होने की होड़ थी, अब ओबीसी एवं अनुसूचित जाति की सूची में आने की प्रतिद्वंद्विता मची है।

ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि जनतंत्र ने शक्ति एवं सम्मान के प्रतीकों में बड़ा बदलाव किया है। पहले की समाज व्यवस्था में ऊंचे पायदान पर खड़ी जातियों को जो सामाजिक अवसर व सम्मान हासिल था, वह क्षरित तो हुआ ही है, साथ ही, जनतंत्र एवं आधुनिकता ने विकास, गतिशीलता व सम्मान के नए अवसर निर्मित किए हैं, जो ओबीसी और अनुसूचित जाति जैसी कोटियों में शामिल होने से ही मिल सकता है। यूं तो ओबीसी की प्रभावी जातियां अंग्रेजों के जमाने में ही अपनी विकसित हो रही राजनीतिक व जनतांत्रिक आकांक्षाओं के कारण ऊंचे पायदान पर बैठी जातियों से प्रतिद्वंद्विता करने लगी थीं, किंतु आजादी के बाद देश के बड़े नेता राम मनोहर लोहिया के नेतृत्व में संगठित एवं गोलबंद हो, विकास के अवसरों में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी की मांग रखी थी। उस वक्त एक नारा पिछड़ा मांगे सौ में साठ देश के गांव-गांव में गूंजने लगा था। मध्यवर्ती जातियों में आगे बढ़ने एवं ऊंची जातियों के सामाजिक-राजनीतिक महत्व को चुनौती देने की चाह बढ़ने लगी थी। हिंदी के प्रसिद्ध उपन्यासकार फणीश्वरनाथ रेणु का उपन्यास मैला आंचल व अन्य कहानियां अत्यंत सजीव ढंग से आजादी के बाद के इस परिवर्तन को रेखांकित कर रही थीं। इसी चाहत ने आगे चलकर इतनी बड़ी राजनीतिक शक्ति प्राप्त कर ली कि इन सामाजिक समूहों के अपने नेता व अपनी पार्टियां बनने लगीं। इन्हीं बढ़ती हुई 'अन्य पिछड़ी जातियों' की राजनीतिक शक्ति व आकांक्षाओं के दबाव में विश्वनाथ प्रताप सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल में मंडल आयोग की सिफारिशें लागू की गईं। इसने ओबीसी से जुड़ने को एक बड़े अवसर में बदल दिया। परिणाम यह हुआ कि कई जातियां और सामाजिक समूह ओबीसी श्रेणी से जुड़ने के लिए राजनीतिक दबाव बनाने लगे। महाराष्ट्र में मराठा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा में जाट, कर्नाटक में लिंगायत, गुजरात में पटेल अपने-अपने राज्य में प्रभावी सामाजिक समूह हैं। ये जातियां पिछले दशकों से ओबीसी श्रेणी में आने की लड़ाई लड़ रही हैं। इन राज्यों में किसी की भी सरकार हो, वह इन समूहों को नाराज नहीं करना चाहेगी। फलतः कई बार इन्हें ओबीसी श्रेणी में लाने की चाहत राज्य सरकारों ने जाहिर की, लेकिन सांविधानिक अड़चनों और उनके अपने दायरों के कारण यह संभव न हो सका। अब संसद से पारित इस बिल से ऐसी अड़चनें दूर होंगी और ऐसे कई समूहों का ओबीसी श्रेणी से जुड़ने का मार्ग प्रशस्त होगा।

> आंकड़े और संख्या को हमें सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन की स्थिति से जोड़कर रखना, समझना व समझाना होगा, ताकि छोटे संख्या बल वाले सामाजिक समूहों के हितों की रक्षा हो सके।

किंतु राज्यों को यह अधिकार मिलने की कुछ सीमाएं भी हैं और इससे कुछ प्रश्न भी उभरते हैं। पहली समस्या तो यही उभरती है कि अगर प्रभावी जातियां ओबीसी श्रेणी में आती हैं, तो क्या ओबीसी कोटि के प्रभावी सामाजिक समूहों के साथ इनका जनतांत्रिक सुविधाओं व अवसरों पर दावों के लिए टकराव बढ़ेगा। अगर ऐसा हुआ, तो एक राजनीतिक गोलबंदी तो बन सकती है, पर क्या इससे एक सामाजिक टकराव की स्थिति बनेगी? ऐसा हो सकता है, लेकिन धीरे-धीरे दैनिक जीवन के अपने दबाव समाज में स्वतः एक प्रकार का 'एडजस्टमेंट' या समायोजन पैदा कर देते हैं। फलतः ऐसे टकराव अगर हुए भी, तो शायद ज्यादा दिन नहीं चल पाएंगे। ऐसे तनाव संभव है, भीतर-भीतर तो प्रवाहित होते रहें, पर खुलकर सामने न आ पाएं। दूसरी स्थिति यह बनती है कि राज्यों को ऐसे अधिकार मिलने पर संभव है, राजनीतिक रूप से प्रभावी समूह ही इस कोटि में जुड़ने की लड़ाई जीत पाएं। ऐसे में, राज्य सरकारों को यह ध्यान रखना होगा कि संख्या बल में छोटे व कम प्रभावी सामाजिक समूहों को भी इस स्थिति का लाभ मिले। ऐसे में, राज्य सरकारों का यह नैतिक और वैधानिक दायित्व बनता है कि वे ओबीसी श्रेणी की छोटी-छोटी जातियों एवं सामाजिक समूहों को भी जनतांत्रिक सुविधाओं और अवसरों में उचित हिस्सेदारी सुनिश्चित करें। उन्हें यह देखना होगा कि चंद प्रभावी सामाजिक समूह ही सामाजिक न्याय के अवसरों के अधिकांश पर कब्जा न कर लें।

इस प्रक्रिया में एक और अहम बात यह है कि राज्यों को मिल रहे ओबीसी निर्धारण अधिकार के न्यायपरक उपयोग के लिए जाति आधारित जनगणना अपनी तमाम सीमाओं के बावजूद जरूरी हो जाएगी। यदि जाति-जनगणना होती है, तो सत्ता और सरकारों को यह देखना होगा कि इससे जो सामाजिक समूह संख्या बल में प्रभावी होकर उभरेंगे, उन्हीं सामाजिक समूहों के हाथों में शक्ति व विकास के अवसर न केंद्रित हो जाएं। ऐसे में, आंकड़े और संख्या को हमें सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन की स्थिति से जोड़कर रखना, समझना व समझाना होगा, ताकि छोटे संख्या बल वाले सामाजिक समूहों के हितों की रक्षा हो सके। भारतीय जनतंत्र में कई बार संख्या बल मुक्तिकारी होता है, तो कई बार वह दमित करता है। हमें जनतंत्र के हर लाभ को नियोजित करते वक्त यह देखना होगा कि किस प्रकार राज्य द्वारा प्रदत्त लाभ समाज के सीमांत पर बैठे आदमी तक पहुंच पाए, जो गांधी व आंबेडकर जैसे महापुरुषों का सपना रहा है। संभव है, ऐसे सुधारों को अगर सम्यक ढंग से लागू किया जाए, तो भारत का जनतंत्र सही मायने में सामाजिक जनतंत्र का रूप ले पाएगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

टोक्यो ओलंपिक

हॉकी का नवजागरण, महिला शक्ति का उदय

हाल ही में सम्पन्न टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा ने गोल्ड मेडल जीत कर हमारे खिलाड़ियों के जीत के आगाज को चार चांद लगा दिए। इस मौके पर सरकारों व कुछ अन्य संस्थाओं ने भी आगे आते हुए धन व प्यार के खजाने उन पर वारे-न्यारे किए हैं। जिन खिलाड़ियों ने ओलंपिक में खेलने के लिए क्वालीफाई भर ही किया, उन्हें जितने भी इनाम दिए जाएं, वो कम हैं क्योंकि इनका ये प्रदर्शन इनकी जीवन की परिस्थितियों से बहुत आगे का प्रदर्शन है। जिस सामाजिक, आर्थिक पृष्ठभूमि से ये खिलाड़ी आते हैं, वो इस स्तर के शारीरिक विकास को वहन करने के लिए सहज रूप में कतई सक्षम नहीं हैं। ज्यादातर परिवारों ने अपने पूरे परिवार का बजट निचोड़ कर इन पर खर्च किया है। बकौल मेडलिस्ट खिलाड़ी उनके माता-पिता को उनके खेल करिअर को आगे बढ़ाने के लिए अतिरिक्त काम करना पड़ा है। उन्हें परिवार के दूसरे बच्चों की पढ़ाई तक भी छुड़वानी पड़ी है।

सरकार का खेलों पर बजट तो ऊंट के मुंह में जीरे के समान होता जा रहा है। हमारे देश का हाल ही में पेश खेल बजट 2019-20, कुल जमा 2216 करोड़ था। जिसका 40 फीसदी अफसरशाही पर खर्च होता है और बाकी खेलो इंडिया, यूनिवर्सिटी, कॉलेज, खेल मैदान व अन्य सुविधाओं पर जबकि बीसीसीआई के एक आयोजन का खर्च इससे ज्यादा हो जाता है। दूसरी तरफ हॉकी टीम पर ओडिशा सरकार का खर्च 'सरकारी खर्चे व अच्छे खेल प्रदर्शन में सीधा सम्बन्ध' दिखा रहा है। यह चुनौती जब हमने एशिया में कांस्य जीता था तब भी ऐसी थी, जो आज कई मायनो में और ज्यादा विकट हुई है। मसलन उस समय हरियाणा में एक खेलकूद महाविद्यालय था जो आज बंद पड़ा है।

सभी खिलाड़ी प्राइवेट एकेडमियों के भारी-भरकम खर्चे उठाने पर मजबूर हैं जो हरेक के बस की बात नहीं। अतः बहुत-सी प्रतिभाएं दिल मसोस कर रह जाती हैं।

मैं हरियाणा के छोटे किसान परिवार की पृष्ठभूमि से आते हुए एक साल खेलकूद महाविद्यालय की छात्रा रहकर भारतीय महिला वालीबॉल टीम के ट्रेनिंग कैम्प के लिए चुनी गई थी। कैम्प में बहुत अच्छी डाइट के अलावा 4-5 मल्टी विटामिन गोलियां हर रोज खिलाई जाती थी ताकि हमारा शरीर उस स्तर की ट्रेनिंग को वहन कर सके। उसके बावजूद मिस्टर कुर्त राडे, हमारे जर्मन कोच, हमारे प्रदर्शन को देखकर बोलते थे— अच्छा और अच्छा करो, इतना भर तो मेरी दादी भी कर सकती है। उनकी इस लाइन को याद करके हम अब भी आपस में हंसते हैं। पहले हमें उनकी इस टिप्पणी पर गुस्सा आता था, अब हंसी आती है, क्योंकि अब हमें इसके निहितार्थ पता लग चुके हैं।

यह हकीकत है कि वो आबादियां जो खेल को अपनी ऊंचाई हासिल करने को जरिये की तरह अपनाती (अपवर्ड मोबिलिटी) हैं, उनके पोषण का स्तर लगभग कुपोषण जैसा है। हमारी हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने स्वयं बताया भी है कि उनकी शारीरिक हालत को देखकर शुरू में उनके कोच ने उन्हें खिलाने से मना कर दिया था।

हमारे कुल मेडल का मुकाबला असल में चीन के साथ करके देखा जाना चाहिए क्योंकि चीन और भारत में कई समानताएं हैं। खासतौर पर आबादी के लिहाज से। कहां उनके 88 मेडल और हमारे सात। विशेषज्ञों की नजर में हमारी रणनीतियों में दो ही फर्क हैं। उन्होंने अपनी व्यापक आबादी की मूलभूत सुविधाओं को पूरा करना अपनी प्राथमिकता बनाया व मास-स्पोर्ट्स कल्चर के सिद्धांत को अपनाते हुए खेल सुविधाओं का जाल बिछाया। इसी मूल मंत्र पर चलते हुए हम अपनी बड़ी आबादी को एक खेल-पावर बनने के लिए अपनी ताकत बना सकते हैं। इसके साथ-साथ हमें विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक परिवेश को ध्यान में रखते हुए कुछ खास खेलों को वहां प्रोत्साहन देना होगा। दूसरी तरफ हम देख रहे हैं कि हमारे देश की महिलाएं अपने खेल प्रदर्शन को उत्तरोत्तर ऊंचा उठाती जा रही हैं। पिछली बार रियो ओलंपिक में तो केवल महिलाओं ने ही पदक जीते थे। परन्तु खेलों को और आगे बढ़ाने वाली देश की अपैक्स आठ सदस्यीय टास्क-फोर्स में फिर भी किसी महिला खिलाड़ी को स्थान नहीं दिया गया। कुल मिलाकर कह सकते हैं कि टोक्यो ओलंपिक से हमारे राष्ट्रीय खेल हॉकी का नवजागरण व महिला शक्ति के खेल शक्ति बनने का आगाज हुआ है।

मुद्दा

आस्था या सार्वजनिक हित

सार्वजनिक हित और आस्था के बीच कई बार द्वंद्व की स्थिति उभरती दिखती है। कुछ वक्त पहले केरल में यही मसला उपस्थित हुआ, जब राष्ट्रीय राजमार्ग/एनएच 66/ के विस्तारीकरण की बात चली और क्षेत्र के लोगों ने इस प्रस्ताव का इस आधार पर विरोध किया कि तयशुदा मार्ग पर निर्माण आगे बढ़ेगा तो रास्ते में पड़नेवाली दो मस्जिदों और दो मंदिरों को हटाना पड़ेगा या पुनर्स्थापित करना पड़ेगा।

थाजुथाला का उमालनाल्लूर गांव या बगल के कोल्लम जिले के कुछ गांववालों ने इस विरोध में पहल की और केरल उच्च न्यायालय के सामने कई याचिकाएं डालीं। (बालकृष्ण पिल्लै बनाम भारत सरकार) अब मामला निश्चित ही पेचीदा था और एक ऐसे राज्य में जहां सभी समुदायों के लोग ठीक ठाक मात्रा में रहते हैं, किसी भी तरह की जल्दबाजी विवाद को गलत शक्ल भी दे सकती थी। मामला हिंसक भी हो सकता था। इस जटिल मामले को उच्च अदालत की एक सदस्यीय पीठ न्यायाधीश पीवी कुंजीकृष्णन के सामने पेश किया गया।

काबिलेगौर बात थी कि संवैधानिक सिद्धांतों पर अड़िग रहते हुए न्यायाधीश महोदय ने इन तमाम याचिकाओं को सिरे से खारिज किया और नागरिकों का आह्वान किया कि उन्हें अपनी छोटी-छोटी दिक्कतों से ऊपर उठना चाहिए क्योंकि देश को चौड़े राष्ट्रीय राजमार्गों की आवश्यकता है, जिसे हर कोई आसानी से इस्तेमाल कर सकता है। अदालत ने इस बात पर भी जोर दिया कि वह हर ऐसे मसले में दखलंदाजी नहीं दे सकती जब तक उनमें स्पष्ट तौर पर गैरकानूनी या दुर्भावनापूर्ण तरीके से उठाए गए कदम शामिल नहीं हों।

निश्चित ही अदालत के इस फैसले से प्रशासन के स्तर पर राहत की सांस देखी जा सकती है, लेकिन इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि एक ऐसे वातावरण में जो धातमकता के विस्फोट से संतृप्त हो, सार्वजनिक हित के ऐसे कई काम अनावश्यक विवादों में उलझ जाते हैं।

वैसे कई बार इन विवादों के बीच से ही एक नई जमीन तोड़ने का उदाहरण सामने आता है।

दो साल से कुछ वक्त पहले लखनऊ-झांसी हाईवे के निर्माण में इसी तरह एक नई नजीर कायम की गई। आपसी सहयोग और सद्भाव का परिचय देते हुए जालौन के दोनों समुदाय के लोगों ने दो मंदिरों, एक मस्जिद और तीन मजारों को पुनस्थापित किया।

दरअसल इन प्रार्थनास्थलों के चलते बीते 14 सालों से हाईवे निर्माण का काम पूरा नहीं हो सका था और रोज इस व्यस्त हाईवे पर जाम लगता था, जो तीन तीन घंटे चलता रहता था। आलम यह था कि यातायात अवरोध के चलते हुई दुर्घटनाओं का परिणाम यह भी हुआ था कि लगभग 130 लोग इसमें हताहत हुए।

मालूम हो कि जालौन के जिलाधीश एवं पुलिस अधीक्षक ने पहल करके दोनों समुदायों से बातचीत चलाई थी, जो सिलसिला छह माह तक चला था; अंततः दोनों समुदायों की रजामंदी से यह निर्णय लिया गया, इतना ही नहीं जिस दिन इन प्रार्थना स्थलों को वहां से हटाया गया, उसी दिन वैकल्पिक स्थानों पर उनका पुनर्निर्माण भी शुरू किया गया।

अगर बात चल पड़ी है तो हम मुंबई के उप नगर माहिम में स्थानीय निवासियों और नगर प्रशासकों के बीच अभूतपूर्व सहयोग की मिसाल पर गौर कर सकते हैं जब इलाके में सड़कों के किनारे बने आठ प्रार्थना स्थलों को हटा दिया गया या स्थानांतरित कर दिया गया क्योंकि वह यातायात में या पैदल यात्रियों की आवाजाही में बाधा पैदा कर रहे थे। इनमें देश के तीन अग्रणी धर्मों से जुड़े प्रार्थना स्थल शामिल थे। विक्टोरिया चर्च के बाहर बना ऐतिहासिक क्रास, मच्छीमार कालोनी का मंदिर और एक मुस्लिम संत की मजार आदि शामिल थे। उच्च अदालत के आदेश पर सम्पन्न की गई इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए अधिकारियों ने इन प्रार्थना स्थलों के ट्रस्टियों से कई बैठकें की और उन्हें कहा कि इनका प्रतिस्थापन किस तरह जनिहत में है।

इस बात को भी नहीं भूलना चाहिए कि माहिम के इस पुनस्थापन के एक माह पहले बगल के बांद्रा में स्थिति तनावपूर्ण बनी थी, जब बृहन्मुंबई कॉर्पोरेशन की तरफ से व्यस्त रास्ते पर बने क्रॉस को अदालती आदेश के चलते हटा दिया गया था, जिसके लिए अधिकारियों द्वारा दिखाई जल्दबाजी को जिम्मेदार ठहराया गया था।

अब जबकि हम 21 वीं सदी की तीसरी दहाई में प्रवेश कर रहे हैंग यह बात शीशे की तरह साफ है कि न केवल उमालनाल्लूर गांव या कोल्लम जिले के गांव या जालौन संधावली या मुंबई के माहिम की घटनाओं को हम अपवाद समझ सकते हैं।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

यूपी को बनायेंगे एक ट्रिलियन इकोनामी : योगी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में उत्तर प्रदेश की बड़ी भूमिका है और इसके लिये राज्य को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित करने के लिये सरकार प्रतिबद्ध है।

श्री योगी ने बुधवार को कहा कि सरकार लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के सतत प्रयास कर रही है, जिसके चलते प्रदेश की बेरोजगारी दर विगत चार वर्षों में 17 प्रतिशत से गिरकर 05 प्रतिशत पर आ गयी है। आज राज्य सरकार द्वारा बेरोजगारी को दूर करने के लिए किये जा रहे आर्थिक स्वावलम्बन के प्रयास फलीभूत हो रहे हैं, लेकिन अभी इस दिशा में काफी काम किया जाना है।

उन्होने कहा कि चार सालों में सरकार के प्रयासों और बैंकर्स के अथक परिश्रम के परिणामस्वरूप आर्थिक विकास में आशातीत सफलता मिली है। अब उत्तर प्रदेश, देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। प्रदेश सरकार निरन्तर प्रयास कर रही है कि वर्ष 2017 की तुलना में वर्ष 2021-22 तक प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय दोगुनी करने के लिए विकास एवं समृद्धि की रफ्तार बढ़ायी जाए। इस कार्य में बैंकों का सहयोग अपरिहार्य है। केन्द्र व राज्य सरकार किसानों की खुशहाली और समृद्धि के लिए लगातार कार्य कर रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने एक लाख 51 हजार किसान क्रेडिट कार्डों की वर्चुअल स्वीकृति देते हुए इससे लाभान्वित होने वाले सभी कृषकों को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि इससे उनकी मुश्किलें आसान होंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के प्रयासों एवं किसानों के परिश्रम से राज्य में रिकॉर्ड मात्रा में खाद्यान्न उत्पादन हुआ है। किसानों की उपज की एमएसपी पर खरीद एवं निर्धारित समयावधि में उपज मूल्य का भुगतान किया गया है। किसान क्रेडिट कार्ड, किसानों को सरल ऋण उपलब्ध कराने में सहायक है।

उन्होने कहा कि ऋण जमा अनुपात (सीडी रेशियो) को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के सहयोग से भगीरथ प्रयास हो रहे हैं। इसके तहत आज प्रदेश स्तर पर मेगा कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस मेगा कैम्प में 9,000 करोड़ रुपए के ऋण की ऑनलाइन स्वीकृति प्रदान की जा रही है। इस मेगा कैम्प का आकार अभी तक आयोजित सभी मेगा कैम्प में सर्वाधिक है। उन्होंने मेगा कैम्प के आयोजन से लाभान्वित होने वाले सभी लाभार्थियों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन प्रदेश में ऋण जमा अनुपात को बढ़ाने में सहायक होगा।

मुख्यमंत्री ने भविष्य में ऐसे मेगा कैम्प मण्डल तथा विकासखण्ड स्तर पर भी लगाने की अपेक्षा की, जिससे कि प्रदेश की जनता और बैंकों के बीच वित्तीय लेन-देन में वृद्धि हो तथा प्रदेश विकास के पथ पर मजबूती से आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा कि युवाओं को रोजगार से जोड़ना और रोजगार सृजन राज्य सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने बैंकों के सहयोग से संचालित किये जा रहे स्वरोजगार महाकुम्भ कार्यक्रम के तहत 01 लाख 11 हजार युवाओं को स्वरोजगार के लिये वित्त पोषण का ऑनलाइन शुभारम्भ किया।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि राज्य सरकार द्वारा रोजगार सृजन के यह प्रयास बैंकर्स के सहयोग से निरन्तर जारी रहेंगे।

पिछले चार वर्षों में प्रदेश में बैंकिंग व्यवसाय में 06 लाख करोड़ रुपए से अधिक की वृद्धि हुई है। साथ ही, ऋण जमा अनुपात में भी 06 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। पिछले 04 वर्षों में प्रदेश में लगभग 43,000 नए बैंकिंग आउटलेट स्थापित कराए गए हैं, जो एक नया कीर्तिमान है। ग्रामीण बैंकों को अत्यधिक क्रियाशील बनाते हुए उनका पुनर्गठन भी किया गया है। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) और बैंकर्स के प्रयासों से उत्तर प्रदेश पहला राज्य बना, जिसमें बहुत अल्प समय में ऋण मोचन योजनाओं को साकार करके किसान की आय को दोगुनी करने का सार्थक प्रयास किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एमएसएमई क्षेत्र की इकाइयों की संख्या सर्वाधिक है। राज्य में एमएसएमई सेक्टर में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 03 करोड़ लोग कार्यरत हैं। राज्य सरकार द्वारा एमएसएमई सेक्टर को पुनर्जीवित करने के लिए “एक जनपद, एक उत्पाद योजना” तथा “विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना” लागू की गई है। इन योजनाओं के उत्साहजनक परिणाम मिल रहे हैं। प्रदेश की अर्थव्यवस्था में एमएसएमई सेक्टर के महत्व को देखते हुए राज्य सरकार निरन्तर इस सेक्टर को सुदृढ़ कर रही है। इसके लिए “विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना” और एमएसएमई इकाइयों के हस्तशिल्पियों एवं उद्यमियों का भी बैंकों द्वारा आवश्यक वित्त पोषण किया जाना चाहिए।

प्रदेश में फिर पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा में बदलाव, अब 31 अगस्त से होगी शुरू

लखनऊ। यूपी में पॉलिटेक्निक की परीक्षा कराने वाली ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद ने फिर एक बार प्रवेश परीक्षा के कार्यक्रम में बदलाव किया है। इस बार परीक्षा की तिथि आगे न बढ़ाकर और पहले की गयी है। पहले 09 से 14 सितम्बर तक होनी थी लेकिन अब इसे 31 अगस्त से 04 सितम्बर तक कराने का फैसला किया गया है। परीक्षा का कार्यक्रम संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद ने वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है।

प्रभारी सचिव राम रतन ने बुधवार को बताया कि यह बदलाव शैक्षणिक सत्र नियमित करने के लिए किया गया है। इस बार प्रवेश परीक्षा तीन पालियों में सुबह 8:00 से 10:30 तक, दोपहर 12:00 से 2:30 तक और शाम 4:00 से 6:30 बजे तक पूर्ण रूप से ऑनलाइन होगी। 31 अगस्त, एक व दो सितंबर को ग्रुप ए की परीक्षा होगी। तीन सितंबर को ई-1 ग्रुप, चार सितंबर को पहली पाली में ई-2 ग्रुप, दूसरी पाली में बी, सी, डी, एफ, जी, एच व आई ग्रुप और तीसरी पाली में के ग्रुप की परीक्षा होगी।

टीएमयू के एमसीए प्रोग्राम में होंगे अब 5 स्पेशलाइजेशन्स

TEERTHANKER MAHAVEER UNIVERSITY
TMU
MORADABAD
तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय
सम्यक् दर्शन • सम्यक् ज्ञान • सम्यक् चारित्र

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड कंप्यूटिंग साइंसेज – एफओईसीएस में पांच स्पेशलाइजेशन्स के साथ एमसीए प्रोग्राम को टीएमयू एक्जीक्यूटिव काउंसिल ने हरी झंडी देदी है। अब स्टुडेंट्स एमसीए प्रोग्राम में सॉफ्टवेयर डवलपमेंट, मशीन लर्निंग, नेटवर्क टेक्नॉलॉजीज, डेटा साइन्स एंड एनालिटिक्स और एडवांस्ड टेक्नॉलॉजीज जैसे पांच स्पेशलाइजेशन्स में महारथ हासिल कर सकते हैं। एफओईसीएस के निदेशक प्रो. आर. के. द्विवेदी ने यह जानकारी देते हुए कहा, स्नातक छात्रों के लिएसॉफ्टवेयर डवलपमेंट, मशीन लर्निंग, नेटवर्क टेक्नॉलॉजीज, डेटा साइन्स एंड एनालिटिक्स और एडवांस्ड टेक्नॉलॉजीज जैसे प्रौद्योगिकी के नए क्षेत्रों में करियर सँवारने का यह एक सुनहरा अवसर है।

सॉफ्टवेयर डवलपमेंट स्पेशलाइजेशन में जावा, वेब टेक्नॉलॉजीज, पाइथन, डॉट नेट यूजिंग सी, एएसपी डॉट नेट के अलावा एंड्रॉइड प्रोग्रामिंग, आर प्रोग्रामिंग, जूलिया, रूबी जैसी एडवांस्ड कंप्यूटर लैग्वेजेज भी शामिल हैं। मशीन लर्निंग तकनीक का इस्तेमाल सोशल मीडिया, ट्रांसपोर्टेशन एंड कम्प्यूटिंग, रोबोटिक्स, प्रॉडक्ट रिकमेण्डेशन्स, सेल्फ ड्राइविंग कार, गूगल ट्रांसलेटर जैसे कई बड़े क्षेत्रों में हो रहा है। दरअसल, मशीन लर्निंग तकनीक मुख्य रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का ही एक पार्ट है। नेटवर्क टेक्नॉलॉजीज में विशेषज्ञता ऐसे पेशेवर तैयार करेगी, जो नेटवर्क प्रशासक, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, नेटवर्क सुरक्षा विशेषज्ञ, क्लाउड नेटवर्किंग आर्किटेक्ट के रूप में योगदान दे सकते हैं। नेटवर्क टेक्नॉलॉजीज विशेषज्ञता से मुख्य रूप से इन्फोर्मेशन सिक्योरिटी और नेटवर्क सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स तैयार होते हैं , जिनकी कंपनियों में बहुत मांग है।

डेटा साइंस एक बहु आयामी विज्ञान है। हम और आप एक ऐसी दुनिया का हिस्सा हैं, जहां एक दिन में कई टन डेटा रिलीज हो रहा है। ऐसे में भारी संख्या में डेटा साइंटिस्ट की डिमांड है। विभिन्न कंपनियों में एडवांस्ड एनालिटिक्स और ऑप्टिमाइजेशन कंसल्टेंट, डेटा एनालिटिक्स,डेटा मैनेजर और डेटा साइंटिस्ट के तौर पर अपनी कुशलता को दिखाने का अवसर मिल सकता है। एडवांस्ड टेक्नॉलॉजीज की विशेषज्ञता में क्वांटम कंप्यूटिंग, एनएलपी, ब्लॉकचैन और स्पार्क के क्षेत्र शामिल हैं। क्वांटम कंप्यूटिंग परंपरागत कंप्यूटरों को एक नए क्षेत्र में विस्तारित करेगी ,जो कठिन और जटिल गणनाएँ करने में सक्षम होंगे। यदि क्वांटम कंप्यूटिंग का उपयोग करके सशक्त सुपर कंप्यूटर बनाए गए तो डेटा सुरक्षित रखने का तरीका, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भविष्य बदल जाएगा।

जिंदगी जीने के ढूंढें नित नए रास्ते : मिसेज इंडिया डॉ. प्रेरणा गुप्ता

एफओईसीएस की ओर से हरियाली तीज महोत्सव मनाया गया

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के एफओईसीएस में हरियाली तीज महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि टीएमयू की वरिष्ठ मनोचिकित्सक एवं मिसेज इंडिया-2021 डॉ. प्रेरणा गुप्ता और एफओईसीएस के निदेशक प्रो. राकेश कुमार द्विवेदी ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित करके किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने नृत्य, गायन, मेहंदी और रंगोली के उम्दा प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। महिला शिक्षकों ने भी पासिंग दि पास गेम और नृत्य के जरिए हरियाली तीज मनाई। संचालन बीएससी एनिमेशन सेकंड ईयर की स्टुडेंट्स मिस खुशी अग्रवाल और अपूर्व मित्तल ने किया। यह कार्यक्रम कोरोनाकाल के दृष्टिगत सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन करते हुए सादगीपूर्ण तरीके से मनाया गया।

मिसेज इंडिया-2021 डॉ. प्रेरणा गुप्ता ने बतौर मुख्य अतिथि कहा, हमें जिंदगी को एक ही दिशा में और एक ही तरह से नहीं जीते हुए बल्कि जिंदगी को विभिन्न तरीके से जीने की आवश्यकता है। जब हम जिंदगी को एक ही तरह से जीते हैं तो हमें हमारी जिंदगी बोरिंग लगने लगती है। जैसे ही हम जिंदगी को विभिन्न तरीके से जीने के रास्ते ढूंढ लेते हैं तो हमें हमारी जिंदगी बेहतर लगने लगती है। जब हम जिंदगी के आखिरी पड़ाव पर पहुँचते हैं तो हम संतोष महसूस करते हैं। उन्होंने कहा, सभी को जिंदगी जीने के नित नए रास्ते ढूंढते रहना चाहिए। एफओईसीएस के निदेशक प्रो. राकेश कुमार द्विवेदी ने कहा हरियाली तीज का पर्व माँ पार्वती और भगवान शिव से जुड़ा हुआ है। माँ पार्वती और भगवान शिव को श्रद्धा और विश्वास के रूप में वर्णित किया गया है। विश्वास हमारे अंदर जन्म से ही होता है, जिससे हम दुनिया में आगे बढ़ते रहते हैं और श्रद्धावान को ही ज्ञान की प्राप्ति होती है। श्रद्धा और विश्वास मानव को ईश्वर का वरदान है। हरियाली तीजमहोत्सव के दौरान बीसीए फाइनल ईयर की आरुषि जैन ने बुमरो-बुमरो और गुनगुन गुना रे, बीसीए फाइनल ईयर की देवांशी अरोड़ा ने हो गई वन टु टू और एमएससी कैमिस्ट्रि फाइनल ईयर श्रुति दुबे ने दारू बदनाम सरीखे गीतों मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए।

परफॉर्मेंस ग्रांट योजना में चयनित गांव बनेंगे मॉडल : जिलाधिकारी

गोरखपुर। गोरखपुर के जिलाधिकारी विजय किरण आनंद ने बुधवार को परफार्मेंस ग्रांट की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि इन गांवों के विकास कार्य के लिए ई-निविदा प्रक्रिया अपनाई जाएगी। इसलिए सम्बंधित विभाग शासन के दिशा-निदेर्शों को ध्यान में रखते हुए इसकी तैयारी शुरू कर दें।

जिलाधिकारी सभागार में बुधवार को होने वाली समीक्षा बैठक के दौरान अध्यक्षता कर रहे डीएम विजय किरन आनंद ने कहा कि परफॉर्मेंस ग्रांट योजना के तहत चयनित गांवों को मॉडल गांव के रूप में विकसित करना ही योजना का लक्ष्य है। चयनित गांवों का विकास शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। इसलिए सम्बंधित अधिकारी अभी से यह सुनिश्चित करें कि योजना के तहत होने वाले विकास कार्य शासन द्वारा निर्धारित प्रारूप के मुताबिक ही पूरे किए जाएं।

उन्होंने कहा कि योजना के लिए बनाए गए वित्तीय और प्रशासनिक नियमों का पालन सुनिश्चित करना संबंधित विभागों के जिम्मेदारों का दायित्व है। चेतावनी देते हुए डीएम ने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं चाहिए और उन्हें निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे करने होंगे। यह कार्य निविदा ई-निविदा प्रक्रिया का पालन करते हुए करना है। बैठक में डीपीआरओ हिमांशु शेखर ठाकुर और सम्बंधित विभागों के विभागाध्यक्ष शामिल रहें।

लोगों को बदलने का प्रयास मत कीजिए : कुलपति

कॉलेज ऑफ पैरा मेडिकल एंड साइंसेज की ओर से आयोजित पांच दिनी शिक्षक विकास कार्यक्रम

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर रघुवीर सिंह बोले, लोगों को बदलने का प्रयास मत करो। हर व्यक्ति आपकी पसन्द का नहीं हो सकता। प्रतिक्रिया और प्रत्युत्तर में अन्तर समझो। प्रतिक्रिया हानिकारक है। प्रत्युत्तर सोच समझ कर किया जाता है। प्रत्युत्तर की आदत डालो। प्रातःकालीन उठ कर 15 मिनट बिस्तर में ही बैठो। अपने ईष्ट का स्मरण करो। अपने परिवार और समाज के लिए प्रार्थना करो। हर सुबह अपनी सेहत के लिए एक घंटा अवश्य निकलो, जिसमें और कुछ न कर पाओ तो बस टहल आओ। परिस्थितियों को पहचान कर समाधान का प्रयास करो। परिस्थितियॉ दो प्रकार की हो सकती है, एक- जिन्हें आप नियंत्रित कर सकते हो। दूसरी- जो आपके नियंत्रण से बाहर हैं। आप उन्हीं घटना क्रम पर सफलता पा सकते हो, जो आपके नियंत्रण में होती हैं। वह बतौर मुख्य अतिथि कॉलेज ऑफ पैरा मेडिकल एंड साइंसेज की ओर से आयोजित पांच दिनी शिक्षक विकास कार्यक्रम में बोल रहे थे। प्रोग्राम में डॉ. अविनाश कुलकर्णी, डॉ. सीमा सिंह परमार, भावना पाल, मनीष राज शर्मा आदि मेहमानों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मोटीवेशनल स्पीकर संजय जैन ने कहा कि हमारी भावनाओं का सीधा प्रभाव हमारे शरीर पर पड़ता है। उन्होंने लुइस की खोज, हम बीमार कैसे पड़ते है, का उदाहरण देकर बताया कि इस खोज ने यह सिध्द कर दिया कि भावनाओं के दुष्प्रभाव से शरीर में रोग उत्पन्न होते हैं। उन्होंने मस्तिष्क एवम् मन का सम्बन्ध बताते हुए कहा कि मस्तिष्क एक कम्प्यूटर है जबकि मन उसका सॉफ्टवेयर। चिन्ता से मधुमेह, क्रोध से गुर्दे और जिगर, दुख तथा शोक से फेफड़े बीमार हो सकते हैं। हमारा सम्बन्ध भौतिक जगत, लोगों, घटनाओं आदि से सीधा जुड़ा रहता हैं। अतः हमें इन सबके प्रति अपनी भावनाओं को नकारात्मक होने से बचाना हैं। हमारा सोचने का तरीका बचपन से बनता और बिगड़ता है। सोच बदलना आसान नहीं होता है, परन्तु किसी भी बात को 21 दिन तक बोलने , सोचने और करने से वह हमारे मस्तिष्क के कम्प्यूटर में अपलोड हो जाती है। जो आप चाहते हो, उसे बार – बार कहो। सकारात्मक बातें करते रहने की आदत आपको रोगों से बचा सकती है। यूनिवर्सिटी की एसोसिएट डीन एकेडमिक डॉ. मंजुला जैन कहती हैं, प्रसन्नता एक मानसिक स्थिति है। यह कोई बाहरी वस्तु नहीं है, जो खोजनी पड़े। यह तो हमारे मन मस्तिष्क में ही विधमान है, बस इसे पहचानने की आवश्यकता है। उन्होंने उदाहरण प्रस्तुत किया कि इफ वीनटर कॉमस केन स्प्रिंग बी फार बिहाइंड अर्थात शीत है तो बसन्त भी आएगा। दुख है तो सुख भी अवश्य आएगा। डॉ मनीष त्यागी ने कहा भावात्मक मेधा को- आत्मावलोकन, आत्मप्रबन्धन, सामाजिक अवलोकन, संबन्ध प्रबन्धक के जरिए समझा जा सकता है। आत्मावलोकन का अर्थ है, स्वंय को जानना और समझना, मैं कौन हूँ? मैं क्या कर रहा हूँ? जैसे प्रश्नों का उत्तर स्वंय में खोजना। भावनाएं उत्प्रेरक होती हैं। वह स्वंय अच्छी अथवा बुरी नहीं होती हैं। कौन – सी भावना जैसे प्रेम घ्रणा, लगाव, मोह क्रोध आदि का हम पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? इसका समुचित ज्ञान ही भावनात्मक मेधा है। भावनाओं को उनके दुष्प्रभाव से रोकना ही आत्मप्रबन्धन है।

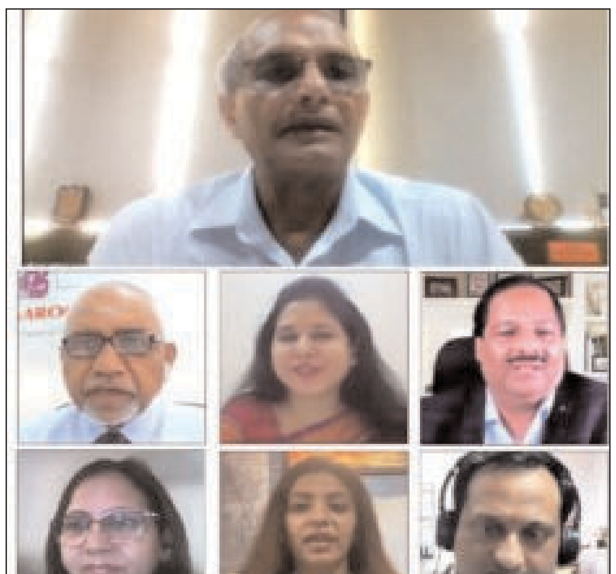

तीर्थंकर महावीर हॉस्पिटल के वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ प्रेरणा गुप्ता ने बतौर मुख्या वक्ता क्रोध प्रबन्धन पर व्याख्यान देते हुए कहा कि क्रोध सब करते हैं परन्तु क्रोध स्वाभाविक भावना नहीं है। क्रोध की स्थिति में मनुष्य अलग – अलग प्रकार से व्यवहार करते है। कुछ लोग चिल्लाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

योगी ने हरियाली तीज के पर दी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाली तीज के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। आज यहां अपने शुभकामना संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाली तीज भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना का पर्व है। हमारे सभी पर्व और त्योहार प्रकृति से मानव के गहरे जुड़ाव का प्रतीक हैं। वषार्काल के दौरान जब धरा धाम पर सब तरफ हरित आवरण दृष्टिगोचर होता है, उस समय पवित्र श्रावण माह में हरियाली तीज के आयोजन का विशिष्ट महत्व है। श्री योगी ने हरियाली तीज के समस्त आयोजनों में कोविड प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन करने की अपील की है।

जौनपुर में क्रांतिकारी खुदीराम बोस का 113 वां बलिदान दिवस मनाया

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के सरावा गांव में स्थित शहीद लाल बहादुर गुप्त स्मारक पर आज हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन आर्मी व लक्ष्मी बाई ब्रिगेड के कार्यकर्ताओ ने महान क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता सेनानी खुदी राम बोष का 113 वां बलिदान दिवस मनाया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओ ने शहीद स्मारक पर मोमबत्ती व अगरबत्ती जलाया और दो मिनट का मौन रख कर महान क्रांतिकारी श्री बोस को श्रद्धांजलि दी। इस मौके लक्ष्मीबाई ब्रिगेड की अध्यक्ष मंजीत कौर ने कहा कि महान क्रांतिकारी व स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी खुदी राम बोस का जन्म तीन दिसंबर 1889 को बंगाल में हुआ था। मात्र 17 -18 साल की उम्र में उन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में भाग लेना शुरू कर दिया था। मात्र 19 साल की उम्र में श्री बोस ने एक अंग्रेज अधिकारी को मारपीट कर घायल कर कर दिया था और विरोध करने पर अंग्रेज की पत्नी को मार डाला था। इसी वजह से अंग्रेजो ने क्रांतिकारी श्री बोस को 11 अगस्त 1908 को फांसी पर लटका दिया था। इस अवसर पर डॉ0 धरम सिंह, मंजीत कौर, मैनेजर पांडेय, अनिरुद्ध सिंह, दिशा एवं अनेक गण्यमान लोग मौजूद रहे ।

विवाहिता से दुष्कर्म में तीन को बीस-बीस साल का कारावास

बरेली (उप्र)। बरेली जिला अदालत के फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम के अपर जिला सत्र न्यायाधीश ने विवाहिता से बलात्कार के मामले में शहर के थाना सुभाष नगर अंतर्गत चौबारी गांव के तीन युवकों को 20-20 साल कैद की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष के वकील संतोष श्रीवास्तव ने बुधवार को बताया कि पीड़िता ने प्राथमिकी में कहा था कि 28 अक्टूबर 2014 को वह जंगल में घास काटने गई थी। महारो नाले के पास मौजूद चौबारी गांव के चमन (25), ओमवीरः (22) और अमित (22) ने उससे गाली-गलौज की और तमंचे के बल पर पहले चमन ने और फिर ओमवीर और अमित ने उससे बलात्कार किया। अभियोजन पक्ष की ओर से मामले में कुल चार गवाह पेश किए गए। इस पूरे मुकदमे में तथ्य की साक्षी केवल पीड़िता ही थी। अदालत ने मंगलवार को तीनों अभियुक्तों को 20-20 साल कैद की सजा सुनाई। इसके अलावा प्रत्येक दोषी पर 20-20 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया। अदालत ने जुमार्ने की राशि पीड़िता को देने का आदेश दिया।

इटावा में नदी में गिरने से एक शख्स की मौत

इटावा। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के सेंगर नदी पुल से गुजरते समय नदी में गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। जिलाधिकारी हेम सिंह ने बताया कि भर्थना क्षेत्र के तहत आने वाले नगला चौरी गांव के निकट मंगलवार शाम को सेंगर नदी पुल पर गुजरते समय संजीव (35) दो गायों के अचानक लड़ जाने से उनकी चपेट मे आकर सेंगर नदी मे गिर गया। नदी में गिर जाने से संजीव की पानी मे डूब कर मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।

लड़के का यौन उत्पीड़न और उसकी हत्या के मामले में एक व्यक्ति को उम्रकैद

मुजफ्फरनगर (उप्र)। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में पोक्सो अदालत ने एक लड़के का यौन उत्पीड़न और फिर उसकी हत्या करने के मामले में एक व्यक्ति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अदालत की विशेष न्यायाधीश मुमताज अली ने दोषी सोनू पर एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। अदालत ने दोषी को जुमार्ने की आधी राशि 11 वर्षीय लड़के के पिता को देने का निर्देश दिया है। यह घटना 13 अगस्त 2020 की है, जब सोनू ने लड़के का यौन उत्पीड़न करने के बाद उसकी गला दबाकर हत्या कर दी थी।

गर्भवती महिला से दुष्कर्म का आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा

कानपुर। काकादेव थाना क्षेत्र में गर्भवती महिला से दुष्कर्म का मामला दो दिन पूर्व प्रकाश में आया था। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर फरार आरोपित की तलाश शुरू कर दी थी। आरोपित को पुलिस ने शहर से फरार होने से पूर्व दबोच लिया और उसे जेल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, काकादेव स्थित सर्वोदय नगर निवासी एक गर्भवती महिला ने सोमवार को काकादेव थाने में मुकदमा था कि उसके घर के पास ही रहने वाले करन बाल्मीकि ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। आरोप के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी के घर पहुंची, लेकिन वह फरार हो चुका था। पुलिस की टीमों ने आरोपी को पकड़ने के लिए मुखबिर तंत्र को लगाते हुए खोजबीन शुरू की। बीती देर रात गर्भवती से दुष्कर्म के फरार आरोपी को इंस्पेक्टर कुंज बिहारी मिश्रा ने पुलिस टीम के साथ शहर से भागने से पूर्व दबोच लिया। पकड़े गए अभियुक्त से पूछताछ करते हुए जेल भेजने की कार्रवाई पुलिस द्वारा की जा रही है।

गोण्डा के कर्नलगंज इलाके में तालाब से युवती का शव बरामद

गोण्डा। उत्तर प्रदेश में गोण्डा जिले की कर्नलगंज कोतवाली क्षेत्र में बुधवार को एक तालाब से युवती का शव बरामद किया गया। पुलिस उपाधीक्षक मुन्ना उपाध्याय नें आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोनवार गडियनपुरवा गांव के तालाब में शव पड़े होने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसे तालाब से बाहर निकलवाया। युवती की शिनाख्त कमालपुर की रहने वाली 18 वर्षीय कुसुम के रुप में की गई। उन्होंने बताया कि कुसुम मानसिक रूप से विक्षिप्त थी और अपनी मौसी के घर पर आयी थी । परिजनों का कहना है वह कल रात बिना बताये घर से चली गयी । काफी तलाश के बाद सुबह उसका शव घर के पास स्थित तालाब में उतराता मिला। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मऊ सड़क हादसे में कार सवार बुआ-भतीजे की मृत्यु

मऊ। उत्तर प्रदेश में मऊ जिले के हलधरपुर क्षेत्र में आज हुए सड़क हादसे में कार सवार एक बुजुर्ग महिला और उसके भतीजे की मृत्यु हो गई जबकि चालक गंभीर रुप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार हलधरपुर क्षेत्र के बहरवा मठिया निवासी दिनेश गिरी बुधवार दोपहर अपने बड़े भाई 50 वर्षीय अवधेश अपनी 70 वर्षीय बुआ विद्यावती को कटघरा शंकर छोड़ने के लिए मधुबन जा रहे थे। रास्ते में मरियम मटूरी के निकट बाइक सवार को बचाने के प्रयास में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर कई पलटी खाते हुए पानी भरे खेत में जा गिरी। उन्होंने बताया कि सूचना पर एसओ विमलमधुबन प्रकाश राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दुर्घटनाग्रस्त कार से घायलों को निकालकर फतेहपुर मंडाव सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने विद्यावती तथा अवधेश को मृत घोषित कर दिया। दिनेश का उपचार किया जा रहा है। गौरतलब है जिले के दोहरीघाट क्षेत्र में शनिवार देर रात सोनबरसा-बेलौरी मार्ग पर झारखण्ड से मऊ आ रही तेज रफ्तार कार इसी तरह हादसे का शिकार हो गई थी ,जिसमें एक महिला और चार बच्चों की मृत्यु हो गई थी।

जब कैलाश और शिवराज ने मिलकर गाया- ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे...

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने दी भुट्टा पार्टी

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में वैसे तो ओबीसी के आरक्षण के मुद्दे को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच तल्खी बनी हुई है।

इस बीच बुधवार रात एक ऐसा भी मौका आया, जब दोनों ही दलों के दिग्गज एक-दूसरे से गलबहियां करते रहे और हंसी -ठहाके लगाते रहे। मौका था कि भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय की वार्षिक भुट्टा पार्टी का। बुधवार रात उन्होंने विधानसभा परिसर में भुट्टा पार्टी दी। इसमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, नेता प्रतिपक्ष कमलनाथ, विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ,मंत्रिमंडल के साथी सहित दोनों ही दलों के विधायक और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। इस पार्टी में तब समां बंध गया, जब विजयवर्गीय के आग्रह पर सीएम चौहान ने मिलकर प्रसिद्ध फिल्म शोल का मशहूर गाना गाया, ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे....। मुख्यमंत्री ने पूरा साथ निभाया और पूरे उत्साह के साथ गाना पूरा किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय प्रतिवर्ष बारिश के मौसम में राजधानी भोपाल में भुट्टा पार्टी देते हैं। वे प्रतिवर्ष 74 बंगला स्थित सरकारी आवास में यह पार्टी आयोजित करते थे, लेकिन प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद उन्हें 74 बंगला स्थित सरकारी आवास सरेंडर करना पड़ा। ऐसे में उन्होंने बुधवार रात बंगले के बजाय विधानसभा परिसर में इस पार्टी का आयोजन किया।

इस आयोजन में मालवा के प्रसिद्ध भुट्टे से बने व्यंजन पेश किए गए। इस दौरान विजयवर्गीय ने चिरपरिचित अंदाज में माइक थामा और फिल्मी गाना गाने का सिलसिला शुरू किया। उन्होंने सावन का महीना, पवन करे शोर... से भी समां बांधा, लेकिन उस समय पार्टी में नया रंग जम गया, जब विजयवर्गीय के आग्रह पर सीएम चौहान ने उनके साथ मिलकर शोले फिल्म का गाना गाया। यह गाना थोड़ी ही देर में सोशल मीडिया में भी वायरल हो गया।

दिनभर चला मेल मुलाकातों का दौर

विजयवर्गीय ने इससे पहले दिन में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से राज्य मंत्रालय वल्लभ भवन पहुंचकर सौजन्य भेंट की। इसके अलावा विजयवर्गीय ने प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल से राजभवन में और प्रदेश के सहकारिता मंत्री अरविन्द सिंह भदौरिया और कृषि मंत्री कमल पटेल से भी उनके निवास पर पहुंचकर मुलाकत की। श्री विजयवर्गीय के बुधवार सुबह भोपाल पहुंचने पर राजाभोज एयरपोर्ट पर भाजपा के जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी के नेतृत्व में उनका जोरदार स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री भोपाल, मिश्रा इंदौर भार्गव जबलपुर और सिलावट ग्वालियर में करेंगे ध्वजारोहण

विधानसभा अध्यक्ष रीवा में फहराएंगे राष्ट्रीय ध्वज

भोपाल (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम रीवा में, 30 जिला मुख्यालयों पर मंत्रीगण और शेष 20 जिलों में जिला कलेक्टर ध्वजारोहण करेंगे।

30 जिला मुख्यालयों में मंत्रीगण और बाकी 20 में कलेक्टर करेंगे झंडावंदन

राज्य सरकार ने बुधवार को ध्वजारोहण के लिए मंत्रियों के जिले तय कर दिए हैं। तय कार्यक्रम के हिसाब से मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा इंदौर में, मंत्री गोपाल भार्गव जबलपुर में, मंत्री तुलसीराम सिलावट ग्वालियर में, मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह सतना में, मंत्री जगदीश देवड़ा उज्जैन में, मंत्री बिसाहूलाल सिंह मंडला में, मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया देवास में, मंत्री भूपेन्द्र सिंह सागर में, मंत्री सुश्री मीना सिंह मांडवे सीधी में, मंत्री कमल पटेल छिंदवाड़ा में, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत दमोह में, मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह होशंगाबाद में, मंत्री विश्वास कैलाश सारंग विदिशा में, मंत्री डॉ.प्रभुराम चौधरी सीहोर में, मंत्री डॉ.महेन्द्र सिंह सिसोदिया शिवपुरी में, मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर गुना में, मंत्री प्रेम सिंह पटेल बुरहानपुर में, मंत्री ओम प्रकाश सकलेचा सिवनी में, मंत्री सुश्री ऊषा ठाकुर खण्डवा में, मंत्री अरविंद भदौरिया रायसेन में, मंत्री डॉ. मोहन यादव राजगढ़ में, मंत्री हरदीप सिंह डंग बालाघाट में, मंत्री राजवर्धन सिंह प्रेम सिंह दत्तीगांव अलीराजपुर में, राज्य मंत्री भारत सिंह कुशवाह मुरैना में, राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार झाबुआ में, राज्य मंत्री रामखेलावन पटेल शहडोल में, राज्य मंत्री राम किशोर नानो कांवरे उमरिया में, राज्य मंत्री बृजेन्द्र सिंह यादव शाजापुर में, राज्य मंत्री सुरेश धाकड़ दतिया में और राज्य मंत्री ओपीएस भदौरिया रतलाम जिला मुख्यालय पर ध्वजारोहण करेंगे। इसी प्रकार 20 जिला मुख्यालयों निवाड़ी, हरदा, नरसिंहपुर, कटनी, आगर-मालवा, अनूपपुर, खरगोन, भिण्ड, सिंगरौली, टीकमगढ़, धार, अशोकनगर, छतरपुर, नीमच, डिण्डोरी, बड़वानी, मंदसौर, श्योपुर, बैतूल और पन्ना में जिला कलेक्टर ध्वजारोहण करेंगे।

नीमच सोलर पार्क के लिए हुई बिडिंग, अब तक की सबसे सस्ती बिजली मिलेगी

मात्र दो रुपए 14 पैसे प्रति यूनिट मिलेगी सोलर की बिजली

- टाटा पॉवर की सौर्या लिमिटेड का किया गया चयन
- मार्च 2023 तक मिलने लगेगी बिजली

प्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह डंग ने विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की।

भोपाल (एजेंसी)। सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में देश में मप्र में सबसे सस्ती सौर ऊर्जा का रिकॉर्ड बुधवार को नीमच सोलर परियोजना के लिए हुई बिडिंग में ध्वस्त हो गया। गत 19 जुलाई को शाजापुर सोलर प्लांट के लिए हुई बिडिंग में प्राप्त दो रुपए 33 पैसे प्रति यूनिट का रिकॉर्ड तोड़ते हुए बुधवार को नीमच सोलर पार्क के लिए बिडिंग न्यूनतम टैरिफदो रुपए 14 पैसे प्रति यूनिट पर समाप्त हुई। न्यूनतम ऑफर के आधार पर नीमच सोलर पार्क की 160 मेगावॉट की यूनिट-1 दो रुपए 14 पैसा और 170 मेगावॉट की यूनिट-2 दो रुपए 14 पैसा के लिए टाटा पॉवर की टीपी सौर्या लिमिटेड का चयन किया गया। वहीं 170 मेगावॉट की यूनिट-3 के लिए 2 रुपए 15 पैसे प्रति यूनिट दर के लिए दुबई की अल जोमेह एनर्जी एंड वॉटर कंपनी को चुना गया।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह डंग ने बताया कि नीमच प्लांट के लिए बुधवार को हुई बिडिंग में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की 15 कंपनियों ने भाग लिया। इनमें अवाडा एनर्जी प्रायवेट लिमिटेड, एनएचडीसी, अज्योर पॉवर इंडिया, एसीएमई सोलर होर्डिंग प्रायवेट लिमिटेड, गेल इंडिया,टोरेंट पॉवर, टीपी सौर्या, अयाना रिन्यूबल पॉवर, एनटीपीसी, स्प्रिंग अक्षय ऊर्जा प्रायवेट लिमिटेड, बीमपाव एनर्जी और एबीआरईएल एसपीवी 2 लिमिटेड शामिल हैं। मंत्री श्री डंग ने बताया कि यह परियोजना लगभग एक हजार हेक्टेयर भूमि पर 1750 करोड़ के निजी निवेश से स्थापित की जाएगी। परियोजना से मार्च-2023 तक विद्युत उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित है। परियोजना स्थापना के दौरान लगभग 2500 और परियोजना संचालन में लगभग 500 लोगों को रोजगार मिलेगा। डंग ने इसके लिए विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों का लगातार रुझान बढ़ रहा है। इसका कारण निवेशकों को समय पर शत-प्रतिशत भुगतान, भूमि की आसान उपलब्धता और उन्हें दी जाने वाली सुविधाएं हैं। सोलर प्लांट बंजर भूमि पर स्थापित किये जा रहे हैं। इससे बेकार पड़ी भूमि का भी सदुपयोग बढ़ेगा।

अधिक संख्या में राष्ट्रगान गाकर पीएम की पहल में योगदान दें प्रदेशवासी

प्रधानमंत्री मोदी ने की अभिनव पहल : सीएम

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत नागरिकों से राष्ट्रगान गाने और इसका वीडियो वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए आमंत्रित करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान को अभिनव पहल बताया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रगान गाकर इस पहल में अपना योगदान दें और देश को गर्व से एकता के सूत्र में पिरोयें। देश के नागरिकों द्वारा राष्ट्रगान गाने के संकलन को 15 अगस्त को लाइव दिखाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि स्वाधीनता के 75वें वर्ष के अवसर पर पूरे भारतवर्ष में आजादी का अमृत महोत्सव, मनाया जा रहा है। इस गौरवशाली पर्व में स्वाधीनता संग्राम की परछाई भी है, शाश्वत भारत की परंपरा भी और हर भारतवासी को गौरवान्वित करने वाली प्रगति भी है। मप्र इस जन-उत्सव में उत्साहपूर्वक भागीदारी करके स्वाधीनता संग्राम के वीर बलिदानियों और भारत के महापुरुषों को सच्ची श्रद्धांजलि देगा। स्वाभिमान और बलिदान की इस परंपरा और इतिहास को हमें आने वाली पीढ़ियों को भी सिखाना है।

नगरीय क्षेत्रों में बाढ़ से क्षतिग्रस्त आवासों की मांगी जानकारी

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री ने कलेक्टरों को दिए निर्देश

भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने सभी कलेक्टर्स को निर्देशित किया है कि अतिवृष्टि एवं बाढ़ के कारण नगरीय क्षेत्रों में निवासरत आर्थिक रूप से कमजोर रहवासियों के क्षतिग्रस्त आवासों का सर्वे कर जल्द जानकारी भेजें। ऐसे आवासहीन रहवासी जो कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के बीएलसी घटक के तहत पात्रता की श्रेणी में आते हैं, उनका सर्वे कर पात्रतानुसार प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश पहले ही नगरपालिका अधिकारियों को दिये जा चुके हैं। नगरीय निकाय तथा राजस्व विभाग की संयुक्त टीम का गठन कर पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर पात्रता सूची 17 अगस्त तक भेजने के निर्देश दिये गए हैं। कार्य की प्रतिदिन समीक्षा के निर्देश भी दिए गए हैं।

प्रदेश में बनेगी उत्तम गुणवत्तायुक्त औषधियां : रामकिशोर कावरे

आयुष राज्य मंत्री ने विभाग की कार्यशाला को किया संबोधित

भोपाल (एजेंसी)। आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राम किशोर कावरे ने कहा कि प्रदेश में भरपूर मात्रा में उत्तम गुणवत्ता के औषधीय पौधे उपलब्ध हैं। औषधीय निर्माण शालाओं को इनका उपयोग करके उत्तम गुणवत्तायुक्त औषधियों का निर्माण कर देश और विदेश में निर्यात किया जाना चाहिए।

श्री कावरे आयुष विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। श्री कावरे ने कहा कि कोविड-19 संक्रमण काल में आयुष चिकित्सा ने अपनी उपयोगिता को सिद्ध किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आव्हान पर आयुष विभाग ने त्रिकुट चूर्ण, संशमनी वटी, आरोग्य कषायम-20 का वितरण प्रदेशवासियों को किया है। श्री कावरे ने सभी औषधि निर्माताओं से आग्रह किया कि अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित औषधियों के निर्माण एवं उपयोग से संबंधित अनुभवों को साझा कर गुणवत्तायुक्त औषधियों का निर्माण करें। प्रमुख सचिव आयुष श्रीमती करलिन खोंगवार देशमुख ने कहा कि कोरोना काल में आमजन गुणवत्तापूर्ण औषधि का इस्तेमाल करें, यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण औषधियों का उत्पादन विभाग और आयुष औषधि निर्माताओं की संयुक्त जिम्मेदारी है। लायसेंस अथॉरिटी दिल्ली डॉ. विजय गर्ग और जयपुर के डॉ. महेश शर्मा ने ड्रग एण्ड कास्मेटिक एक्ट-1940 एवं 1945 के अंतर्गत औषधियों के निर्माण और टेस्टिंग में रखी जाने वाली सावधानी और रिकॉर्ड संधारण की जानकारी दी। ऑनलाइन कार्यशाला में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आयुष औषधि निर्माता उपस्थित थे।

आरोप-प्रत्यारोप

ऐसा गैरजिम्मेदार विपक्ष नहीं देखा अब तक : भूपेंद्र सिंह

भोपाल, (एजेंसी)। प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने बुधवार को मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने अपने संसदीय जीवन में इस तरह के गैरजिम्मेदार रवैए वाला विपक्ष नहीं देखा है। श्री सिंह ने बुधवार को यहां मीडिया से चर्चा में एक दिन पहले संपन्न विधानसभा के मानसून सत्र के परिप्रेक्ष्य में कहा कि सामान्यत: विपक्ष की कोशिश हमेशा सदन को अधिक से अधिक समय तक चलाने की रहती है, लेकिन अब देखने में आ रहा है कि विपक्ष ही सदन की बैठकें नहीं होने देना चाहता है। श्री सिंह ने कहा कि विधानसभा में विपक्ष को अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए जनता के मुद्दे उठाने चाहिए था। मंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस इन दिनों समाज को बांटने की राजनीति कर रही है। कभी आदिवासियों के नाम पर तो कभी ओबीसी के नाम पर भ्रम फैलाकर हल्ला मचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे लगता है कि नेता प्रतिपक्ष कमलनाथ की रुचि विधानसभा में नहीं है। वे बड़े नेता हैं, इसलिए उन्हें दिल्ली जाकर राजनीति करना चाहिए।

जनहित के मुद्दों पर चर्चा नहीं करना चाहती सरकार : कमलनाथ

भोपाल, (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बुधवार को आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार जनहित के मुद्दों पर चर्चा नहीं चाहती है। श्री कमलनाथ ने ट्वीट के माध्यम से कहा कि इसलिए ही राज्य सरकार ने विधानसभा के मानसून सत्र की अवधि चार दिन रखी और फिर उसे दो दिन में ही महज चार घंटे में ही स्थगित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक बाढ़ आपदा, महंगाई, किसानों के मुद्दों और इस तरह की अन्य समस्याओं पर चर्चा करना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार को प्रारंभ हुआ था और मंगलवार को संपन्न हो गया। सत्र के दोनों ही दिन सदन में आदिवासियों, महंगाई और ओबीसी आरक्षण के मुद्दों पर जमकर हंगामा हुआ था।

अगले सप्ताह मिल सकती है कोचिंग संस्थानों को खोलने की अनुमति

सीएम से मिले कोचिंग संचालक

भोपाल (एजेंसी)। मप्र में लगातार अनलॉक का सिलसिला जारी है। प्रदेश में कोचिंग संस्थानों को छोड़कर बाकी सभी को अनलॉक के दायरे में शामिल कर लिया गया है, लेकिन अब तक कोचिंग संचालकों को कोचिंग संचालित करने की अनुमति नहीं मिली है।

अब संभावना बन रही है कि अगले सप्ताह से कोचिंग संचालित करने की अनुमति मिल सकती है। शुरुआत में 50 फीसदी क्षमता के साथ ही यह संचालन की अनुमति मिल सकती है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को इस संबंध में संकेत दिए। उन्होंने कहा कि कोचिंग कक्षाओं के संचालन की अनुमति के मामले में राज्य सरकार विचार कर रही है। बुधवार को मप्र कोचिंग ऑनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री चौहान से मुलाकात की और अपनी समस्याएं बताईं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कोचिंग संचालक अपने संस्थानों में कोरोना अनुकूल व्यवहार का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। मध्यप्रदेश कोचिंग ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण बकोरिया ने मुख्यमंत्री को बताया कि कोरोना महामारी से जिन विद्यार्थियों के माता-पिता का निधन हो गया है, उनके लिए एसोसिएशन द्वारा कोचिंग और हॉस्टल का निःशुल्क प्रबंध किया गया है।

सिंचाई परियोजनाओं को नुकसान के आकलन के लिए दो समितियां गठित

भोपाल । जल संसाधन एवं ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट के निर्देश पर जल संसाधन विभाग द्वारा दो समितियों का गठन किया गया है। यह समितियां अतिवृष्टि से प्रभावित बांध एवं नहर प्रणाली में हुए नुकसान और दुरुस्तीकरण का आकलन कर 4 दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। प्रमुख अभियंता मदन सिंह डाबर ने राजघाट नहर प्रणाली हर्सी उच्च स्तरीय नहर प्रणाली एवं सिंध नहर प्रणाली में अति वर्षा एवं बाढ़ से सिंचाई परियोजनाओं में हुई क्षति के आकलन के दुरुस्तीकरण के लिए अधीक्षण यंत्री सुनील सेठी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय कमेटी गठित की है। इसी प्रकार चंबल नहर प्रणाली श्योपुर, मुरैना, भिंड जिले में अति बारिश एवं बाढ़ से सिंचाई परियोजनाओं में हुई क्षति के आकलन के दुरुस्तीकरण के आकलन के लिए प्रभारी संचालक दीपक सातपुते की अध्यक्षता में कमेटी गठित की है। दोनों कमेटी स्थल का निरीक्षण कर संबंधित मुख्य अभियंता से समन्वय कर विस्तृत प्रतिवेदन अभिलेखों सहित 14 अगस्त तक प्रस्तुत करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस सेवादल ने किया प्रदेश स्तरीय तिरंगा मार्च का आयोजन, कमलनाथ ने कहा

भाजपा सरकार की सच्चाई जनता को बताएं सेवादल कार्यकर्ता

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश कांग्रेस सेवादल द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय तिरंगा मार्च एवं बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि मैं जब युवक कांग्रेस में था, उस समय से हम सेवादल के साथ मिलकर देशभर में काम करते थे। वह समय दूसरा था, आज कितना परिवर्तन आ गया है। पहले देश की राजनीति कुछ ओर थी, अब देश की राजनीति में बड़ा परिवर्तन हुआ है। मौजूदा हलातों को देखते हुए सेवादल कार्यकर्ता को अब बीजेपी सरकार की सच्चाई जनता को बताना होगी। डॉ. एनएस. हार्डिकर ने सेवादल की स्थापना महात्मा गांधी, नेहरू के मार्गदर्शन में की थी।

कमलनाथ ने कहा कि आपकी सेवा का सही लक्ष्य है सच्चाई। सेवादल का समर्पण कपड़े पहनने, टोपी पहनने से नहीं होता, सही समर्पण तब होगा कि आपने कितने लोगों को सच्चाई बताई। पहले 25 प्रतिशत लोग ही सोशल मीडिया से जुड़े थे लेकिन आज 99 प्रतिशत लोग सोशल मीडिया से जुड़े हैं। आप लोग सोशल मीडिया के जरिए लोगों का सच्चाई बताएं।

भाजपा झूठ की राजनीति पर चल रही है, 2014 में किसानों की आय दोगुनी करने का झूठ बोलकर और दो करोड़ बेरोजगारों को रोजगार देने के नाम पर सरकार तो बना ली लेकिन ना किसानों को कुछ दिया, ना बेरोजगारों को रोजगार दिया। फिर 2019 में इन्होंने किसानों, बेरोजगारों की बात नहीं की, अब ये राष्ट्रवाद की बात लेकर आ गए। यह हमें राष्ट्रवाद सिखाने की बात कर रहे हैं। भारत की आजादी में भाजपा के किसी एक भी व्यक्ति ने भाग लिया हो तो भाजपा उसका नाम बताए।

बाला बच्चन संभालेंगे बाल कांग्रेस का जिम्मा

श्री नाथ ने कहा कि सेवादल को आगे बढ़ाने के लिए हम बाल कांग्रेस का निर्माण करने जा रहे हैं, जिसकी जिम्मेदारी हमने पूर्व मंत्री बाला बच्चन को दी है। दो साल का समय बचा है, हमें पूरे प्रदेश में लोगों को भाजपा की झूठ, फरेब की राजनीति उजागर कर उसे बेनकाब करना है। मैं यहां भाषण देने नहीं ,आपका सम्मान करने उपस्थित हुआ हूं। सेवादल के साथी यदि कमर कस लें तो मप्र में कांग्रेस की सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता।

युवक कांग्रेस का प्रदर्शन नौटंकी : पंवार

भोपाल । भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पंवार ने युवक कांग्रेस के मुख्यमंत्री आवास के घेराव को नौटंकी बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के नाम पर कांग्रेस के युवा नेता आपसी खींचतान और प्रतीस्पर्धा का प्रदर्शन कर रहे थे, जो उन्हें पार्टी के बड़े नेताओं से विरासत में मिला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुद मुद्दा विहीन है और युवक कांग्रेस भी उसी रास्ते पर चल रही है। श्री पंवार ने कहा कि युवक कांग्रेस का प्रदर्शन कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन न होकर नेता पुत्रों के वर्चस्व की लड़ाई थी, जो प्रदर्शन के दौरान देखने को मिली। गुटों में बंटी कांग्रेस प्रदर्शन के दौरान भी अलग-अलग खेमों में दिखायी दी। हर खेमा अपनी ताकत और दमखम दिखाना चाह रहा था। श्री पंवार ने कहा कि युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए अपने हाथों ही खुद को पीट रहे थे और खुद अपने कपड़े फाड़कर नौटंकी कर रहे थे। श्री पंवार ने कहा कि युवक कांग्रेस का बुजुर्ग कांग्रेस की तरह ही प्रदेश की जनता और युवाओं से कोई सरोकार नहीं रह गया है। उन्होंने प्रश्न करते हुए कहा कि प्रदेश जब कोरोना से लड़ रहा था और भाजपा के कार्यकर्ता जी जान लगाकर सेवा कार्यों में जुटे थे और प्रदेश के कुछ जिले बाढ़ से जूझ रहे थे, तब युवक कांग्रेस के नेता कहां थे।

अनुप्रिया ने शुरू की असुर 2 की शूटिंग

अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका ने वेब सीरीज असुर 2 की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेत्री लंबे समय के बाद मुंबई से बाहर कदम रखेंगी, क्योंकि इस प्रोजेक्ट के लिए कलाकारों को अलग-अलग स्थानों पर शूटिंग की आवश्यकता है। अभिनेत्री एक बार फिर यात्रा करने के लिए रोमांचित है। महामारी के कारण एहतियात के तौर पर पूरी एंटरनेटमेंट इंडस्ट्री पर प्रभाव पड़ा है और इसकी वजह से उद्योग लगभग ठप पड़ गया है। हाल ही में शूटिंग फिर से शुरू हुई है और अनुप्रिया इससे खुश हैं। एक्ट्रेस पहले नई दिल्ली और फिर मनाली शूटिंग के लिए जाएंगी। अनुप्रिया ने बताया, मैं काम पर वापस आने के इस चरण का आनंद ले रही हूं। हम सभी डेढ़ साल से अधिक समय से अपने घरों में बंद थे। अब जब हमें बाहर जाने और काम करने के लिए राहत मिली है, तो मैं इसका अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश कर रही हूं। शुक्र है कि अब बहुत सारी यात्रा होने वाली हैं और मैं इसके लिए पूरी तरह से उत्सुक हूं। मुझे यकीन है कि यह बहुत अच्छा समय होगा, क्योंकि मैं कैमरों के सामने वापस आऊंगी, जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। अभिनेत्री, जो बाद में एक अज्ञात प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए वाराणसी भी जाएंगी, खुद को और सभी को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक सावधानियों के प्रति सचेत हैं। उन्होंने कहा, इस नए सामान्य दिनों में सावधानियां बहुत जरूरी हैं। मुझे हर समय एक मास्क पहनना पड़ता है। केवल जब मैं शॉट दे रही होती हूं तो मास्क हटा देती हूं। जैसे ही निर्देशक कट कहते हैं, कलाकारों में हर कोई है फिर से अपने मास्क लगा लेता है। क्रू मेंबर्स में किसी को भी अपने मास्क उतारने की अनुमति नहीं है और कई पीपीई किट में भी हैं। अभिनेत्री आगे कहती हैं, प्रोड्यूसर्स ने सेट पर नियमित रूप से रैपिड एंटीजन परीक्षण सुनिश्चित किया है, जो यह पहचानने में मदद करता है कि क्या किसी में कोई लक्षण तो नहीं दिखाई दे रहा। साथ ही शूटिंग के लिए कलाकारों और क्रू मेंबर्स के आने से पहले सेट और स्थानों को अच्छी तरह से साफ किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रोड्यूसर्स ने यूनिट में सभी के लिए सभी प्रकार की सुरक्षा सुनिश्चित की है। अनुप्रिया इन दिनों असुर 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं और इसी महीने वह एक और अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट भी शुरू करेंगी। प्रोजेक्ट्स ज्यादातर साल के अंत में जारी होने की उम्मीद है।

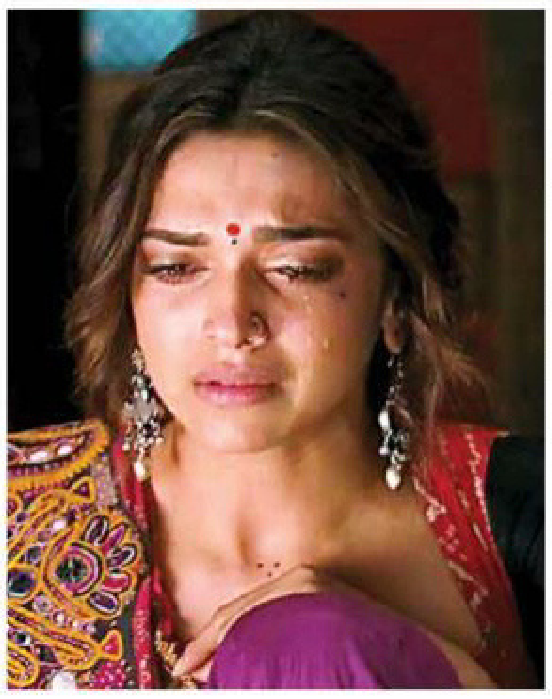

दीपिका पादुकोण बैजू बावरा से बाहर!

बॉलीवुड फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली में हाल ही में फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म की शूटिंग खत्म होने के बाद भंसाली अपने ड्रीम प्रोजेक्ट बैजू बावरा की तैयारियों में लग लग हैं। इस फिल्म में लीड रोल निभाने के लिए कई एक्टर के नाम सामने आ चुके हैं। इस फिल्म के लिए सबसे पहले रणबीर कपूर का नाम फाइनल माना जा रहा था, लेकिन हाल ही में खबर आई कि उन्होंने यह फिल्म करने से मना कर दिया। खबरों के अनुसार इस फिल्म को लेकर रणबीर कपूर काफी कंफ्यूजन में थे। इसके बाद फिल्म के लिए कार्तिक आर्यन के नाम की चर्चा शुरू हो गई। कार्तिक को कई बार भंसाली के ऑफिस के बाहर स्पॉट भी किया गया था। अब बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह का नाम इस फिल्म के लिए कंफर्म माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि फिल्म में रणवीर के साथ भंसाली दीपिका पादुकोण को कास्ट करना चाहते थे। अब ताजा खबरों के मुताबिक, दीपिका के हाथ से भंसाली की ये फिल्म निकल गई है। दीपिका के फिल्म से बाहर होने का कारण उनकी मोटी फीस की डिमांड बताई जा रही है। खबरों के अनुसार फिल्म के लिए दीपिका रणवीर सिंह के बराबर फीस चाहती थीं। उन्हें अपने पति के बराबर फीस मिले ना ही उनसे एक पैसा कम और ना ही ज्यादा। भंसाली ने दीपिका की यह डिमांड नहीं मानी और बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। बता दें कि रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण संजय लीला भंसाली के साथ राम लीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत जैसी हिट फिल्मों में काम कर चुके हैं।

बिग बॉस ओटीटी के घर का तापमान बढ़ाएंगी यह टीवी एक्ट्रेस

बिग बॉस ओटीटी का आगाज चुका है। इस शो को करण जौहर होस्ट करते नजर आएंगे। इस बार कंटेस्टेंट की लिस्ट में टीवी की हॉट एक्ट्रेस उर्फी जावेद का नाम भी शामिल है। उर्फी जावेद शो की सबसे बोल्ड और ग्लैमरस कंटेस्टेंट होने वाली हैं। हाल ही में बिग बॉस का एक नया प्रोमो शेयर किया गया था। इस प्रोमो में उर्फी का चेहरा नहीं दिखाया गया था। हालांकि यह साफ है कि वह एक्ट्रेस उर्फी जावेद ही है। इस प्रोमो को शेयर करते हुए वूट ने लिखा था, बिग बॉस जरा एसी बढ़ा दो, क्योंकि अब हॉटनेस बढ़ने वाली है। दर्शकों प्लीज अपने दिल बचा के रखें क्योंकि उन्हें चुराने वाली आ गई हैं। कौन है ये हसीन दिलरूबा? बताओ बताओ? उर्फी जावेद अक्सर अपनी हॉट अदाओं से इंटरनेट का तापमान बढ़ाती रहती हैं। उर्फी का सोशल मीडिया अकाउंट उनकी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरों और वीडियो से भरा पड़ा है। उर्फी जावेद कई टीवी शोज में काम कर चुकी हैं। वह बड़े भैय्या की दुल्हनिया, मेरी दुर्गा, बेपनाह, ये रिश्ता क्या कहलाता है, कसौटी जिंदगी की जैसे शोज में नजर आ चुकी हैं। बता दें कि उर्फी जावेद के अलावा नेहा भसीन, करण नाथ, जीशान खान, दिव्या अग्रवाल, रिद्धिमा पंडित जैसे कई सितारें बिग बॉस के घर में नजर आने वाले हैं।

तेलुगु अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू ने बनाया अपना खुद का यूट्यूब चैनल

तेलुगु अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू ने इस महीने की शुरूआत में अपना खुद का यूट्यूब चैनल लॉन्च किया है। अभिनेत्री को लगता है कि डिजिटल दुनिया का अधिकतम लाभ उठाने का यह सबसे अच्छा समय है। हालांकि अभिनेत्री को हमेशा इस उद्यम को शुरू करने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने इसे शुरू करने के लिए सही समय का इंतजार किया। लक्ष्मी ने बताया, मुझे वर्षों से एक यूट्यूब चैनल शुरू करने के लिए कहा जा रहा था। मैंने पहले नहीं देखा था कि मैं इसे लेकर और क्या वैल्यू ला सकती हूं, लेकिन अब दुनिया को और अधिक डिजिटल होते हुए देखते हुए, मुझे लगा कि यह काम शुरू करने का एक अच्छा माध्यम है। मैं एक नई यात्रा के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। यह पूछे जाने पर कि चैनल पर कंटेंट का फोकस क्या होगा, इस पर लक्ष्मी ने मजाक में जवाब देते हुए कहा, मुख्य फोकस स्पष्ट रूप से मैं होने जा रही हूं! वह आगे बताती हैं, मैं अलग-अलग चीजों पर कुछ सीरीज बनाने जा रही हूं, जिनके बारे में हम बात कर सकते हैं और मैं सुझावों के लिए भी तैयार हूं। लक्ष्मी एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए एक कुकरी शो भी होस्ट करती हैं जहां वह सेलिब्रिटी मेहमानों को आमंत्रित करती हैं, जहां विभिन्न प्रकार का खाना बनाया जाता है। अभिनेत्री डिजिटल रूप से विचित्र कंटेंट बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उनके पास इसका एक कारण भी है। अभिनेत्री ने कहा, अब पहले से कहीं अधिक लोग टेलीविजन के बजाय अपने फोन पर हैं और मुझे लगता है कि यह वह माध्यम है, जो धीरे-धीरे उनके मनोरंजन का मुख्य स्रोत बन गया है। इसलिए, लक्ष्मी मांचू हर जगह है। आप मुझे नकार नहीं कर सकते!

एयरलाइंस कंपनी पर फूटा हुमा कुरैशी का गुस्सा

एक्ट्रेस हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बेल बॉटम को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। जल्द ही उनकी ये फिल्म पर्दे पर रिलीज होने वाली है। इसी बीच उन्होंने एयरलाइन्स पर अपना गुस्सा निकाला है। ट्वीट के जरिए उन्होंने स्पाइसजेट को खरी-खोटी सुनाई है। दरअसल, हुमा कुरैशी इन दिनों बेल बॉटम के प्रमोशन को लेकर बिजी हैं। आज सुबह उन्हें कहीं बाहर जाना था, जिसकी वजह से वह सुबह से एयरपोर्ट पर थीं मगर वह अपनी फ्लाइट बोर्ड नहीं कर पाई हैं। हुमा कुरैशी ने ट्वीट किया-, मैं यहां सुबह 4 :30 बजे से यहां हूं। मैंने स्पाइटजेट की प्रणाम सर्विस से टिकट बुक की थी। मैं काउंटर पर सुबह 5 : 30 बजे से हूं लेकिन फिर भी सुबह 6 : 30 बजे अपनी फ्लाइट में नहीं चढ़ पाई। ओवरबुक की गई फ्लाइट्स? इस स्तर पर चीजें मैनेज करने के चक्कर में मैं अपनी कनेक्टिंग फ्लाइट मिस दूंगी। हुमा कुरैशी के इस ट्वीट का जवाब देते हुए स्पाइटजेट ने लिखा- हाय मिस कुरैशी। प्लीज हमे आपका

कॉन्टैक्ट नंबर मैसेज करें ताकि हम आपसे इस परेशानी के बारे में बात कर सकें। हालांकि अब हुमा ने अपना यह ट्वीट डिलीट कर दिया है। बात करें हुमा कुरैशी की फिल्म बेल बॉटम की तो बीते मंगलवार इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसमें दर्शकों ने खूब पसंद किया है। वहीं अब यह फिल्म 19 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

200 - हल्ला हो में अहम हिस्सा बनना चाहता था : बरुन सोबती

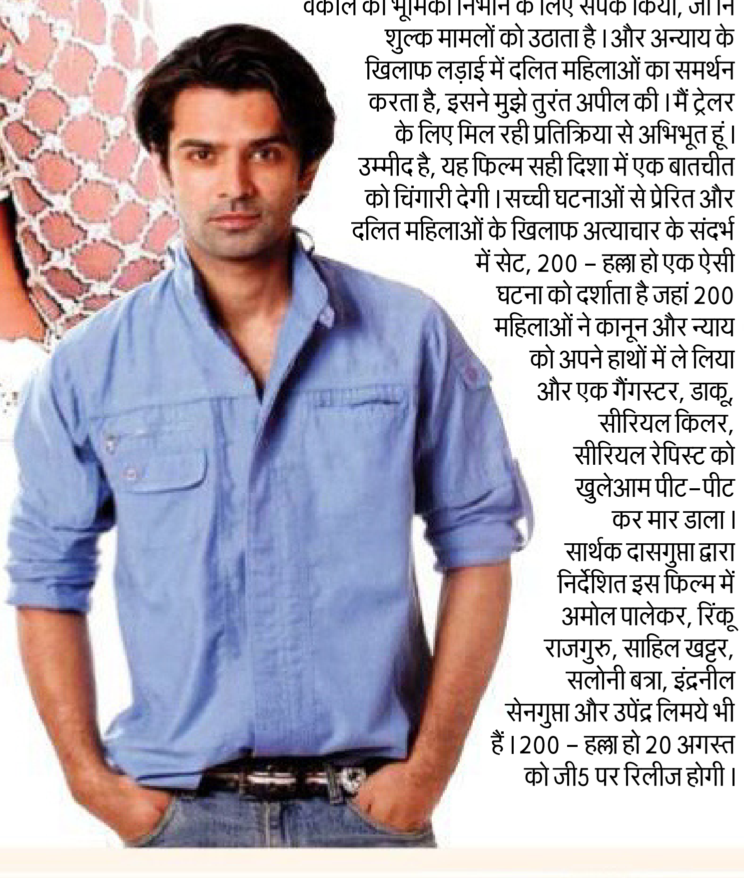

आगामी फिल्म 200-हल्ला हो में अहम भूमिका निभा रहे अभिनेता बरुन सोबती ने बताया कि वह फिल्म का हिस्सा क्यों बनना चाहते थे। बरुन ने कहा, मैं एक उद्देश्य के साथ भागों के लिए तरसता हूं, जो एक बड़े उद्देश्य की पूर्ति करता है और न केवल मनोरंजन की जरूरतों को पूरा करता है। इसलिए, जब 200 - हल्ला हो के निर्देशक सार्थक ने मुझसे एक वकील की भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया, जो नि शुल्क मामलों को उठाता है। और अन्याय के खिलाफ लड़ाई में दलित महिलाओं का समर्थन करता है, इसने मुझे तुरंत अपील की। मैं ट्रेलर के लिए मिल रही प्रतिक्रिया से अभिभूत हूं। उम्मीद है, यह फिल्म सही दिशा में एक बातचीत को चिंगारी देगी। सच्ची घटनाओं से प्रेरित और दलित महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के संदर्भ में सेट, 200 - हल्ला हो एक ऐसी घटना को दर्शाता है जहां 200 महिलाओं ने कानून और न्याय को अपने हाथों में ले लिया और एक गैंगस्टर, डाकू, सीरियल किलर, सीरियल रेपिस्ट को खुलेआम पीट-पीट कर मार डाला। सार्थक दासगुप्ता द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अमोल पालेकर, रिंकू राजगुरु, साहिल खट्टर, सलोनी बत्रा, इंद्रनील सेनगुप्ता और उपेंद्र लिमये भी हैं। 200 - हल्ला हो 20 अगस्त को जी5 पर रिलीज होगी।

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई में अहिल्याबाई होल्कर की मुख्य भूमिका निभाएंगी एताशा संसगिरी

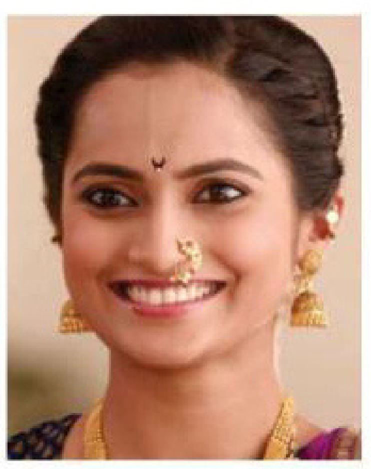

अभिनेत्री एताशा संसगिरी को टीवी सीरियल पुण्यश्लोक अहिल्याबाई में युवा अहिल्याबाई होल्कर की मुख्य भूमिका निभाने के लिए अनुबंधित किया गया है। बाल कलाकार अदिति जलतारे ने अहिल्याबाई के बचपन के दिनों को चित्रित किया है। अब इस ऐतिहासिक ड्रामा में सात साल का लीप आने वाला है और इसमें युवा अध्याय का प्रदर्शन होगा। अब युवावस्था के जीवन में एक नया अध्याय देखने को मिलेगा, क्योंकि वह भारतीय इतिहास की सबसे महान महिलाओं में से एक बनने के लिए बाधाओं को पार करते हुए अपना मार्ग प्रशस्त करती है। शो का हिस्सा बनने पर अपने उत्साह को साझा करते हुए, एताशा संसगिरी कहती हैं, मैं भारतीय इतिहास की सबसे महान महिला शासकों में से एक - रानी अहिल्याबाई होल्कर की विरासत की सराहना करने का अवसर पाकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। उम्मीद है, मैं उनकी प्रेरक विरासत के साथ न्याय कर पाऊंगी और दर्शक हमें उतना ही प्यार और प्रशंसा देते रहेंगे। वास्तव में इस नई यात्रा की शुरूआत करने के लिए उत्सुक हूं। वास्तव में एक सपना सच हो गया है। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर आने वाले शो पुण्यश्लोक अहिल्याबाई से रानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन का नया अध्याय 16 अगस्त से शुरू होगा।

अंधे व्यक्ति की भूमिका निभाना वास्तव में फायदेमंद रहा -विजयेंद्र कुमेरिया

आपकी नजरों ने समझा शो में वर्तमान में दर्श रावल के रूप में नजर आ रहे अभिनेता विजयेंद्र कुमेरिया दर्शकों की ओर से मिल रही प्रतिक्रिया से बेहद उत्साहित हैं। विजयेंद्र का कहना है कि दर्श के चरित्र ने उनके करियर प्रोफाइल में इजाफा किया है और उनके लिए एक अंधे व्यक्ति की भूमिका निभाना वास्तव में फायदेमंद रहा है। विजयेंद्र कहते हैं, अब मैं एक सामान्य आदमी की भूमिका निभा रहा हूं, कहानी विकसित हुई है और दर्शकों को नया ट्रैक पसंद है। यह पूछे जाने पर कि नए सामान्य दिनों में शूट करना कैसा बीत रहा है, वे कहते हैं, नए सामान्य में रहना जीवन का एक तरीका है, शूटिंग शेड्यूल जल्दी रहते हैं और वे समय पर समाप्त भी हो जाते हैं। शूटिंग के बाद मुझे अन्य चीजों पर ध्यान केंद्रित करने का मौका मिल रहा है, समय प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण है और मैं एक समय में एक दिन जीवन जीने में विश्वास करता हूं। शो की शुरूआत एक नेत्रहीन फोटोग्राफर दर्श रावल और एक साधारण, निस्वार्थ लड़की नंदिनी की प्रेम कहानी

से हुई। अब आपसी मतभेदों के कारण उनके बीच चीजें बदल गई हैं। शो उड़ान में अपनी भूमिका के लिए पहचाने जाने वाले 34 वर्षीय अभिनेता ने सह-कलाकार नारायणी शास्त्री, जो उनकी मां की भूमिका निभा रहीं हैं और ऋचा राठौर, जो उनकी पत्नी नंदिनी की भूमिका निभा रहीं हैं, के साथ अपने काम के अनुभव के बारे में भी साझा किया। उनका कहना है कि नारायणी के साथ-साथ ऋचा के साथ काम करना शानदार है। उन्होंने कहा, मां और बेटे के रूप में नारायणी और मेरे दृश्य काफी अच्छे हैं। दर्शक दर्शन और नंदिनी के पुनर्मिलन की प्रतीक्षा कर रहे हैं और यह नाटक को और अधिक रोचक बना रहा है। आमिर और सोनाली जफर द्वारा निर्मित आपकी नजरों ने समझा स्टार प्लस पर प्रसारित होता है।

लॉर्ड्स का किंग बनने उतरेंगे भारत और इंग्लैंड

लंदन, एजेंसी। नाटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में पहला टेस्ट बारिश के कारण ड्रा खेलने के बाद भारत और इंग्लैंड गुरूवार से ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान में शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट में इस ऐतिहासिक मैदान का बादशाह बनने और सीरीज में बढ़त बनाने के इरादे से उतरेंगे।

ट्रेंट ब्रिज में पहला टेस्ट चार दिन तक रोमांचक संघर्ष रहने के बाद पांचवें और अंतिम दिन की बारिश के चलते ड्रा समाप्त हुआ। भारत को 209 रन का लक्ष्य मिला था जिसमें से भारत ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक एक विकेट खोकर 52 रन बना लिए थे। कप्तान विराट कोहली की टीम के पास पहला टेस्ट जीतकर सीरीज में बढ़त हासिल करने का अच्छा मौका था लेकिन बारिश ने भारतीयों की तमाम उम्मीदों पर पानी फेर दिया। पहले टेस्ट में इंग्लैंड के कप्तान जो रुट ने शानदार शतक बनाया था और उनकी इसी पारी के चलते उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार भी दिया गया। दूसरे टेस्ट में उतरते समय दोनों टीमों की नजरें अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने पर लगी होंगी। भारत ने इंग्लैंड को ट्रेंट ब्रिज में पहली पारी में 183 रन पर निपटाया था। मेजबान टीम को इस बात से काफी राहत होगी कि पहला टेस्ट ड्रा रहा और वह दूसरे टेस्ट में 0-0 की हालत में उतरेगी।

भारतीय टीम अपने आल राउंड खेल के दम पर दोनों टीमों में बेहतर नजर आयी थी लेकिन उसके शीर्ष क्रम की नाकामी उसके लिए चिंता का विषय हो सकती है। पहले टेस्ट में अंतिम एकादश में शामिल किये गए लोकेश राहुल की फॉर्म में वापसी भारत के लिए राहत की बात हो सकती है। लेकिन शीर्ष और मध्य क्रम का लड़खड़ाना टीम इण्डिया की क्षमता पर सवाल खड़े करता है। चेतेश्वर पुजारा, कप्तान विराट कोहली और उपकप्तान अजिंक्या रहाणे की बल्लेबाजी क्षमता पर किसी को भी संदेह नहीं है लेकिन उनका सस्ते में आउट होने भारत को परेशानी में डाल सकता है। यही वह क्षेत्र है जिसमें इंग्लैंड फायदा उठा सकता है जबकि भारत को इस क्षेत्र में आशातीत सुधार करना है।

मेजबान टीम की बल्लेबाजी भी उसके लिए परेशानी का कारण बन सकती है।दोनों पारियों में जो रुट की श्रेष्ठता ने इंग्लैंड को पूरी तरह पतन से बचा लिया था। रुट को छोड़कर शेष इंग्लिश बल्लेबाजी भारत की तेज गेंदबाजी के सामने नतमस्तक नजर आयी थी। इंग्लैंड रातों रात तो अपनी बल्लेबाजी को नहीं सुधार सकता लेकिन खिलाड़ी निजी तौर पर अपने प्रदर्शन में जरूर सुधार कर सकते हैं। पहले टेस्ट में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के बल्लेबाजों के लिए खतरा बने थे। यदि सीरीज के बचे चरों टेस्टों में गेंद दोनों तरह मूवमेंट लेती है तो बुमराह इंग्लिश बल्लेबाजों के लिए परेशानी का सबब बने रहेंगे। दोनों टीमें आखिरी बार इस मैदान पर तीन साल पहले 2018 में भिड़ी थीं। भारतीय टीम दोनों पारियों में 107 और 130 पर सिमट गयी थी। जेम्स एंडरसन ने मैच में कुल नौ विकेट हासिल किये थे। क्रिस वोक्स ने इस मैच में अपना पहला टेस्ट शतक बनाया था। उस मैच के मुकाबले भारत इस समय ज्यादा बेहतर टीम दिखाई देती है और इस बात को उसने पहले टेस्ट में साबित किया था।

लॉर्ड्स टेस्ट के लिए ट्रेंट ब्रिज के मुकाबले मौसम की भविष्यवाणी बेहतर है, हालांकि रविवार को कुछ बारिश होने की सम्भावना है। लॉर्ड्स की जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में रखी गयी पिच धीमी थी लेकिन यह अब भी बल्ले और गेंद के बीच संतुलन रखती है यदि इस पर कुछ घास छोड़ी जाती है। इंग्लैंड अपनी अंतिम एकादश की घोषणा टॉस के समय करेगा और ट्रेंट ब्रिज में खेली टीम में कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड अपने पैर की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर रह सकते हैं। जेम्स एंडरसन का मामला भी मुश्किलों भरा है और उनका खेलना भी संदिग्ध है। मार्क वुड एकादश में जगह बनाएंगे जबकि तेज गेंदबाज साकिब मेहमूद को टीम में शामिल किया गया है। ऑफ स्पिन आलराउंडर मोईन अली की भी टीम में वापसी हुई है और उनका खेलना तय माना जा रहा है। यदि मोईन खेलते हैं तो इन गर्मियों में यह पहली बार होगा जब कोई स्पिनर इंग्लिश अटैक में शामिल होगा। पारी की शुरूआत में हसीब हमीद को जाक क्रौली की जगह मौका मिल सकता जिनका इस वर्ष मात्र 11 का औसत रहा है। दूसरी तरफ जहाँ तक भारत की बात है तो पहले टेस्ट में गेंद से प्रभावी प्रदर्शन करने वाले शार्दुल ठाकुर को हैमस्ट्रिंग चोट है और उन्हें आराम की सलाह दी गयी है। इससे कप्तान कोहली की पुरानी एकादश उतारने की योजना पर पानी फिर सकता है और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की वापसी का रास्ता साफ हो सकता है। यह भी देखना दिलचस्प होगा कि इशांत शर्मा की वापसी के लिए रास्ता बनता है या नहीं। इशांत ने 2014 में इस मैदान पर अपने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत को जीत दिलाई थी। लेकिन मोहम्मद सिराज को खेलाने से भारत को चार सदस्यीय तेज आक्रमण के साथ बल्लेबाजी में समस्या हो सकती है।

संभावित टीमें:

भारत :रोहित शर्मा, लोकेश राहुल, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली (कप्तान), अजिंक्या रहाणे , ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा,रविचंद्रन अश्विन / इशांत शर्मा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज

इंग्लैंड:रोरी बर्न्स, डॉम सिबली ,हसीब हमीद, जो रुट (कप्तान), जानी बेयरस्टो, जोस बटलर, मोईन अली, सैम करेन, ओली रॉबिन्सन, मार्क वुड, जेम्स एंडरसन/ साकिब महमूद

विश्व चैंपियनशिप का खिताब मेरा अगला लक्ष्य : नीरज चोपड़ा

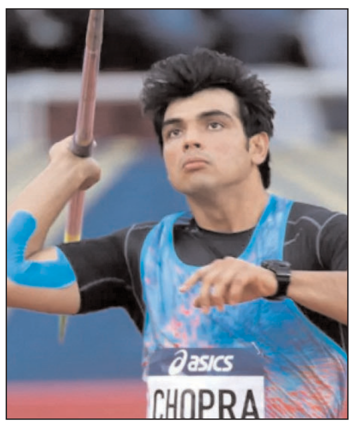

नयी दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में संपन्न टोक्यो ओलंपिक में देश के लिए पहला एथलेटिक्स स्वर्ण पदक जीतने वाले स्टार भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा अपने स्वर्ण से संतुष्ट नहीं है और अब 15 से 24 जुलाई 2022 तक अमेरिका के ओरेगॉन में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पोडियम (टॉप तीन) में शीर्ष पर पहुंचने पर नजर गड़ाए हुए हैं। नीरज ने यहां मंगलवार को भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) की ओर से आयोजित एक सम्मान समारोह के दौरान कहा, मैंने पहले राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों और अब ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीता है, इसलिए अब मेरा अगला लक्ष्य अगले साल होनी वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतना है। विश्व चैंपियनशिप एक बड़ी प्रतियोगिता है और कभी-कभी ओलंपिक खेलों की तुलना में कठिन होती है। मैं इस ओलंपिक स्वर्ण से संतुष्ट नहीं रहूंगा। मैं फिर से राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और ओलिंपिक खेलों के खिताब जीतना चाहूंगा। चैंपियन एथलीट ने यह भी कहा कि केरल में राष्ट्रीय खेलों के दौरान पांचवें स्थान पर रहने के बावजूद 2015 में एएफआई द्वारा राष्ट्रीय शिविर में उनका शामिल होना उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। उन्होंने कहा, मेरे राष्ट्रीय शिविर में शामिल होने के बाद सब कुछ बदल गया जैसे उपकरण, प्रशिक्षण सुविधाएं और आहार। देश के बेहतरीन भाला फेंक खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण का अहसास खास था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने समारोह के दौरान नीरज के टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के दिन यानी सात अगस्त को राष्ट्रीय भाला फेंक दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की।

राष्ट्रीय भाला फेंक दिवस मनाने के फैसले को प्रशंसकों ने सराहा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में भाला फेंक इवेंट अबतक ट्रैक और फील्ड स्पोर्ट में भले ही प्रसिद्ध नहीं रहा हो लेकिन नीरज चोपड़ा के टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रति वर्ष सात अगस्त को राष्ट्रीय भाला फेंक दिवस मनाने के फैसले को प्रशंसकों ने सराहा है।

प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर एएफआई के फैसले को ग्राउंड ब्रेकिंग करार दिया जबकि अन्य ने कहा कि इससे युवा पीढ़ी को उपलब्धि हासिल करने में मदद मिलेगी।

एक प्रशंसक ने ट्वीट कर कहा, एएफआई के हर साल देश भर में भाला फेंक प्रतियोगिता कराने का फैसला शानदार है और यह ग्राउंड ब्रेकिंग होगा। अन्य प्रशंसक ने लिखा, यह अच्छा फैसला है और सभी को इसका समर्थन करना चाहिए। इससे युवा पीढ़ी को अधिक उपलब्धि हासिल करने में मदद मिलेगी।

मंगलवार को एएफआई ने नीरज के सम्मान समारोह के दौरान यह घोषणा की थी कि हर साल सात अगस्त को राष्ट्रीय भाला फेंक दिवस मनाया जाएगा और इस दिन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में इसकी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

पुराने साथी नेमार की टीम पीएसजी में शामिल हुए लियोनेल मेसी

पेरिस, एजेंसी। दुनिया के दिग्गज फुटबालरों में शुमार लियोनेल मेसी दो साल के अनुबंध पर फ्रांसीसी क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से जुड़ने के लिए मंगलवार को यहां पहुंचे गए हैं। सोशल मीडिया पर कई वीडियोज वायरल हो रही हैं, जिनमें उनकी एक झलक पाने को फेंस क्रेजी हुए जा रहे हैं। दूसरी ओर, क्लब ने 'न्यू डायमंड इन पेरिस' शब्दों के साथ एक वीडियो टीजर पोस्ट किया है। पीएसजी में मेसी अपने पुराने साथी नेमार के साथ खेलेंगे। अर्जेंटीना के फुटबॉलर मेसी, जिन्होंने बार्सिलोना में अपने 21 साल के लंबे प्रवास को समाप्त किया और हाल ही में अर्जेंटीना के लिए कोपा अमेरिका जीता, मंगलवार को पेरिस पहुंचे और नए क्लब के साथ नए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पीएसजी के साथ उनका करार कर के बाद 3.5 करोड़ डॉलर प्रति वर्ष का का है और इसमें एक साल के विस्तार की सम्भावना रखी गई है।

13 साल की उम्र में बार्सिलोना की यूथ एकेडमी में शामिल हुए मेसी का कॉन्ट्रेक्ट इस साल 30 जून को खत्म हो गया था। ऐसा कहा जा रहा है कि बार्सिलोना की आर्थिक स्थिति और उस पर ला लीगा के नियमों के चलते मेसी को अलग होना पड़ा। मेसी हर हाल में बार्सिलोना के साथ रहना चाहते थे और इसके लिए वह वेतन में 50 प्रतिशत की कटौती के लिए भी तैयार थे लेकिन इसके बाद भी क्लब उन्हें साथ रखने में सक्षम नहीं था। फ्रांसीसी मीडिया की रिपोटर्स मे कहा जा रहा है है कि अगर करार की सभी औपचारिकताओं को जल्दी पूरा कर लिया जाता है तो मेसी शनिवार को क्लब के घरेलू मैदान पर डेब्यू कर सकते हैं। स्काई स्पोटर्स के मुताबिक पिछले हफ्ते बार्सिलोना छोड़ने के बाद मेसी के पास दो अन्य विकल्प थे, लेकिन उन्होंने पीएसजी में शामिल होने का विकल्प चुना, जिसमें चैंपियंस लीग सहित प्रमुख ट्राफियों के लिए प्रतिस्पर्धा करने की उनकी क्षमता थी। इसे उनके फ्रांस जाने के निर्णय में एक महत्वपूर्ण कारक माना जाता है। माना जाता है कि मेसी अपने पुराने दोस्त नेमार के साथ फिर से जुड़ने के इच्छुक हैं, जिनके साथ उन्होंने बार्सिलोना में अपने समय के दौरान दो ला लीगा खिताब, तीन कोपा डेल रे और चैंपियंस लीग जीते। पिछले सप्ताहांत अपने विदाई संवाददाता सम्मेलन में पीएसजी में जाने के बारे में पूछे जाने पर, मेसी ने कहा- यह एक संभावना है, उन ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए।

बुमराह की शीर्ष 10 में वापसी, कोहली बल्लेबाजी रैंकिंग में खिसके

दुबई, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी की है लेकिन कप्तान विराट कोहली बल्लेबाजी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर खिसक गये हैं। सितंबर 2019 में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग पर पहुंचने वाले बुमराह ने नॉटिंघम टेस्ट मैच में 110 रन देकर नौ विकेट लिये थे। इससे वह 10 पायदान चढ़कर गेंदबाजों की सूची में नौवें स्थान पर पहुंच गये हैं। कोहली पहले टेस्ट मैच की एकमात्र पारी में खाता भी नहीं खोल पाये थे जिससे वह बल्लेबाजी रैंकिंग में एक पायदान नीचे पांचवें स्थान पर खिसक गये। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट उनकी जगह चौथे स्थान पर काबिज हो गये हैं। उन्होंने 49 और 109 रन की पारियां खेलकर मैन ऑफ द मैच पुरस्कार हासिल किया था। इससे उन्हें 49 रेटिंग अंक मिले। भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पहले की तरह क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर बने हुए हैं। आलराउंडर रविंद्र जडेजा बल्लेबाजी सूची में तीन पायदान ऊपर 36वें पहुंच गये हैं जबकि केएल राहुल ने 84 और 26 रन की पारियों के दम पर 56वें स्थान पर टेस्ट रैंकिंग में वापसी की है। जडेजा ने आलराउंडरों की रैंकिंग सूची में एक स्थान के फायदे के साथ दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। भारत के सीनियर स्पिनर रविचंद्रन अश्विन इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। अश्विन को पहले टेस्ट में अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी लेकिन वह गेंदबाजों की सूची में आस्ट्रेलिया के पैट कमिन्स के बाद दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। शार्दुल ठाकुर 19 पायदान की छलांग लगाकर गेंदबाजों की सूची में 55वें स्थान पर पहुंच गये हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन (एक पायदान ऊपर सातवें) और ओली रॉबिन्सन (22 पायदान ऊपर 46वें) भी बुधवार को जारी रैंकिंग में आगे बढ़ने में सफल रहे। बांग्लादेश के शाकिब अल हसन ने टी20 रैंकिंग में आलराउंडरों की सूची में फिर से नंबर एक स्थान हासिल किया।

द. अफ्रीका महिला टीम की मेजबानी करेगा विंडीज

एंटीगा, एजेंसी। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम के बीच 31 अगस्त से यहां तीन मैचों की टी20 और पांच मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। पाकिस्तान के साथ पिछले महीने हुई सफल सीमित ओवरों की सीरीज के बाद वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीमित ओवरों के मैचों की मेजबानी की घोषणा की है। आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफायर्स की तैयारियों को देखते हुए यह सीरीज काफी अहम होगी। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के लिए यह सीरीज अपने खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा का टेस्ट करने का अवसर होगी क्योंकि टीम पहले ही विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी है जबकि विंडीज के लिए यह सीरीज अगले साल न्यूजीलैंड में होने वाले विश्व कप में जगह पक्की करने में मददगार साबित हो सकती है। वेस्टइंडीज इस सीरीज को देखते हुए मुख्य कोच कोर्टनी वॉल्श के नेतृत्व में हाई परफॉरमेंस ट्रेनिंग कैंप आयोजित करेगी।

बोलिंग कोच आर श्रीधर ने दूसरे टेस्ट के लिए ऋषभ पंत को किया तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच गुरुवार से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। इस टेस्ट मैच से पहले भारतीय खिलाड़ी जमकर पसीना बहा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर एक वीडियो अपलोड किया है जिसमें टीम इंडिया के फील्डिंग कोच आर श्रीधर टीम इंडिया को फील्डिंग की प्रैक्टिस कराते हुए नजर आ रहे हैं। विकेटकीपर ऋषभ पंत को भी विकेट के पीछे विकेटकीपिंग का अभ्यास करते हुए देखा जा सकता है। बीसीसीआई ने जो सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया है उसमें श्रीधर बाएं हाथ के पंत को एक यूनिक मैथड के जरिए विकेटकीपिंग का गुर सिखाते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसमें पेसर प्रसिद्ध कृष्णा, रिद्धिमान साहा और हनुमा विहारी भी शामिल हैं। सीरीज का पहला टेस्ट बारिश की भेंट चढ़ गया था। नॉटिंघम में खेले गए पहले टेस्ट के आखिरी दिन भारतीय टीम के पास जीत का सुनहरा मौका था लेकिन बारिश ने टीम इंडिया की जीत के मंसूबों पर पानी फेर दिया।

इससे पहले मंगलवार को बीसीसीआई ने भारतीय खिलाड़ियों के ट्रेनिंग सेशन की कुछ तस्वीरें ट्विटर पर साझा की थी। टीम इंडिया के हेड कोच रवि शास्त्री ने भी मंगलवार को एक फोटो शेयर की थी जिसमें वह लॉर्डस की बालकनी में बैटिंग कोच विक्रम राठौड़ और बोलिंग कोच भरत अरुण के साथ दिखाई दे रहे थे। शास्त्री ने कैप्शन लिखा था, ' क्रिकेट के घर लौटकर अच्छा लगा। यहां से कुछ अच्छी यादें जुड़ी हुई हैं। शास्त्री आगामी टी20 विश्व कप के बाद से टीम इंडिया से अलग हो सकते हैं। उनका कार्यकाल विश्व कप तक का है। इसके अलावा टीम इंडिया के बोलिंग कोच भरत अरुण, बैटिंग कोच विक्रम राठौड़ और फील्डिंग कोच आर श्रीधर का कार्यकाल भी टी20 विश्व कप तक है।

चोट के कारण इंग्लैंड दौरे से बाहर हुई न्यूजीलैंड की रोजमैरी

ऑकलैंड, एजेंसी। न्यूजीलैंड महिला टीम की तेज गेंदबाज रोजमैरी मायेर चोटिल होने की वजह से इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गई हैं। रोजमैरी की अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज मोली पेनफोल्ड को 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है जो पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलेंगी। न्यूजीलैंड को इंग्लैंड दौरे पर तीन टी20 और पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। रोजमैरी ने अबतक 11 वनडे मुकाबलों में चार विकेट और 17 टी20 मैचों में 13 विकेट लिए हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच बॉब कार्टर ने कहा, रोजमैरी का हटना निराशाजनक है जो हमारी टीम की हाल के समय से महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। उनकी चोट जल्द ठीक हो, हम उनके टीम से दोबारा जुड़ने के लिए उत्साहित हैं। न्यूजीलैंड की टीम 13 अगस्त को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी। दौरे की शुरूआत दो सिंतबर से टी20 सीरीज के साथ होगी।

लंकाशर के तेज गेंदबाज साकिब महमूद को दूसरे टेस्ट के लिए कवर के तौर पर बुलाया गया

लंदन, एजेंसी। लंकाशर के तेज गेंदबाज साकिब महमूद को भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए कवर के तौर पर इंग्लैंड की टीम में शामिल किया गया है। पता चला है कि लाड्र्स में मंगलवार को ट्रेनिंग सत्र के दौरान अनुभवी तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड की पिंडली की मांसपेशियों में चोट लग गई थी और साकिब को उनके कवर के तौर पर टीम में जगह मिली है। पाकिस्तानी मूल के 24 वर्षीय साकिब ने इंग्लैंड की ओर से सीमित ओवरों के 16 मैच खेले हैं जिसमें सात एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय शामिल हैं। उन्होंने कुल 21 विकेट चटकाए हैं। साकिब के नाम प्रथम श्रेणी मैचों में 65 विकेट दर्ज हैं। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इस बीच सूचित किया कि आफ स्पिनर डोम बेस को रिलीज कर दिया गया है और वह यॉर्कशर लौटेंगे।

नेमार से कम होगा मेस्सी का वेतन

पेरिस, एजेंसी। अपने करियर के शुरू से लेकर अब तक बार्सिलोना की तरफ से खेलने वाले लियोनेल मेस्सी मंगलवार को अपने नये क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) से जुड़ गये हैं जहां उन्हें अपने दोस्त और स्टार स्ट्राइकर नेमार से कम वेतन मिलेगा। अर्जेंटीना के 34 वर्षीय फारवर्ड मेस्सी ने मंगलवार को पीएसजी के साथ दो साल का करार किया। इसमें तीसरे साल का विकल्प भी रखा गया है। पीएसजी शनिवार को स्ट्रासबोर्ग के खिलाफ मैच से पहले पार्क डेस प्रिंसेस स्टेडियम में 50 हजार दर्शकों के सामने मेस्सी का परिचय कराएगा। मेस्सी ने रविवार को बार्सिलोना से अश्रुपूर्ण विदाई ली थी। उनका कुल वेतन 35 मिलियन यूरो (लगभग तीन अरब रुपये) होगा जो नेमार (37 मिलियन यूरो यानि लगभग तीन अरब 22 करोड़ रुपये) से कम है। मेस्सी के आने से पीएसजी के पास अब दुनिया का सबसे मजबूत आक्रमण हो गया है। उसके आक्रमण में अब मेस्सी, नेमार, अर्जेंटीना के एंजेल डि मारिया और फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर काइलन एमबापे शामिल हैं। मेस्सी ने कहा, क्लब से जुड़ा सब कुछ फुटबॉल की मेरी अपेक्षाओं से मेल खाता है। मैं क्लब और प्रशंसकों के लिये कुछ विशेष हासिल करने में मदद करने के लिये प्रतिबद्ध हूं।

एशेज सीरीज को स्थगित करने के पक्ष में नहीं : एंड्रयू स्ट्रॉस

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने कहा है कि वह इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली एशेज सीरीज को स्थगित करने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि लंबे टूर पर जा रहे खिलाड़ियों के परिवारों को भी दौरे पर साथ ले जाने के लिए इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड को कोई रास्ता निकालना चाहिए। इंग्लैंड की पूर्व पुरुष टीम के क्रिकेट निदेशक और इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) क्रिकेट समिति के वर्तमान अध्यक्ष स्ट्रॉस को लगता है कि दौरे को किसी भी तरह आगे बढ़ना चाहिए, जबकि माइकल वॉन और एलिस्टेयर कुक जैसे एशेज विजेता कप्तानों ने इसकी आलोचना की है। खिलाड़ियों के परिवारों पर बिना कोई फैसले के सीरीज को आगे नहीं बढ़ाना चाहिए। वॉन ने कहा है, अगर खिलाड़ियों को अपने परिवार के सदस्यों को अपने साथ रखने की अनुमति नहीं है, तो दौरे को रद्द कर दिया जाना चाहिए। इंग्लिश क्रिकेट टीम नवंबर में ऑस्ट्रेलिया की यात्रा करेगी और 8 दिसंबर से ब्रिस्बेन के गाबा में पहला एशेज टेस्ट खेलेगी। लॉर्डस में मंगलवार को स्ट्रॉस ने कहा, मैं ये कभी नहीं चाहूंगा कि सीरीज रद्द हो जाए। मैं बस यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि खिलाड़ियों के परिवार भी उनके साथ वहां पहुंच सकें। ब्रिटिश मीडिया ने हाल की रिपोटरें में दावा किया है कि अगर ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के खिलाड़ियों और उनके साथ परिवारों को अनुमति देने से इनकार करता है, तो इंग्लैंड के कई खिलाड़ी इस दौरे से अपना नाम वापस ले सकते हैं। ईसीबी ने एशेज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खिलाड़ियों को अपनी पत्नियों और भागीदारों के साथ यात्रा करने के संभावना पर चर्चा करने का वादा किया है।

सर्जरी के बाद स्थिर है केयन्र्सल की हालत

सिडनी, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर क्रिस केयन्र्सक की स्थिति सर्जरी के बाद स्थिर है। केयन्र्स तबीयत खराब होने के बाद ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में गिर पड़े थे और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जीवन रक्षा प्रणाली पर थे। न्यूजहब के स्पोटर्स प्रिसेंटेटर एंड्रयू गोउरडी ने ट्वीट कर कहा, सिडनी के सेंट विनसेंट अस्पताल में ट्रांस्फर करने से पहले केयन्र्सप की स्थिति में सुधार हुआ। उनकी सर्जरी हुई है। केयन्र्से की स्थिति गंभीर है लेकिन वह स्थिर हैं और आईसीयू में हैं। इससे पहले उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा था, इस बारे में अफवाह फैली है कि केयन्र्स को दिल के प्रत्यारोपण की जरूरत है, यह सच नहीं है। प्रत्यारोपण संभव है लेकिन सर्जन देखेंगे कि उनका दिल किस तरह काम कर रहा है। विभिन्न

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 51 वर्षीय केयन्र्से पिछले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में तबीयत बिगड़ने के बाद गिर पड़े थे। केयन्र्सब को कैनबरा के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। केयन्र्सर न्यूजीलैंड क्रिकेट के एक महान खिलाड़ियों में एक पूर्व खिलाड़ी लांस केयन्र्सर के पुत्र हैं, जो अपने समय के बेहतरीन ऑलराउंडर थे। केयन्र्सख ने न्यूजीलैंड के लिए 1989 से 2006 तक कुल 62 टेस्ट, 215 वनडे और दो टी 20 मैच खेले हैं।

पाकिस्तान के ओलंपिक में लचर प्रदर्शन पर इमरान ने बुलायी बैठक

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने देश के ओलंपिक में लचर प्रदर्शन के कारणों का पता लगाने के लिये खेल मंत्री डा. फहमिदा मिर्जा के साथ बैठक बुलायी है। पाकिस्तान के 10 खिलाड़ियों ने तोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लिया था लेकिन उनमें से कोई भी पदक नहीं जीत पाया। इनमें से भाला फेंक के एथलीट अरशद नदीम और भारोत्तोलक ताल्हा तालिब ही प्रभाव छोड़ पाये थे और अपनी स्पधाओं में शीर्ष पांच में रहे थे। पाक सरकार में मंत्री असद उमर ने कहा, प्रधानमंत्री अपनी सरकार के बाकी बचे दो वर्ष के कार्यकाल में देश के खेल ढांचे पर ध्यान देंगे क्योंकि वह चाहते हैं कि युवा क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों में भी अपनी चमक बिखेरें। सरकारी सूत्रों के अनुसार इमरान का खेलों के प्रति यह नया प्यार पड़ोसी भारत के ओलंपिक में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद जगा है। भारत को भाला फेंक के एथलीट नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक दिलाया था। इसके अलावा उसने दो रजत और चार कांस्य पदक भी जीते। असद ने कहा कि यह सच है कि अपने तीन साल के शासन में सरकार ने खेलों पर बहुत अधिक ध्यान नहीं दिया क्योंकि देश में कई अन्य ज्वलंत मुद्दे थे। उन्होंने कहा, लेकिन अब प्रधानमंत्री भी चाहते हैं कि खेलों में सुधार हो।